@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 20 अप्रैल 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 159 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मराठी भाषा को नुकसान हुआ तो बर्दाश्त नहीं करेंगे: सुप्रिया सुले

मुंबई, 19 अप्रैल। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को लेकर महाराष्ट्र की सियासत गर्माहट अपने चरम पर है। इसी बीच एनसीपी (शरद पवार गुट) की नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को जल्दबाजी में लागू करना ठीक नहीं है और अगर इससे मराठी भाषा को नुकसान होता है, तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुणे में पत्रकारों

से बात करते हुए उन्होंने राज्य सरकार के उस फैसले पर नाराज़गी जताई, जिसमें कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी ही लोगों की मातृभाषा है और उसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि अन्य भाषाएं सीखने का विकल्प दिया जाना चाहिए, लेकिन कोई भाषा जबरन थोपना सही नहीं। पहले हमें राज्य में शिक्षा व्यवस्था की बुनियादी समस्याओं पर बात करनी चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि अगर राज्य बोर्ड को हटाकर सीबीएसई को लागू किया जा रहा है, तो इसकी जरूरत क्या है? सुले ने आगे चेताया कि नई शिक्षा नीति को लागू करने की जल्दीबाज़ी छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। इसके साथ ही सुले ने एक गर्भवती महिला की मौत को लेकर ससून अस्पताल की जांच रिपोर्ट पर भी सवाल उठाए और कहा कि अगर अस्पताल ने महिला को इलाज से मना किया तो यह बेहद गंभीर मामला है और रिपोर्ट में नरमी दिखाई गई है। उन्होंने आगे राज्य सरकार पर वित्तीय मामलों को लेकर भी निशाना साधा। सुले ने कहा कि महाराष्ट्र न तो जल जीवन मिशन में और न ही निवेश के मामलों में शीर्ष प्रदर्शन कर पा रहा है। अंत में उन्होंने कहा कि राज्य को एक स्थिर और प्रगतिशील सरकार की जरूरत है, लेकिन बीते 100 दिनों में ऐसा कुछ दिखा नहीं है।

नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्त करना बदले की भावना की कार्रवाई: मल्लिकार्जुन खरगे

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी की बैठक में केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि- ईडी की चार्जशीट में सोनिया गांधी, राहुल गांधी का नाम और नेशनल हेराल्ड की संपत्तियां जब्त करना- यह सब बदले की भावना से किया गया है। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राजधानी दिल्ली के इंदिरा भवन में सभी महासचिवों, प्रभारियों और सभी फ्रंटल संगठनों के प्रमुखों की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस नेता अजय माकन भी मौजूद रहे। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि- सभी ने देखा कैसे बड़े षड्यंत्र के तहत नेशनल हेराल्ड मामले में सीपीपी चेयरपर्सन सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नाम चार्जशीट में डाल दिया गया है। ये लोग किसी का भी नाम डाल दें, हम डरनेवाले नहीं हैं। इसके दो दिन पहले ही नेशनल हेराल्ड की दिल्ली, लखनऊ और मुंबई की संपत्तियों को अटैच कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि, इसमें कोई शक नहीं कि यह सब बदले की भावना से किया जा रहा है। यंग इंडियन, लाभ के लिए नहीं' कंपनी है। इसका मतलब यह है कि एजेएल के शेयर और संपत्ति या लाभ को ना तो कोई ले सकता है और ना ही ट्रांसफर कर सकता है। भाजपा के लोग झूठ बोलकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। हमें जनता को सच बताना होगा। यह महज संयोग नहीं हो सकता कि एक तरफ हमारा एआईसीसी का अहमदाबाद अधिवेशन हो रहा हो और उसके तत्काल बाद ईडी की इतनी बड़ी कार्रवाई हो रही हो। मैं यहां आपको याद दिला दूं कि मेरे नेतृत्व में जब रायपुर में कांग्रेस महाधिवेशन हुआ था तो पीएम मोदी ने वहां भी उसे फेल करने के लिए हमारे नेताओं के ऊपर ईडी, सीबीआई को लगा कर रेड कराई। उनकी मंशा थी कि सेशन न होने पाए। फिर भी ये हुआ। लोक सभा चुनाव के पहले हमारे खाते बंद किए गए, फिर भी हमारा संख्या बल जनता ने लोक

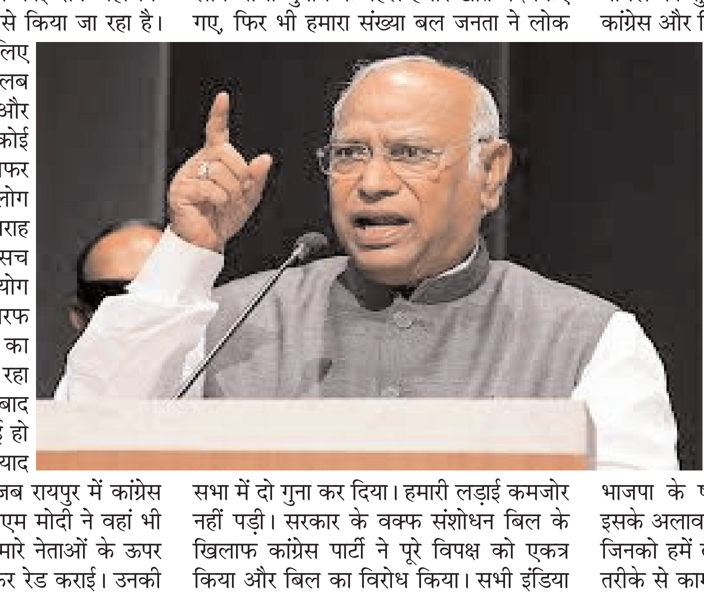

सभा में दो गुना कर दिया। हमारी लड़ाई कमजोर नहीं पड़ी। सरकार के वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने पूरे विपक्ष को एकत्र किया और बिल का विरोध किया। सभी इंडिया दल के लोगों ने साथ दिया। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रही है। मुझे खुशी है कि कांग्रेस और विपक्ष के दूसरे दलों ने जिन बिंदुओं को रखा था, सुप्रीम कोर्ट ने उनको महत्व दिया है। खास तौर पर सरकार द्वारा वक्फ बाय यूजर का मुद्दा, जानबूझ कर वक्फ की संपत्तियों को विवाद में डालने के लिए ही लाया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई अभी कर रही है, हमें पूरा भरोसा है कि हम इस लड़ाई को भी जीतेंगे। इस मामले में सरकार और भाजपा के नेताओं ने अफवाह को फैलाने और लोगों को भ्रमित करने में कोई कमी नही छोड़ी थी। हमें लोगों के बीच जाकर उनको अपने पक्ष से अवगत कराना होगा और भाजपा के षडयंत्र को बेनकाब करना होगा। इसके अलावा देश के सामने कई ज्वलंत मुद्दे हैं, जिनको हमें लगातार उठाते रहना है। योजनाबद्ध तरीके से काम जारी रखना है।

शांति चाहते हैं लोग, केंद्र को भेजेंगे रिपोर्ट: राज्यपाल बोस

कौमी संवाददाता

मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल), 19 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस आज मुर्शिदाबाद पहुंचे और हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। राज्यपाल पीड़ितों से मुलाकात के बाद केंद्र सरकार को प्रदेश की कानून-व्यवस्था से जुड़ी रिपोर्ट भी भेजेंगे। राज्यपाल के अलावा राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम भी आज मुर्शिदाबाद पहुंची। हिंसा पीड़ितों से मुलाकात के बाद राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि वे (पीड़ित) सुरक्षित महसूस करना चाहते हैं। पीड़ितों ने जो भी सुझाव या मांग की हैं, उन पर विचार किया जाएगा। मैं इस बारे में केंद्र सरकार को सूचित करूंगा ताकि उचित कार्रवाई की जा सके। मैंने लोगों को अपना फोन नंबर दिया है और उन्हें जरूरत पड़ने पर फोन करने को कहा है। हम संपर्क में बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग शांति

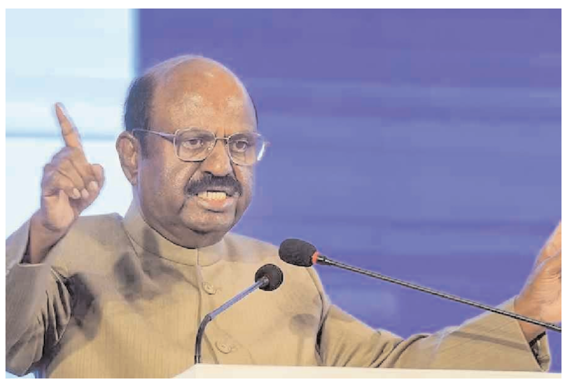

चाहते हैं। 11 अप्रैल को भड़की हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात के बाद राज्यपाल ने कहा कि पीड़ित सुरक्षा की भावना चाहते हैं। वह पीड़ितों की मांगों पर केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मांगों और सुझावों पर विचार किया जाएगा। पीड़ित मुझसे सीधे बात करने के लिए स्वतंत्र महसूस करें, इसलिए उन्हें फोन नंबर भी दिया गया है। हम उनके संपर्क में रहेंगे और निश्चित रूप से बहुत प्रभावी कदम उठाएंगे। बोस ने कहा कि वे और अधिक स्थानों का दौरा कर हिंसा में प्रभावित लोगों से मिलेंगे। खबरों के मुताबिक धुलियान के वार्ड 16 में एक गांव में पहुंचे राज्यपाल गांव के कुछ लोगों से नहीं मिल सके। इस पर गांव वाले भड़क गए। ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। विरोध के बीच राज्यपाल ने गांव वालों की बात सुनी। इसी इलाके में विरोध-प्रदर्शन के दौरान रोड ब्लॉक किए जाने की भी खबर है। गवर्नर के दौरे के बीच मुर्शिदाबाद में मौजूद जिलाधिकारी (डीएम) राजर्षि मित्रा ने कहा कि हिंसा प्रभावित इलाके में पुलिस और केंद्रीय बल तैनात हैं। फिलहाल, स्थिति शांतिपूर्ण है। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने भी शनिवार को मुर्शिदाबाद का दौरा शुरू किया। शुक्रवार को कोलकाता में मीडिया से बात करते हुए रहाटकर ने कहा कि हमें सूचना मिली है कि प्रभावित इलाकों और राहत शिविरों में महिलाओं के साथ सही व्यवहार नहीं किया जा रहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक जांच समिति गठित की है। हम पीड़ितों से बात करेंगे और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले स्थिति का आकलन करेंगे। इसके बाद रविवार को आयोग की टीम, कोलकाता में राज्यपाल, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से भी मुलाकात करेगी। राज्यपाल के दौरे से पहले एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, शनिवार को राज्यपाल बोस मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज के दंगा प्रभावित इलाकों में पीड़ितों से मुलाकात करेंगे।

पुरुषों के दबदबे वाले पेशे में घुसपैठ नहीं कर रहीं महिलाएं: जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। महिलाएं ऐतिहासिक रूप से पुरुषों के दबदबे वाले व्यावसायिक संस्थानों में घुसपैठ नहीं कर रही हैं, बल्कि उन अनुचित बाधाओं को ध्वस्त कर रही हैं, जिन्होंने पीढ़ियों से उन्हें बाहर रखा हुआ था। सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बी.वी.नागरत्ना ने शुक्रवार को यह टिप्पणी की। जस्टिस नागरत्ना वरिष्ठ वकील महालक्ष्मी पावनी की किताब वुमन लॉज फ्रॉम द वॉम्ब टू द टॉम्ब- राइट्स एंड रेमेडीज के विमोचना के मौके पर बोल रही थीं। शीर्ष कोर्ट की जज ने कहा, आज जो हो रहा है, वह महिलाओं का पुरुषों के स्थान पर आक्रमण नहीं है। महिलाएं उन बाधाओं को खत्म कर रही हैं, जिन्होंने पीढ़ियों से उन्हें अनुचित तरीके से बाहर रखा है। सुप्रीम कोर्ट की जज ने कहा, आज जो कुछ हो रहा है, वो ये नहीं है कि महिलाएं पुरुषों की जगहों में घुसपैठ कर रही हैं, बल्कि वो उन बाधाओं को तोड़ रही हैं, जिन्होंने उन्हें पीढ़ियों तक नाजायज तरीके से बाहर रखा। आज जो भी महिला कोर्ट, विधानसभा या बोर्ड रूम में कदम रख रही है, वो अपनी सीमाएं नहीं बढ़ा रही,बल्कि इस देश की बौद्धिक और संस्थागत विरासत में अपना हक वापस ले रही है। जस्टिस नागरत्ना ने जोर देकर कहा कि महिलाओं की भूमिका में आ रहे बड़े बदलाव, खासकर उन पेशों में जो ऐतिहासिक रूप से पुरुषों के कब्जे में रहे हैं, उन पर चर्चा करते वक्त हमारी भाषा ऐसी होनी चाहिए जो समानता को बढ़ावा दे और महिलाओं की उनकी जायज भागीदारी का सम्मान और उत्सव मनाए। उन्होंने आगे कहा, यह जरूरी है कि हम थोड़ा देर रुकें और सोचें कि हम इन बदलावों को कैसे शब्दों में बयान करते हैं। अक्सर हम सुनते हैं कि महिलाएं अब न्यायपालिका में आ रही हैं, बोर्डरूम में अपनी जगह बना रही हैं या सत्ता और प्रभाव वाले क्षेत्रों में कदम रख रही हैं। लेकिन जब इन बातों को गहराई से समझते हैं, तो इनमें यह छिपा संदेश होता है कि ये जगहें महिलाओं के लिए नहीं थीं और उनकी मौजूदगी कुछ अलग या जबरदस्ती जैसी लगती है।

वर्ल्ड लिवर डे पर प्रधानमंत्री ने की सेहतमंद भारत बनाने की अपील

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। आज वर्ल्ड लिवर डे के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और ध्यानपूर्वक खाना खाने की अपील की। पीएम मोदी ने लोगों को मोटापे की समस्या के प्रति भी जागरुक किया। दरअसल वर्ल्ड लिवर डे (विश्व यकृत दिवस) के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक मुहिम शुरू की है, जिसमें लोगों से अपने खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे लेकर सोशल मीडिया पोस्ट किया, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रतिक्रिया दी। नड्डा ने लिखा कि छोटे कदम बड़ा बदलाव ला सकते हैं अगर हम खाने को दवाई की तरह खाएं। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के बाद मोटापे को लेकर भी जागरूकता बढ़ाई जा रही है क्योंकि मोटापे का समाज पर गहरा असर पड़ रहा है। नड्डा के ट्वीट पर पीएम मोदी ने लिखा कि वर्ल्ड लिवर डे मनाने का यह अच्छा तरीका है। हम मोटापे के खिलाफ जागरूकता

लाकर एक स्वस्थ्य भारत बना सकते हैं। पीएम मोदी ने इससे पहले फरवरी में भी मोटापे के प्रति लोगों को जागरूक किया था और उन्होंने इस बारे में और जागरूकता फैलाने के लिए 10 लोगों को नामित किया था। जिन लोगों को नामित किया गया था, उनमें महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा, आजमगढ़ से पूर्व भाजपा सांसद और भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ, एथलीट मनु भाकर, एथलीट मीराबाई चानू, मलयालम फिल्मों के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल, इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, हिंदी और तमिल फिल्मों के अभिनेता आर. माधवन, प्रसिद्ध पार्श्व गायिका श्रेया घोषाल और इंफोसिस की संस्थापक और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति इसमें शामिल हैं। लिवर शरीर का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है जो मेटाबोलिज्म को ठीक रखने, विषैले पदार्थों को बाहर निकालने, पाचन और कई अन्य कार्यों में अहम भूमिका निभाता है। हर साल 19 अप्रैल को विश्व लिवर दिवस मनाया जाता है ताकि लोगों को लिवर की सेहत के प्रति जागरूक किया जा सके।

सीमा से बाहर जा रहा सुप्रीम कोर्ट, देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए जिम्मेदार: निशिकांत दुबे

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से राष्ट्रपति को विधेयकों पर समय से फैसला लेने के निर्देश के बाद लगातार रूप से इस मामले में बयानबाजी तेज हो गई है। इसी बीच अब इस मामले में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट की भूमिका पर सवाल उठाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अगर कोर्ट ही कानून बनाएगा, तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। वहीं भाजपा सांसद ने सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि- मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और सुप्रीम कोर्ट इस देश में हो रहे सभी गृहयुद्धों के लिए जिम्मेदार हैं। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। अगर हर बात के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना ही पड़े तो संसद और विधानसभाएं बंद कर देनी चाहिए। बता दें कि भाजपा सांसद की यह टिप्पणी वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर चल रही सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और राष्ट्रपति को विधेयकों पर समय से फैसला लेने के कोर्ट के निर्देश के बाद आई है। हालांकि विपक्ष लगातार रूप से सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की सराहना कर रहा है। उन्होंने कहा- आप नियुक्ति करने वाले अधिकारी को निर्देश कैसे दे सकते

हैं? राष्ट्रपति भारत के मुख्य न्यायाधीश को नियुक्त करते हैं। संसद इस देश का कानून बनाती है। आप उस संसद को निर्देश देंगे?...आपने नया कानून कैसे बनाया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर निर्णय लेना है? इसका मतलब है कि आप इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहते हैं। जब संसद बैठेगी तो इस पर विस्तृत चर्चा होगी। निशिककांत दुबे के बयान पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि दुबे का बयान अपमानजनक है और यह सुप्रीम कोर्ट जैसे सम्मानित संस्थान पर सीधा हमला है। टैगोर ने कहा कि निशिकांत दुबे अक्सर देश की संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि अब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को निशाना बनाया है। मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के जज इस पर ध्यान देंगे, क्योंकि यह बयान संसद के बाहर दिया गया है। साथ ही टैगोर ने साफ कहा कि सुप्रीम कोर्ट पर इस तरह की टिप्पणी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जा सकती। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे और कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और सुपर संसद के रूप में काम करेंगे। उपराष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का जिक्र किया, जिसमें राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर विधेयक पर फैसला लेने की समयसीमा तय की गई है।

एमडीएमके नेता दुरई वाइको ने छोड़ा प्रधान सचिव का पद

चेन्नई, 19 अप्रैल। तमिलनाडु की क्षेत्रीय पार्टी एमडीएमके में सबकुछ सही नहीं है और ऐसे संकेत मिले हैं कि पार्टी आंतरिक कलह से जूझ रही है। दरअसल पार्टी के संस्थापक वाइको के बेटे दुरई वाइको ने पार्टी के प्रधान सचिव का पद छोड़ दिया है। दुरई वाइको तमिलनाडु की तिरुचिरापल्ली लोकसभा सीट से सांसद हैं। दुरई वाइको ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में अपने इस्तीफे का एलान किया। वाइको ने लिखा कि पार्टी के ही एक नेता उनके इस्तीफे के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होने कहा कि चार साल पहले जब मैंने प्रधान सचिव का पद संभाला था तो एक व्यक्ति इससे खुश नहीं था और वह बीते चार वर्षों से पार्टी और इसके नेतृत्व के खिलाफ आरोप लगा रहा था। दुरई ने लिखा कि मैं अब ऐसे व्यक्ति के बीच पार्टी के प्रधान सचिव का पद नहीं संभाल सकता। इसलिए मैं पद छोड़ रहा हूं। दुरई ने हालांकि ये साफ किया कि वे रविवार को होने वाली प्रशासनिक परिषद की बैठक में शामिल होंगे, लेकिन भविष्य में ऐसी अहम बैठकों से दूरी बनाकर रखेंगे। हालांकि दुरई वाइको ने उस व्यक्ति के नाम का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह फैसला ये सुनिश्चित करने के लिए लिया है कि पार्टी या इसके संस्थापक वाइको को उनके कारण कोई नुकसान न हो।

घर खरीदने वाले लोगों से जुटाए 522.90 करोड़ रुपये, फिर हुआ खेला

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), लखनऊ जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत मेसर्स उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स लिमिटेड और अन्य के मामले में आगरा, मेरठ, नोएडा और दिल्ली में 8 स्थानों पर छापेमारी की है। दो दिन पहले हुई इस रेड में कई खुलासे हुए हैं। प्रमोटर अनिल मिठास को ईडी की सात दिन की हिरासत में भेजा गया है। आरोप है कि प्रमोटर ने घर खरीदने वाले लोगों से 522.90 करोड़ रुपये एकत्रित कर लिए। वे लोग इंतजार कर रहे थे कि अब उनका घर खरीदने का सपना साकार होने जा रहा है। जैसे ही उन्हें मालूम पड़ा कि कंपनी ने उनके साथ खेला यानी धोखा कर दिया है तो उनका सपना टूट गया। कंपनी ने उन लोगों का पैसा फ्लैट बनाने की बजाए कहीं दूसरी जगह लगा दिया। घर खरीद की चाह रखने वाले लोगों ने जब अपना पैसा वापस मांगा तो उन्हें टरकाने का प्रयास किया गया। जांच एजेंसी ने कथित धोखाधड़ी के किंगपिन अनिल मिठास को हिरासत में ले लिया है। धन की हेराफेरी में शामिल उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स लिमिटेड और उसके निदेशक अनिल मिठास एवं अन्य संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारियों के आवासों और कार्यालय परिसरों में तलाशी ली गई। ईडी की रेड का मकसद, अपराध की आय (पीओसी) और अपराध से संबंधित सबूतों का पता लगाना था। ईडी ने यूपी पुलिस और ईओडब्ल्यू दिल्ली द्वारा आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत मेसर्स उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स लिमिटेड, प्रमोटरों और अन्य के खिलाफ दर्ज विभिन्न एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। ईडी की जांच से पता चला है कि उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स लिमिटेड (इसके बाद यूएफएचएल के रूप में संदर्भित) ने नोएडा के सेक्टर-119 में अरण्य शैली में एक आवासीय और वाणिज्यिक परियोजना के लिए होमबॉयर्स से 522.90 करोड़ रुपये एकत्र किए थे। प्रमोटर द्वारा उक्त राशि वर्ष 2012-2019 के दौरान एकत्र की गई

थी। कंपनी ने लोगों को भरोसा दिलाया था कि सभी प्रोजेक्ट समय पर पूरे होंगे। लोगों को तय अवधि में घर/फ्लैट मिल जाएंगे। हालांकि, यह परियोजना निर्धारित तिथि और समय पर पूरी नहीं हुई। घर खरीदारों को लगा कि उनके साथ धोखा हो गया है। उन्होंने विभिन्न फोरम जैसे यूपी-रेरा, पुलिस आदि में शिकायतें दर्ज करना शुरू कर दिया। इस बीच, कंपनी ने विभिन्न वित्तीय लेनदारों को बकाया चुकाने में भी चूक की। ऐसे ही एक वित्तीय लेनदार ने 2018 में एनसीएलटी, दिल्ली के समक्ष दिवालियेपन आवेदन दायर किया और वह आज तक लंबित है। इस प्रक्रिया ने होमबॉयर्स पर अतिरिक्त लागत का बोझ भी डाला गया। जांच के दौरान, यह पता चला है कि अनिल मिठास ने कंपनी के प्रमोटर होने के नाते विभिन्न संबंधित संस्थाओं और फर्जी कंपनियों में भारी मात्रा में धनराशि का निवेश कर दिया। इसके लिए लोगों के पैसे का गबन किया गया। लोगों से जिस कार्य के लिए पैसा लिया गया था, वहां पैसा नहीं लगाया गया। वह पैसा ऐसी जगह पर लगाया गया, जो व्यवसायिक गतिविधियों से संबंधित नहीं था। जानबूझ ऐसी कंपनी में पैसा निवेश किया गया, जो बंद हो चुकी थी। धनराशि को फर्जी ऋण और अग्रिम, शेयर प्रीमियम, सामग्री के लिए अग्रिम भुगतान, जमा आदि के जरिए विभिन्न कंपनियों में डायवर्ट/हस्तक्षेप किया गया। इसके चलते छोटे उल्लंघनों के कारण वह राशि जब्त कर ली गई या एमसीए से हटा दी गई। नतीजा, मूल परियोजना के लिए पैसे की कमी पड़ गई। वहां पर काम बंद हो गया। प्रोजेक्ट अटक गए। यूपीआरईआरए के निर्देश पर मेसर्स करी एंड ब्राउन द्वारा तैयार की गई ऑडिट रिपोर्ट और आईआरपी के निर्देश पर मेसर्स बीडीओ इंडिया एलएलपी द्वारा तैयार की गई एक अन्य लेनदेन ऑडिट रिपोर्ट से स्पष्ट रूप से पता चला कि घर खरीदने वालों के धन का डायवर्जन/गबन फ्लैटों के निर्माण और विकास के मूल उद्देश्य के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए किया गया था। निदेशकों और प्रमोटरों ने आईपीसी की धारा 420 और 120-बी के तहत संगठित वित्तीय धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रची।

क्या साथ आएंगे उद्धव-राज ठाकरे?

मुंबई, 19 अप्रैल। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे से फिल्म निर्देशक और अभिनेता महेश मांजरेकर ने यूट्यूब चैनल के इंटरव्यू में पूछा था कि क्या वे भविष्य में कभी उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन कर सकते हैं? इस पर राज ठाकरे ने कहा, किसी भी बड़ी बात के सामने हमारे विवाद या हमारे झगड़े बहुत छोटे हैं। महाराष्ट्र बहुत बड़ा है। महाराष्ट्र के अस्तित्व, मराठी लोगों के अस्तित्व के सामने ये झगड़े और विवाद बहुत ही मामूली हैं। मुझे नहीं लगता कि साथ आने या साथ रहने में कोई मुश्किल है, लेकिन मुद्दा केवल इच्छा का है। हमें लार्जर पिक्चर देखनी चाहिए, मैं वही देख

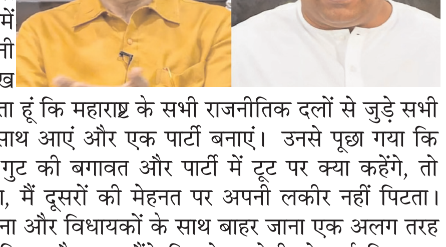

रहा हूं। मैं तो चाहता हूं कि महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों से जुड़े सभी मराठी लोग एक साथ आएं और एक पार्टी बनाएं। उनसे पूछा गया कि शिवसेना से शिंदे गुट की बगावत और पार्टी में टूट पर क्या कहेंगे, तो राज ठाकरे ने कहा, मैं दूसरों की मेहनत पर अपनी लकीर नहीं पिटता। शिंदे का अलग होना और विधायकों के साथ बाहर जाना एक अलग तरह की राजनीति का हिस्सा है। जब मैंने शिवसेना छोड़ी तो कई विधायक और सांसद मेरे पास आए। तब भी मैं ऐसा करने में सक्षम था, लेकिन मैं बालासाहेब के अलावा किसी और के अधीन काम नहीं कर सकता। मैं उस समय शिवसेना में था। उद्धव के साथ काम करने में कोई समस्या नहीं थी, लेकिन क्या सामने वाला व्यक्ति चाहता था कि मैं उसके साथ काम करूं? इंटरव्यू के दौरान बालासाहेब ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे ने कहा, जब वे शिवसेना में थे तो उन्हें उद्धव के साथ काम करने में आपत्ति नहीं थी।

व्हाइट हाउस ने कोविड 'लैब लीक' के लिए चीन को ठहराया जिम्मेदार, बाइडेन पर भी उठाए सवाल

एजेंसी

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने एक कोविड-19 वेबसाइट लॉन्च की, जिसमें उन्होंने कोरोना वायरस की उत्पत्ति के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया है। साइट के मुताबिक वुहान के एक लैब से ये वायरस लीक किया गया। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, अमेरिका के पूर्व शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी एंथनी फाउसी और विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी कोरोना वायरस की उत्पत्ति को दबाने की भी आलोचना की गई है। व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर अब कोविड-19 लैब-लीक थ्योरी को समर्पित एक पूरा पेज है। यह घटना सीआईए द्वारा एक रिपोर्ट जारी करने के कुछ सप्ताह बाद आई है जिसमें कहा गया था कि प्रयोगशाला से लीक की आशंका है। एजेंसी ने पहले कहा था कि उसके पास कोविड-19 की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं है। नया वेबपेज उस साइट पर है, जो कोविड-19 टीकाकरण प्रयासों के लिए संसाधन के रूप में कार्य करती थी। अब इसमें एक बैनर है जिसमें लिखा है लैब लीक, द ट्रू ओरिजिन्स ऑफ कोविड-19 (यानि कोविड उत्पत्ति की सच्चाई)।

यूएनआईडीओ ने विश्वव्यापी सहयोग का आह्वान करते हुए अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी की आलोचना की

वियना। संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) ने अपनी वेबसाइट पर एक लेख प्रकाशित किया, जिसमें वैश्विक आर्थिक विकास और औद्योगिक विकास पर अमेरिका की हालिया टैरिफ वृद्धि के प्रतिकूल प्रभावों पर चिंता व्यक्त की गई है। यूएनआईडीओ ने जोर देकर कहा कि टैरिफ बढ़ोतरी गलत दृष्टिकोण अपनाती है, यह इंगित करते हुए कि उनकी गणना और कार्यान्वयन में उनके इच्छित परिणामों की उपलब्धि का समर्थन करने के लिए सबूत की कमी है। लेख के अनुसार ये टैरिफ औद्योगिक उत्पादन की लागत को बढ़ाते हैं, जिससे आर्थिक दक्षता कम हो जाती है, व्यापार के लाभ कम हो जाते हैं और प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर हो जाती है। यूएनआईडीओ ने चेतावनी दी कि ऐसी नीतियां अंततः दुनिया भर में नौकरियों को खतरे में डाल देंगी, जिससे सबसे कमजोर देश सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

कनाडा में अग्रिम मतदान के लिए मतदाताओं की उमड़ी भीड़

ओटावा। कनाडा में संघीय चुनाव के लिए अग्रिम मतदान शुक्रवार से शुरू हो गए हैं, जिससे मतदाताओं को आधिकारिक मतदान दिवस 28 अप्रैल से पहले अपना वोट डालने के लिए कई दिन मिल गए। कनाडा के कई शहरों में लोग लंबी कतारों में खड़े नजर आए। सोशल मीडिया के मुताबिक, कई अग्रिम मतदान केंद्रों पर वोट डालने के लिए एक घंटे तक का इंतजार करना पड़ा। न्यूज ने चुनाव कनाडा के प्रवक्ता डगाल्ड मौडस्ले के हवाले से कहा, देशभर में मतदान को लेकर काफी रुचि दिखाई दे रही है और कई केंद्रों पर भीड़ देखी जा रही है। प्रवक्ता ने कहा कि पहले दिन भारी मतदान जरूरी नहीं कि कुल मतदान भी ज्यादा होगा, लेकिन संकेत उसी ओर इशारा कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कनाडा के चुनाव आयोग ने बताया कि अब तक 1.3 लाख से अधिक कनाडा के लोग विशेष मतपत्र से वोट डाल चुके हैं, जो 2021 के मुकाबले दोगुना है। एजेंसी उन कनाडाई लोगों को विशेष मतपत्र जारी करती है जो चुनाव के दिन या अग्रिम मतदान तक इंतजार नहीं करना चाहते हैं। 2019 में करीब 50 लाख और 2021 में 58 लाख लोगों ने अग्रिम मतदान किया था। उस दौरान कुल मतदाता भागीदारी 2019 में 67 प्रतिशत और 2021 में 62.2 प्रतिशत रही थी।

भारतीय दूतावास ने कनाडा में भारतीय छात्रा की मौत पर जताया शोक

टारंटो। कनाड़ा में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गत गोलीबारी की घटना में एक भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है।भारतीय महावाणिज्य दूतावास, टारंटो ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा, ÷हम हैमिल्टन, ओन्टारियो में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की दुखद मौत से बहुत दुखी हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार, वह एक निर्दोष पीड़िता थी, दो वाहनों पर हुई गोलीबारी की घटना के दौरान अचानक एक गोली लगने से उसकी मृत्यु हो गई। फिलहाल हत्या की जांच चल रही है। हम उनके परिवार के साथ निकट संपर्क में हैं और सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। इस कठिन समय में हमारे विचार और प्रार्थनाएँ शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।कनाडा में एक 21 वर्षीय भारतीय छात्रा की गोली लगने से मौत से उस समय मौत हो गयी जब वह काम पर जाने के लिए बस स्टॉप पर इंतजार कर रही थी तभी एक कार सवार ने गोली चला दी। हरसिमरत रंधावा ओंटारियो के हैमिल्टन में मोहॉक कॉलेज की छात्रा थीं। हैमिल्टन पुलिस हत्या की जांच कर रही है और कह रही है कि सुश्री रंधावा एक निर्दोष दर्शक थीं।

फेसबुक, एक्स, इंस्टा ने नहीं सुनी नेपाल सरकार की बात, अब प्रतिबंध लगाने की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार की ओर से बार-बार आग्रह करने के बाद भी कई सोशल मीडिया साइट्स ने नेपाल में सरकारी निर्देशों के मुताबिक पंजीकरण कराने से इनकार कर दिया। इससे नाराज नेपाल सरकार ने अब इन सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर ली है। नेपाल सरकार के प्रवक्ता एवं सूचना- संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने शनिवार को काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि जिन सोशल मीडिया साइट्स ने नेपाल में अपना पंजीकरण नहीं कराया है, उन पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। पहले तीन महीना और फिर बाद में एक महीने का समय दिया गया। इसके बाद भी सोशल प्लेटफार्म फेसबुक, एक्स, वाट्सएप और इंस्टाग्राम ने नेपाल में पंजीकरण

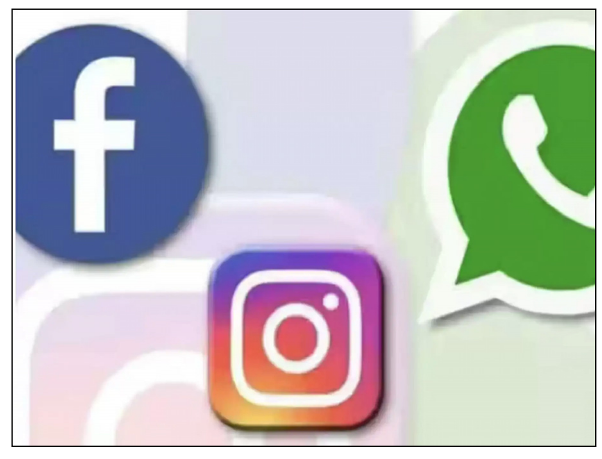

नहीं कराया है। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल को अंतिम एक महीने की समय सीमा भी समाप्त हो चुकी है, इसलिए रविवार को नेपाल में पंजीकरण नहीं करने वाले सभी सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय किया जाएगा। नेपाल के नियम कानून को नहीं मानने वाले, नेपाल सरकार की सूचना को बेवास्त करने वाले सोशल मीडिया कंपनियों पर प्रतिबंध आवश्यक है। नेपाल सरकार अपने कानून के मुताबिक फेसबुक, एक्स, वाट्सएप और इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगाएगी। नेपाल सरकार द्वारा सूचना जारी करने के बाद अब तक सिर्फ यूट्यूब, वाइबर, वीचैट और टिकटॉक ने नेपाल में अपना पंजीकरण कराया है। बाकी कंपनियों ने नेपाल सरकार के इस फरमान का जवाबी पत्र तक नहीं भेजा है। फेसबुक, वाट्सएप, मैसेंजर जैसी सोशल मीडिया साइट्स चलने वाली मेटा कंपनी ने तो नेपाल सरकार के साथ वर्चुअल मेटिंग तक से इंकार कर दिया है।

उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में चार आतंकवादी मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संयुक्त अभियान के दौरान चार आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान प्रांत के स्वात जिले में चलाया गया। समाचार एजेंसी के अनुसार, आईएसपीआर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों से उनके ठिकाने पर मुठभेड़ की, जिसमें चारों आतंकवादी मारे गए। आतंकवादियों के ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। बयान में कहा गया कि मारे गए आतंकी क्षेत्र में कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने बुधवार को डेरा इस्माइल खान जिले के मद्दी इलाके में चार आतंकवादियों को मार गिराया था।एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में 2025 के पहले तीन महीनों में खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में आतंकवादी हमलों में 152 लोग मारे गए। मरने वालों में पुलिस वाले, सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक शामिल थे। केपी पुलिस की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन घटनाओं में 302 व्यक्ति घायल भी हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिक सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। जनवरी से मार्च के बीच 45 लोगों की मृत्यु हुई और 127 लोग घायल हुए। पुलिस बल ने 37 सदस्यों को खो दिया, जबकि 46 अन्य घायल हुए। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हमलों में फ्रंटियर कोर (एफसी) के 34 कर्मियों की मृत्यु हो गई तथा 43 अन्य घायल हो गए।

बांग्लादेश में हिन्दू नेता की पीट-पीट कर हत्या

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या क्रम थम नहीं रहा है। अब हन्दू समुदाय के प्रमुख नेता और बांग्लादेश पूजा उडजापान परिषद के उपाध्यक्ष भाबेश चंद्र राय की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। इसे लेकर बांग्लादेश के हिन्दू समुदाय में रोष और भय का माहौल है। उत्तरी बांग्लादेश के दिनाजपुर में प्रमुख हिन्दू नेता भाबेश चंद्र राय परिवार के साथ रहते थे। द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक करीब शाम पांच बजे का समय रहा होगा। तभी अपराधियों ने राय को फोन किया। उन्होंने घर पर ही होने के बारे में बताया। 30 मिनट बाद ही चार लोग दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए। भावेश को घर से उठा ले गए। उन्हें बदमाश नाराबारी गांव ले गए, वहां पर उन्हें जमकर पीटा गया। बदमाशों के चंगुल से किसी तरह छूट कर राय रात को घायल अवस्था में घर पर पहुंचे और बेहोश हो गए। परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बांग्लादेश

के बिराल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुस सबूर ने बताया कि इस मामले आरोपियों की तलाश की जा रही है। भाबेश चंद्र राय की गिनती बांग्लादेश के प्रमुख हिन्दू नेता के रूप में होती थी। जब भी हिन्दुओं पर अत्याचार हुए तो राय ने जमकर विरोध प्रदर्शन किए थे। इसके लिए कई बार उन्हें अंजाम भुगतने की धमकियां भी मिली थीं।गौरतलब है कि बीते दिन ही भारत की ओर से बांग्लादेश को फटकार लगाई थी। कहा था कि वह अपने यहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर ध्यान दें। लेकिन इसके बाद भी हिन्दुओं की प्रमुख नेता की हत्या कर दी गई।

भूकंप के झटकों से थर्राया अफगानिस्तान, कश्मीर तक कांपी धरती; रिक्टर पैमाने पर 5.9 रही तीव्रता

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के तजाकिस्तान बॉर्डर के पास की धरती शनिवार सुबह भूकंप के झटकों से कांप उठी. भूकंप के तेज झटकों ने इलाके में दहशत फैला दी. रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 मापी गई. इसका असर सिर्फ अफगानिस्तान तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तरी भारत के जम्मू-कश्मीर तक झटके महसूस किए गए. सुबह-सुबह धरती हिलते ही लोग घरों से बाहर निकल आए और कई इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. अनुसार, यह भूकंप शनिवार, 19 अप्रैल 2025 को सुबह 6 बजकर 47 मिनट और 55 सेकंड (ङ्मष्ट समयानुसार) पर आया. इसका केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र पर था. भूकंप की गहराई करीब 86 किलोमीटर मापी गई, जो इसे एक मध्यम-गहराई वाला भूकंप बनाती है। भूकंप की वजह से अफगानिस्तान के बदख्शान और आसपास के इलाकों में झटके अधिक तीव्रता से महसूस किए गए. हालांकि अब तक किसी जानमाल के नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, भूकंप के झटके महसूस किए गए. श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग जैसे इलाकों में सुबह-सुबह धरती हिलते ही लोग सहम गए और बड़ी संख्या में लोग

लेकिन स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में लोगों के घरों से बाहर भागने और डर के माहौल की खबरें सामने आ रही हैं. भूकंप का केंद्रवर्ती क्षेत्र काफी पहाड़ी और कठिन भूगोल वाला है, जिससे वहां राहत और रेस्क्यू ऑपरेशन्स में चुनौती आ सकती है। भारत के जम्मू-कश्मीर में भी घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए. स्थानीय प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है. मौसम विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

नेपाल में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह की सभी समितियों की मान्यता ख़ारिज की

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजशाही के पक्ष में लंबे समय से राजनीति कर रही राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के बीच दरार पैदा हो गई है। पार्टी ने पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के सभी संगठन समूह, अभियान आदि की मान्यता को खारिज कर दी है। इतना ही नहीं, पार्टी ने फैसला लिया है कि पूर्व राजा के अभियान में जुड़ने पर पार्टी की सदस्यता स्वतः खारिज हो जाएगी।

पार्टी की केन्द्रीय समिति की बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में पत्रकार सम्मेलन में जानकारी दी गई। पार्टी प्रवक्ता मोहन श्रेष्ठ ने बताया कि अब से नेपाल में राजसंस्था की वापसी के लिए पार्टी के नेतृत्व में ही कोई भी अभियान या आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी के नेताओं को पार्टी गतिविधि के अलावा अन्य किसी भी प्रकार के अभियान या आंदोलन में शामिल होने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के ऐसे सभी पदाधिकारियों का पद स्वतः खत्म हो जायेगा, जो अन्य किसी समूह संगठन या अभियान में सक्रिय हैं। पार्टी ने अपने सभी नेताओं को इस तरह के अभियानों से अलग होने की हिदायत भी दी गई है। पार्टी की तरफ से 20 अप्रैल को काठमांडू के निषेधित क्षेत्र में संसद भवन के आगे प्रदर्शन करके सामूहिक गिरफ्तारी देने की घोषणा की गई है।

दरअसल, पिछले दिनों पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने राजशाही के पक्ष में राजनीति करने वाली आरपीपी पार्टी को दरकिनार करते हुए उसी पार्टी के कुछ नेताओं को अपने निवास में बुलाकर अलग अभियान की घोषणा करने को कहा था। शाह के निर्देशन के बाद पार्टी के उपाध्यक्ष रवीन्द्र मिश्र, महामंत्री धवल शमशेर राणा, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश चंद लोहनी, केंद्रीय सदस्य नवराज सुवेदी को बुलाकर राजसंस्थ पुनर्स्थापना संयुक्त संघर्ष समिति का गठन किया गया था। इसमें सुबेदी के नेतृत्व में गठित इस समिति में रविन्द्र मिश्र को निदेशक समिति का संयोजक बनाया गया, जबकि धवल शमशेर के नेतृत्व में आंदोलन समिति की घोषणा की गई। इसी तरह पूर्व राजा ने दुर्गा प्रसाई को जनांदोलन समिति का कमांडर बनाया था।

पिछले 28 मार्च को काठमांडू में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद उस समिति के संयोजक नवराज सुवेदी अभी तक हाउस अरेस्ट हैं, जबकि रविन्द्र मिश्र और धवल शमशेर को पुलिस ने उसी रात को गिरफ्तार किया था। इसी तरह पूर्व राजा के आंदोलन का कमांडर बनाए गए दुर्गा प्रसाई को भारत के असम से गिरफ्तार करके नेपाल लाया गया है।

चीन ने नये परीक्षण उपग्रहों का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया

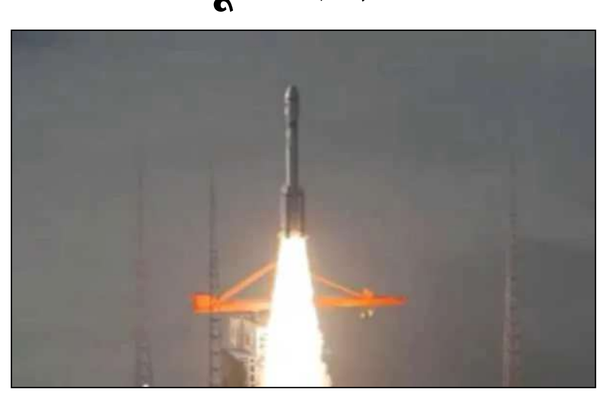

एजेंसी

ताइयुआन। चीन ने उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में ताइयुआन सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से छह नए परीक्षण उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे। छह शियान-27 उपग्रहों को बीजिंग समयानुसार सुबह 6¬51 बजे एक संशोधित लॉन्ग मार्च-6 वाहक रॉकेट पर लॉन्च किया गया और सफलतापूर्वक पूर्व निर्धारित कक्षाओं में प्रवेश किया गया।इनका उपयोग मुख्य रूप से अंतरिक्ष पर्यावरण अन्वेषण और संबंधित प्रौद्योगिकी परीक्षणों के लिए किया जाएगा।यह प्रक्षेपण लॉन्ग मार्च वाहक रॉकेट श्रृंखला के 570वें उड़ान मिशन का प्रतीक है।

यमन के तेल बंदरगाह पर अमेरिकी हवाई हमले, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 80

एजेंसी

सना । यमन के ईंधन बंदरगाह रास ईसा पर अमेरिकी हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 80 हो गई। वहीं 150 अन्य लोग घायल हुए। यह जानकारी हूती संचालित स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को दी। ये हमले हुए, जिनमें बंदरगाह और आयातित ईंधन के भंडारण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कई कंक्रीट टैंकों को निशाना बनाया गया। समाचार एजेंसी के अनुसार, पीड़ित बंदरगाह के कर्मचारी हैं, जिनमें पांच पैरामेडिक्स भी शामिल हैं। रास ईसा बंदरगाह यमन के लाल सागर के पास होदेदाह शहर के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। यह हूती ग्रुप के कब्जे वाले क्षेत्रों में ईंधन के आयात का मुख्य स्रोत है। 2014 के अंत में सरकार के खिलाफ गृह युद्ध शुरू करने वाले हूती विद्रोहियों का उत्तरी यमन के बड़े हिस्सों पर नियंत्रण है। मार्च के मध्य में वाशिंगटन ने हूती ठिकानों पर हमले फिर से शुरू किए

थे। रिपोर्ट के अनुसार, दो लहरों के दौरान ईंधन बंदरगाह पर 14 से अधिक हवाई हमले किए गए, जिससे आयातित ईंधन को संग्रहीत करने वाले कंक्रीट टैंक नष्ट हो गए और बड़े पैमाने पर आग लग गई। रिपोर्ट में कहा गया कि आग को कुछ ही घंटों में बुझा दिया गया। एक निवासी ने सिन्हुआ से कहा कि पीड़ितों में बंदरगाह के कर्मचारी, ट्रक चालक, अनुबंधित श्रमिक और नागरिक प्रशिक्षु शामिल थे। उन्होंने कहा कि शवों को निकालने और आग बुझाने वाले बचाव दलों को भी बाद के हमलों में निशाना बनाया गया। इससे पहले, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (यूएससीईएनटीकॉम) ने एक बयान में पुष्टि की थी कि उसने गुरुवार को रास ईसा पर हमला किया और उसे नष्ट कर दिया, ताकि हूती ग्रुप के ईंधन और आर्थिक शक्ति को नष्ट किया जा सके। जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अमेरिका ने हूती ग्रुप को एक आतंकवादी संगठन के रूप में फिर से नामित किया। हूती विद्रोहियों ने हमलों की निंदा करते हुए इसे पूर्ण युद्ध अपराध बताया। उन्होंने अमेरिका और यमनी सरकार के आरोपों को खारिज कर दिया और इस बात पर जोर दिया कि बंदरगाह एक सिविल जगह है, न कि सैन्य अड्डा। जारी एक बयान में, हूती ग्रुप ने कहा कि अमेरिकी हमलों का उद्देश्य फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ अपराधों में इजरायल का समर्थन करना था। उन्होंने फिलिस्तीनियों के लिए अपना समर्थन अभियान जारी रखने की कसम खाई।इस बीच, ग्रुप ने दावा किया कि उसने लाल सागर में इजरायल के सभी नौवहन को सफलतापूर्वक रोक दिया।

गाजा सिविल डिफेंस का दावा, 'इजरायली हवाई हमलों में 45 फिलीस्तीनी मारे गए'

एजेंसी

गाजा । गाजा पट्टी में हुए इजरायली हवाई हमलों में करीब 45 फिलीस्तीनी मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह जानकारी गाजा की सिविल डिफेंस ने दी। सिविल डिफेंस प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में बरका परिवार के घर पर हुए एक हवाई हमले में 10 लोगों की जान चली गई। इसके अलावा एक बार्बर शॉप पर हुए हमले में छह लोग मारे गए, जिनमें दो बच्चे और एक महिला शामिल हैं। खान यूनिस में अन्य स्थानों पर हुए हवाई हमलों में आठ और लोग मारे गए, जबकि दक्षिणी रफाह शहर में दो लोगों की जान चली गई। वहीं उत्तरी गाजा के तल अल-जातार इलाके में मकदाद परिवार के घर पर हुए हमले में 13 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। गाजा सिटी में दो बेघर कैंपों पर हुए हमलों में छह और लोगों की मौत हुई। सिविल डिफेंस ने चेतावनी दी है कि ईंधन की कमी के कारण आने वाले दिनों में उनकी आपात सेवाएं बंद हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि इजरायल की ओर से मानवीय सहायता और ईंधन की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है, जिससे राहत कार्यों में मुश्किलें आ रही हैं। गाजा के अल-त्वाम इलाके में विस्थापित नागरिकों के टेंट पर हुए एक और हमले में दो फिलीस्तीनी मारे गए और छह घायल हो गए। वहीं जबालिया में नागरिकों के एक समूह को निशाना बनाकर किए गए हमले में एक युवक की मौत हो गई।इजरायली सेना (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि उन्हें खुफिया जानकारी के आधार पर गाजा में आतंकवादी संगठनों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। बयान में कहा गया कि इजरायली वायु सेना ने गाजा में लगभग 40 लक्ष्यों पर हमला किया, जिनमें आतंकियों के ठिकाने, सैन्य ढांचे और हथियारों के गोदाम शामिल थे। पूर्वी गाजा सिटी के शुजैया और जैतून इलाकों में भी भारी बमबारी और हवाई हमले हुए, जिसमें कई रिहायशी इमारतें तबाह हो गई।

पिछले गुरुवार को भी इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में ड्रोन, हवाई और तोपों से हमले किए थे, जिसमें 45 फिलीस्तीनी मारे गए थे। यह जानकारी वहां के मेडिकल स्टाफ, सिविल डिफेंस और प्रत्यक्षदर्शियों ने दी थी। अक्टूबर 2023 से शुरू हुए इस संघर्ष में अब तक 51,000 से अधिक फिलीस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

इक्काडोर में सशस्त्र हमले में ग्यारह लोग मारे गए

एजेंसी

क्विटो। इक्काडोर के तटीय प्रांत मनाबी में मुर्गो की लड़ाई के स्थान पर सामूहिक गोलीबारी में कम से कम 11 लोग मारे गए और नौ अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। प्रसारक इक्काविसा के अनुसार यह हमला एल कारमेन कैंटन के वालेंसिया शहर में स्थानीय समयानुसार रात 11¬30 बजे हुआ जब सैन्य वर्दी पहने सशस्त्र लोगों का एक समूह तीन वाहनों में आया और उपस्थित लोगों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

वैज्ञानिकों ने स्वस्थ और कैंसरग्रस्त कोशिकाओं की पहचान के लिए विकसित किया नया तरीका

एजेंसी

टोक्यो । जापान की टोक्यो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक नई खोज की है। उन्होंने पाया कि बिना पहचान वाली कोशिकाओं की गति को ध्यान से देखा जाए, तो यह पता लगाया जा सकता है कि वे कोशिकाएं कैंसर वाली हैं या स्वस्थ। शोधकर्ताओं ने एक प्रयोग में दो तरह की कोशिकाओं को देखा। उन्होंने एक डिश पर कैंसर वाली फाइब्रोसारकोमा कोशिकाएं और स्वस्थ फाइब्रोब्लास्ट कोशिकाएं देखीं। उन्होंने पाया कि इन कोशिकाओं के रास्तों को ट्रैक करके और उनका विश्लेषण करके, उन दोनों के बीच 94 प्रतिशत तक सटीकता से अंतर किया जा सकता है। पीएलओएस वन नामक पत्रिका में छपे इस अध्ययन के अनुसार, यह तकनीक सिर्फ बीमारी का पता लगाने के अलावा कोशिका गति से जुड़े काम (जैसे क्षतिग्रस्त ऊतक की मरम्मत) पर भी रोशनी डाल सकती है। प्रोफेसर हिरोमी मियोशी के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम ने कोशिकाओं को देखने का एक तरीका खोजा। यह तरीका फेज-कंट्रास्ट माइक्रोस्कोपी का इस्तेमाल करता है, जो कोशिकाओं को देखने के सबसे

आम तरीकों में से एक है। यह तकनीक पूरी तरह लेबल फ्री होती है। इसलिए कोशिकाएं पेट्री डिश पर स्वाभाविक रूप से घूम सकती हैं। साथ ही, जिस प्लास्टिक की पेट्री डिश में कोशिकाओं को देखा जाता है, उसके ऑप्टिकल गुणों का इस पर कोई असर नहीं पड़ता तस्वीर देखने की इस इनोवेटिव तकनीक से, शोधकर्ता बहुत सारी अलग-अलग कोशिकाओं के रास्तों को खोज पाए। उन्होंने उन रास्तों की कुछ खास बातों पर ध्यान दिया, जैसे कि कोशिकाएं कितनी तेजी से जा रही थीं और उनके रास्ते कितने मुड़े हुए थे। ये सब बातें कोशिकाओं के आकार बदलने और हिलने-डुलने में छोटे-छोटे अंतरों को दिखाती हैं। एक जांच में, शोधकर्ताओं ने स्वस्थ फाइब्रोब्लास्ट कोशिकाओं (जो जानवरों के ऊतकों का मुख्य भाग हैं) और घातक फाइब्रोसारकोमा कोशिकाओं (कैंसर वाली कोशिकाएं) की तुलना की। वे यह दिखाने में सफल रहे कि ये कोशिकाएं थोड़े अलग तरीकों से चलती हैं। उनकी चाल और गति अलग-अलग थी। इन सब चीजों को मिलाकर, 94 प्रतिशत सटीकता के साथ वे यह बता सकते थे कि कोई कोशिका कैंसर वाली है या नहीं। टीम का यह काम न केवल कैंसर की कोशिकाओं को अलग करने का एक नया तरीका बताता है, बल्कि इससे कोशिकाओं की गतिशीलता पर आधारित किसी भी जैविक काम (जैसे घाव भरना और ऊतकों का बढ़ना) के अध्ययन में भी मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ में 33 कुख्यात नक्सली गिरफ्तार, शाह ने छिपे हुए नक्सलियों से की आत्मसमर्पण की अपील

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा जिलों में विभिन्न ऑपरेशन्स में कोबरा कमांडो और छत्तीसगढ़ पुलिस ने 33 कुख्यात नक्सलियों को आधुनिक हथियारों और विस्फोटक सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया है। शाह ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बल के जवानों और छत्तीसगढ़ पुलिस को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने छिपे हुए नक्सलियों से आत्मसमर्पण की अपील की है। अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में विभिन्न ऑपरेशन्स में कोबरा कमांडो और छत्तीसगढ़ पुलिस ने 22 कुख्यात नक्सलियों को आधुनिक हथियारों और विस्फोटक सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया है। साथ ही, सुकमा की बडेसेट्टी पंचायत में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिससे यह पंचायत पूरी तरह नक्सलमुक्त हो गई है। छिपे हुए नक्सलियों से मेरी अपील है कि मोदी सरकार की आत्मसमर्पण नीति को अपनाकर यथाशीघ्र हथियार डालें और मुख्यधारा में शामिल हों। 31 मार्च 2026 से पहले हम देश को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने के लिए संकल्पित हैं।

बैंक्वेट हॉल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के विकासपुरी इलाके स्थित गोल्डन एप्पल बैंक्वेट हॉल में अचानक आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल की 13 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग के अनुसार करीब चार बजे दमकल कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि विकासपुर इलाके में स्थित गोल्डन एप्पल बैंक्वेट हॉलमें आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल की 13 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारी के अनुसार करीब साढे तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

दिल्ली में बारिश से मौसम हुआ सुहावना, आईएमडी ने शनिवार के लिए भी जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। भीषण गर्मी की मार झेल रहे दिल्ली-एनसीआर के लोगों को बड़ी राहत मिली। अचानक तेज हवाओं के बाद बारिश से मौसम सुहावना हो गया। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में शुक्रवार शाम आसमान में अचानक काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। वसंत कुंज इलाके में धूल भरी आंधी के कारण वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई। हालांकि, मौसम में अचानक आए बदलाव ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने भी गरज के साथ बिजली चमकने और धूल भरी आंधी की चेतावनी दी है। साथ ही बारिश की भी संभावना व्यक्त की गई है। पूरे पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उत्तर-पश्चिम भारत के आसपास के मैदानी इलाकों के लिए हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 19 अप्रैल की शाम को दिल्ली-एनसीआर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दौरान गरज के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी और धूल भरी आंधी चलने के आसार हैं। शाम के दौरान 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37 से 39 डिग्री सेल्सियस और 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। इतना ही नहीं, सुबह के समय 10-12 किमी प्रति घंटे की हवा चलने की संभावना है, जो दोपहर के दौरान धीरे-धीरे बढ़कर 20-24 किमी प्रति घंटे हो जाएगी।

मुर्शिदाबाद हिंसा : अमित मालवीय का दावा, 'पुलिस रिपोर्ट ने खोली ममता सरकार की पोल'

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि राज्य पुलिस की रिपोर्ट ने मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा पर उनके बयानों की पोल खोल दी है। अमित मालवीय ने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह अशांति के लिए बाहरी लोगों को दोषी ठहराकर जनता को गुमराह कर रही हैं, जबकि पुलिस रिपोर्ट में स्थानीय लोगों की संलिप्तता की ओर इशारा किया गया है। भाजपा नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बारे में गृह मंत्री ममता बनर्जी के दावों को प्रभावी ढंग से खारिज कर दिया है। अपनी आधिकारिक रिपोर्ट में पुलिस ने पुष्टि की कि 11 अप्रैल को सजुर मोड़ पर हुई घातक हिंसा में शामिल भीड़ में स्थानीय युवा शामिल थे, जो बम सहित घातक हथियारों से लैस थे और उन्होंने पुलिस पर गोलीबारी भी की थी।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा है संस्कृति का नवोदय - स्वामी अवधेशानंद गिरि

एजेंसी

नई दिल्ली। जूना अखाड़े के प्रमुख आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि साल 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में भारत की संस्कृति का नवोदय हुआ है। भारत का सनातन हिन्दू समाज इस समय जिस गौरव की अनुभूति कर रहा है, वैसा पहले कभी नहीं हुआ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संस्कृति पर विचारों और भाषणों का संकलन 'संस्कृति का पांचवा अध्याय' पुस्तक के विमोचन के मौके पर अवधेशानंद गिरी संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज विश्व धरोहर दिवस के मौके पर इस किताब का विमोचन किया जा रहा है। यह अपने आप में विशिष्ट बात है। साल 2014 के बाद सर्वत्र नई दिशाएं, नवाचार देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर भारत के सबसे बड़े जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वे 2008 में जब पुर्तगाल में थे तो पहली बार एक योगी ने

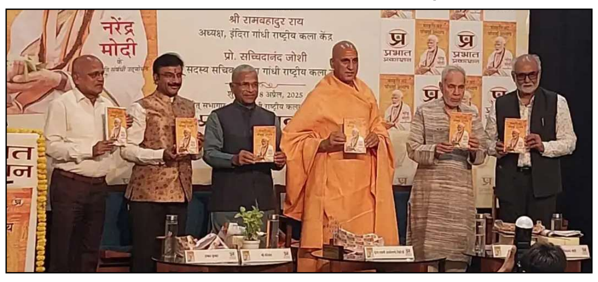

योग दिवस की कल्पना और चर्चा की थी और 21 जून को इसे मनाने का विचार साझा किया था। तब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। यह योग दिवस की कल्पना भी तब साकार हो पाई जब वे प्रधानमंत्री बने। अन्नपूर्णा देवी की प्रतिमा हो या अन्य श्रेष्ठ भारतीय धरोहर, वे सब भारत लौट रहीं हैं और उन पर हमें यदि गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय भी प्रधानमंत्री मोदी को ही जाता है। यहां तक कि 2014 से पहले मेरे ही अनेक निकट प्रेमी मुझसे कहते थे कि आप हिन्दू संस्कृति की बात न कहकर सनातन संस्कृति या भारतीय संस्कृति शब्द प्रयोग किया करें। आज परिस्थिति बदल गई है और लोग गर्व के साथ अपनी हिन्दू संस्कृति और उसकी पहचान और धरोहर पर गर्व करते हुए दिखाई देते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की झूठी स्तुति या अतिरेक सम्मान की बात नहीं है, बल्कि संस्कृति के एक उपासक के तौर पर उन्होंने जो कार्य किया है, उसको इस पुस्तक के माध्यम से भी समझा जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि 'संस्कृति का पांचवां अध्याय' पुस्तक भारत के सांस्कृतिक इतिहास व वर्तमान के बीच कड़ी की तरह है। इस पुस्तक में प्रधानमंत्री मोदी के भारतीय संस्कृति पर केंद्रित 34 भाषण हैं। हरिवंश ने कहा कि 2014 के बाद से भारत में सर्वत्र जो बदलाव देखा जा रहा है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। याद कीजिए कि किसी ने भी 2014 से पहले विकसित भारत की बात तक की हो। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस विकसित भारत का सपना न केवल जन-जन की आंखों में उतार दिया है बल्कि 2047 तक उस लक्ष्य को पाने का एक खाका भी खींच दिया है।

अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता ने संभव जैन से किया विवाह

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता का उनके कॉलेज मित्र संभव जैन के साथ विवाह सम्पन्न हुआ। दिल्ली के कपूरथला हाउस में शादी और रिसेप्शन दोनों हुए। कपूरथला हाउस पंजाब के मुख्यमंत्री का दिल्ली में आधिकारिक आवास है। विवाह समारोह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आयी हैं। वीडियो में अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान समारोह में डांस करते देखे जा सकते हैं। हर्षिता और संभव की मुलाकात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में हुई थी। दोनों यहां एक साथ पढ़ते थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित कुछ चुने हुए मेहमान इस शादी में शामिल हुए। इसमें आम आदमी पार्टी के कई नेता शामिल रहे।

भारत ने ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक में समावेशी, न्यायसंगत और सतत कृषि के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में भारत ने समावेशी, न्यायसंगत और सतत कृषि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। केंदीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर छोटे और सीमांत किसानों के कल्याण को वैश्विक कृषि रणनीति के केंद्र में रखने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कृषि भारत के लिए केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि करोड़ों परिवारों के लिए आजीविका, भोजन और गरिमा का स्रोत है। भारत ने कहा कि जब तक छोटे किसानों को संरक्षित और सशक्त नहीं किया जाएगा, तब तक वैश्विक खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने इस बात पर बल दिया कि दुनिया के 510 मिलियन छोटे किसान वैश्विक खाद्य प्रणाली की रीढ़ हैं और जलवायु परिवर्तन, मूल्य अस्थिरता तथा संसाधनों की कमी के बीच वे सबसे अधिक संवेदनशील हैं। हम छोटे किसानों को इन चुनौतियों से लड़ने में अकेला नहीं छोड़ सकते, उन्हें हमारी नीतिगत सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने क्लस्टर

आधारित खेती, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), सहकारी मॉडल और प्राकृतिक खेती को छोटे किसानों के सामूहिक सशक्तीकरण और बाजार तक बेहतर पहुंच का प्रभावी माध्यम बताया। बैठक में कृषि व्यापार को न्यायसंगत बनाने, वैश्विक मूल्य अस्थिरता को नियंत्रित करने और छोटे किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। चौहान ने सार्वजनिक खाद्य भंडारण व्यवस्था, न्यूनतम समर्थन मूल्य, और छोटे किसानों को सीधे जोड़ने वाले मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता को दोहराया। उन्होंने कोविड-19 संकट के दौरान भारत की खाद्य भंडारण क्षमता को एक मिसाल के रूप में प्रस्तुत किया।

दिल्ली के मुस्तफाबाद में आंधी-तूफान के बाद गिरी 4 मंजिला इमारत:4 की मौत,कई के फंसे होने की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शनिवार तड़के एक इमारत गिरने से चार लोगों की मौत हो गई और कई के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 3 बजे हुई।दिल्ली पुलिस ने बताया कि आज सुबह दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में एक इमारत गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। उत्तर पूर्वी जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त संदीप लांबा ने बताया कि 14 लोगों को बचा लिया गया है।लांबा ने कहा कि 14 लोगों को बचा लिया गया, लेकिन उनमें से चार की मौत हो गई। यह चार मंजिला इमारत थी, बचाव अभियान जारी है। अभी भी आठ से दस लोगों के फंसे होने की आशंका है।राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीमें मौके पर मौजूद हैं और राहत-बचाव का कार्य किया जा रहा है।चार मंजिला इमारत में 20 से 25 लोग रह रहे थे। अब तक 8 लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है। इमारत ढहने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है।डिवीजनल फायर ऑफिसर राजेंद्र अटवाल ने बताया कि अग्निशमन विभाग को सुबह करीब 2-50 बजे एक कॉल मिली। उन्होंने

कहा, हमें सुबह करीब 2:50 बजे एक घर ढहने की सूचना मिली। हम मौके पर पहुंचे और पाया कि पूरी इमारत ढह गई है और लोग मलबे में फंसे हुए हैं। एनडीआरएफ, दिल्ली फायर सर्विस लोगों को बचाने के लिए काम कर रही है।÷शुक्रवार रात राजधानी दिल्ली के मौसम में अचानक आए बदलाव के कुछ ही घंटों बाद घर ढहने की घटना हुई।शनिवार के लिए आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शनिवार शाम तक ऐसा ही होगा। शाम को बहुत हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। इसके साथ-साथ गरज के साथ छींटे, बिजली और धूल भरी आंधी के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, जो 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार पकड़ सकती हैं। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38 डिग्री सेल्सियस और 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

केंद्र के बड़े नौकरशाही फेरबदल में अरविंद श्रीवास्तव को राजस्व सचिव नियुक्त किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा किए गए शीर्ष स्तरीय नौकरशाही फेरबदल में वरिष्ठ नौकरशाह अरविंद श्रीवास्तव को नया राजस्व सचिव नियुक्त किया गया है। कर्नाटक कैडर के 1994 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी श्रीवास्तव वर्तमान में प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। कार्मिक मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के सचिव के रूप में अरविंद श्रीवास्तव की नियुक्ति को मंजूरी दी है। नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुअलनम को व्यय विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वह मनोज गोविल का स्थान लेंगे।

मनोज गोविल मध्य प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्हें कैबिनेट सचिवालय में सचिव (समन्वय) नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति वंदना गुरनानी के स्थान पर की गयी है, जिनको श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में सचिव के पद पर भेजा गया है। गुरनानी कर्नाटक कैडर की 1991 बैच की आईएएस हैं।बिहार कैडर के 1991 बैच के आईएएस अधिकारी राजित पुन्हानी को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी विवेक अग्रवाल को संस्कृति मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है।

वर्तमान में वह वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं। महाराष्ट्र कैडर की 1990 बैच की आईएएस मीता आर. लोचन को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव नियुक्त किया गया है। मणिपुर कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी के मोसेस चालई को वित्त मंत्रालय के सार्वजनिक उद्यम विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी आशीष श्रीवास्तव को गृह मंत्रालय में अंतरराज्यीय परिषद सचिवालय का सचिव नियुक्त किया गया है। मणिपुर कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश अग्रवाल को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव नियुक्त किया गया है।

सामान्य गश्त के दौरान एक रात में पुलिस ने 17 हजार से अधिक वाहनों की जांच की, 36 घोषित बदमाश पकड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में गुरुवार रात सामान्य गश्त के दौरान पुलिस ने बदमाशों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की। राजधानी के 15 पुलिस जिलों के पुलिसकर्मियों ने 17,793 वाहनों की जांच की। इस दौरान में 36 घोषित बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि अलग-अलग मामलों में आरोपितों को जहां गिरफ्तार किया गया है, वहीं कुछ मामलों में हिरासत में लिया गया। तो कुछ में उन्हें बाउन डाउन करके प्रतिबंधित भी किया गया। डीसीपी के अनुसार 65 डीपी एक्ट के तहत 798 के खिलाफ कार्रवाई की गई है जबकि 66 डीपी एक्ट के तहत 118 पर कार्रवाई हुई। एक्साइज एक्ट के 40 मामले में 59 के खिलाफ कार्रवाई की गई है। साथ ही ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर ट्रैफिक नियम तोड़ने को लेकर 100 से ज्यादा लोगों के खिलाफ कार्रवाई करके चालान किया गया। इसमें बाइक/स्कूटी पर ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट और गाड़ियों के शीशे पर काली फिल्म (परत) चढ़ाने के मामले शामिल है। कलंदरा के मामले में 15 लोगों को बाउन डाउन करके प्रतिबंधित किया गया।

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने मुगल बादशाह की पेंटिंग पर पोती कालिख

एजेंसी

गाजियाबाद। महानगर के पुराने रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नम्बर 4 की एक दीवार पर बनी अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर की पेटिंग को औरंगजेब की बताकर हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया और पेंटिंग पर कालिख पोत दी। संगठन के कार्यकर्ताओं स्टेशन पर औरंगजेब के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। इस मामले में आरपीएफ ने अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरपीएफ के सहायक आयुक्त गबर्याल का कहना है कि यह पेंटिंग औरंगजेब की नहीं बल्कि मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर की है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। इस संबंध में संगठन हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने कहा कि औरंगज़ेब एक क्रूर बादशाह था। उसने भारत में अनेक मंदिरों को तुड़वाया था। इसलिए भारत में औरंगजेब की कब्र या कोई चित्र का क्या काम। उनका संगठन इन्हें नहीं रहने देगा। आज हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर 4 की दीवार पर बनी पेंटिंग को औरंगजेब की बताते हुए हंगामा किया था। हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता भड़क गए और पेंटिंग

पर कालिख पोत दी। हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर इसे हटाने की मांग कर रहे हैं। इस घटना का और हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते दिख रहे हैं कि रेलवे स्टेशन पर औरंगज़ेब की पेंटिंग का स्टेशन बनाए जाने का कोई औचित्य नहीं है। औरंगज़ेब ने देश के मंदिरों को लूटा और हिन्दू समुदाय पर जुल्म ढाए। वायरल वीडियो में कुछ युवा हाथ में भगवा झंडा लहराते हुए स्टेशन पर पहुंचे और पेंटिंग पर कालिख पोतते नजर आ रहे हैं। दीवार पर लाल रंग से हिन्दू रक्षा दल लिखा लिख दिया। बताया जा रहा कि हंगामा की सूचना पर जीआरपी के जवान वहां पहुंचे तब कार्यकर्ता वहां से चले गए। इस संबंध में आरपीएफ के सहायक आयुक्त गबर्याल ने बताया कि इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ आरपीएफ थाने में रिपोर्टदर्ज कर ली गई है। इस मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। शहजादा हुसैन बुरहानुद्दीन के नेतृत्व में दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दाऊदी बोहरा समुदाय की राष्ट्रपति से मुलाकात की तस्वीर जारी करते हुए यह जानकारी दी गई है। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लोक कल्याण मार्ग स्थित उनके आवास पर मुलाकात की थी। उन्होंने वक्फ संशोधन अधिनियम लाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि यह लंबे समय से लंबित मांग थी।

प्रधानमंत्री ने वक्फ के कारण लोगों को होने वाली कठिनाइयों के बारे में बात की और कहा कि इस अधिनियम को लाने के पीछे एक प्रमुख कारण यह था कि प्रचलित व्यवस्था से पीड़ित अधिकांश महिलाएं, विशेष रूप से विधवाएं थीं।

डीयू कुलपति ने पत्रकारिता के छात्रों के लिए मल्टीमीडिया स्टूडियो का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में हिंदी विभाग द्वारा संचालित पत्रकारिता पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए गुरुवार को मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन किया गया। स्टूडियो का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने किया। दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर का मल्टीमीडिया स्टूडियो मल्टीमीडिया सामग्री के निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए उन्नत तकनीक और उपकरणों से सुसज्जित एक अत्याधुनिक स्टूडियो है। इसमें ऑडियो और वीडियो उत्पादन, ग्राफिक डिजाइन, एनीमेशन और अन्य डिजिटल मीडिया प्रोजेक्ट शामिल हो सकते हैं। स्टूडियो को छात्रों के एक रचनात्मक और सहयोगी स्थान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। जहां वे विभिन्न मल्टीमीडिया तत्वों का उपयोग करके अपने विचारों को जीवंत कर सकते हैं।पॉडकास्ट के कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो योगेश सिंह ने डॉ सीमा भारती द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब में कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति के तीन वर्ष की कार्यावधि के

अंतर्गत ही उन्होंने आधारभूत संरचनाओं पर कार्य किया और लगभग 22 ऐसे प्रोजेक्ट्स हैं, जो अभी भी चल रहे हैं और आगे भी वह इन कार्यों को करने में पीछे नहीं हटेंगे। पिछले तीन दशकों के बाद इस विश्वविद्यालय में एक नया कॉलेज जुड़ा है। योगेश सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पहली बार दिल्ली विश्वविद्यालय में ही लागू करने के प्रश्न पर कहा कि मैं तो चाहता हूँ कि पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्ण रूप से लागू हो और इस प्रयोग द्वारा शिक्षा में कुछ नई चीजों का भी समावेश कर सकें। उन्होंने अंत में कहा कि अध्यापकों को एक बात ध्यान रहे कि जो पत्रकार आप तैयार करें, वह इस देश से प्यार करने वाले हों, इस देश के हित को संभालने वाले हों और जो निज हित को देश हित से ऊपर नहीं रखता हो। इस दौरान प्रो बलराम पाणी (अधिष्ठाता), प्रो प्रकाश सिंह (निदेशक- दक्षिणी परिसर), डॉ विकास गुप्ता (कुलसचिव), अनूप लाठर (अध्यक्ष- सांस्कृतिक परिषद), प्रो सुधा सिंह (विभागाध्यक्ष-हिंदी), प्रो अनिल राय (प्रभारी- हिंदी विभाग दक्षिणी परिसर), प्रशांत नागर, डॉ सीमा भारती, प्रभाकर मिश्रा एवं अन्य पूर्व छात्र एवं वर्तमान छात्र उपस्थित रहे।

नेहरू-गांधी परिवार ने हमेशा देश को दिया, कभी कुछ लिया नहीं -दिग्विजय सिंह

एजेंसी

ई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट पर कहा कि नेहरू-गांधी परिवार एक ऐसा परिवार है जिसने देश को सिर्फ दिया है और अपने लिए कभी कुछ नहीं लिया।दिग्विजय सिंह ने समाचार एजेंसी बातचीत के दौरान कहा कि साल 1930 से लेकर अब तक, इलाहाबाद या कहीं और जो भी संपत्ति उनके पास थी, वह राष्ट्र को समर्पित कर दी। इस परिवार से तीन प्रधानमंत्री हुए, फिर भी उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप साबित नहीं हुआ, उस परिवार पर ईडी ने जो चार्जशीट दायर की है। इस परिवार ने नेशनल हेराल्ड की जितनी भी संस्थाएं हैं, उनसे पैसे का लेनदेन नहीं किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि भ्रष्टाचार में हमेशा मनी ट्रेल (पैसे का लेनदेन) देखी जाती है। इस केस में मनी ट्रेल का एक भी उदाहरण नहीं है। कांग्रेस पार्टी चूंकि केंद्र में बैठी एनडीए सरकार का विरोध करती है, इसीलिए कांग्रेस की आवाज को दबाने का यह कुटिल प्रयास है। कांग्रेस में प्रदर्शन नहीं करने वाले नेताओं को पहचानने की जरूरत है। राहुल गांधी के इस बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि बिल्कुल सही बात है। ऐसे नेताओं की पहचान होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून की सुनवाई पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, ÷मेरा मानना है कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले को उसी गंभीरता से लेना चाहिए जैसा कि अब तक लेता आया है, और असंवैधानिक कानून को रद्द किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि हाल ही में वक्फ कानून को संसद में बहुमत के साथ पारित किया गया। केंद्र सरकार का दावा है कि इस संशोधन से गरीब मुसलमानों का भला होगा। वक्फ की जमीनों पर अवैध कब्जा करने वाले लोगों के चंगुल से जमीन वापस लाई जाएगी। वहीं, वक्फ कानून का विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। विपक्ष का कहना है कि सरकार वक्फ की जमीनों पर जबरन कब्जा करना चाहती है। वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं।

हरियाणा में नशा विरोधी उपायों को मजबूती देने के लिए के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय

● मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को दिए नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश

● मिस्ट शॉप में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने सभी उपायुक्तों को प्रदेश-भर में नशा मुक्ति केंद्रों का गहन निरीक्षण करने और आगामी 22 अप्रैल तक विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, उन्होंने खाद्य एवं औषधि प्रशासन को प्रदेश में दवा की दुकानों के लिए सख्त नियम लागू करने के भी निर्देश देते हुए कि कहा कि संचालन निगरानी के लिए सभी केमिस्ट शॉप में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, दवा विक्रेताओं को एक ऐसी जगह पर अपने लाइसेंस को प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा, जहां उपभोक्ता इसे आसानी से देख सकें। मुख्य सचिव ने ये निर्देश आज राज्य स्तरीय नार्को समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) की 10वीं कमेटी बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में नशीली दवाओं से जुड़े अपराधों से निपटने के लिए किए जा रहे राज्य सरकार के प्रयासों के मूल्यांकन के साथ-साथ नशा विरोधी पहलों को मजबूत करने के लिए भी ठोस रणनीति तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया। इस

दौरान प्रदेश में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। मुख्य सचिव श्री रस्तोगी ने विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि दवा विनियमों का उल्लंघन करने के कानूनी परिणामों, जिसमें गैर-अनुपालन के लिए दंड भी शामिल है, के बारे में दवा विक्रेताओं को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इन उपायों का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना, नियंत्रित पदार्थों की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाना और उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करना है। श्री रस्तोगी ने प्रहरी क्लबों को बढ़ाने का भी प्रस्ताव रखा। उल्लेखनीय है कि ये क्लब नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में छात्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इन क्लबों में अब शिक्षकों के साथ-साथ नशे की लत वाले युवाओं के माता-पिता को भी शामिल किया जाना चाहिए, ताकि परामर्श के लिए अधिक सकारात्मक वातावरण स्थापित किया जा सके। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने निर्देश दिए कि नशा मुक्ति केंद्रों के निरीक्षण के दौरान न केवल कमियों की पहचान की जानी चाहिए, बल्कि सुधारों को भी स्वीकार किया जाना चाहिए। साथ ही, केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कार्रवाई योग्य सिफारिशें भी दी जानी चाहिए। डॉ. सुमिता मिश्रा ने इस बात पर बल दिया कि युवाओं और भावी पीढ़ियों को नशे की लत के खतरों से बचाना हरियाणा की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जिलावासी गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों में पढाएं अपने बच्चे : डीईओ अजीत सिंह

नूंह। जिला शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि जिला में गैर मान्यता प्राप्त कई प्राइवेट स्कूल चल रहे हैं, इसलिए लोगों को चाहिए कि वे अपने बच्चों का दाखिला गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों में करवाएं, ताकि उन्हें बाद में कोई परेशानी न हो। उन्होंने जिला में गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि खंड नूंह में तक्षशिला पब्लिक स्कूल खेड़ला मोड़, फ्यूचर प्राइड अकादमी नूंह, फ्लाई हाई स्कूल नल्हड़, फर्स्ट स्टैप प्ले स्कूल नूंह, कंट्री ग्रामर स्कूल नल्हड़ रोड, किड्स आर्क फाउंडेशन स्कूल नूंह, रामेश्वर स्कूल किरा, शांति पब्लिक स्कूल छछेड़ा, कबीर पब्लिक स्कूल गांगोली, सन शाइन पब्लिक स्कूल कलयाका, शाइन स्टार पब्लिक स्कूल सुढाका, इकरा पब्लिक स्कूल मछरौली, चाहत पब्लिक स्कूल सौंख, त्यागी पब्लिक स्कूल उजीना, बाबा कुन्दन दास स्कूल उजीना व एपीसी पब्लिक स्कूल संगैल गैर मान्यता प्राप्त हैं। इसी प्रकार खंड फिरोजपुर-झिरका में मोहम्मद हाई स्कूल अब्दुल नगर साकरस, मां हसीना पब्लिक स्कूल रावली, चाहत पब्लिक स्कूल हिरवाड़ी एपेक्स मॉड्रन स्कूल भौंड, झिरका वैली पब्लिक स्कूल बीवां व सागर पब्लिक स्कूल बीवां भी गैर मान्यता प्राप्त हैं।

नूंह में मत्स्य पालन विभाग द्वारा जिला स्तर पर 30 अप्रैल तक जागरूकता शिविरों का आयोजनः विश्राम कुमार मीणा

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि मत्स्य पालन विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के लोगों के लिए वेलफेयर ऑफ शेड्यूल कास्ट फैमिली अंडर फिशरीज सेक्टर स्पेशल कंपोनेंट योजना के अंतर्गत अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता दी जा रही है। उपायुक्त ने बताया कि इसके लिए अनुसूचित जाति के व्यक्ति को मछली पालन हेतु पंचायती तालाब पट्टे पर लेने के लिये प्रथम वर्ष पट्टा राशि पर 50 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर अथवा पट्टे की वास्तविक राशि का 50 प्रतिशत द्वितीय एवं आगामी वर्षों की पट्टा राशि पर 40 प्रतिशत या अधिकतम 40 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर अधिसूचित पानियों में से मछली पकड़ने के लिए ठेकेदारों को स्वीकृत बोली का 50 प्रतिशत अथवा 5 लाख रुपए अधिकतम सीमा तक रेहड़ी (स्टोव, गैस, चूल्हा बर्तन आदि सहित) पर 60 हजार रुपए की रेहड़ी खरीद पर 60 प्रतिशत या अधिकतम राशि 36 हजार रुपए प्रति लाभार्थी खाद-खुराक पर कुल लागत रुपये 1 लाख 50 हजार हेक्टेयर का 60 प्रतिशत या धनराशि 90 हजार हेक्टेयर जो भी कम हो मछली पालन हेतु 40 हजार रुपए के जाल खरीद पर 60 प्रतिशत या धनराशि 24 हजार रुपए का प्रति लाभार्थी, जो भी कम हो, अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इंसीसिव स्कीम के अंतर्गत विभाग द्वारा तालाब सुधार, खाद-खुराक, रेहड़ी व जाल खरीदने के साथ-साथ मत्स्य पालन के लिए सोलर सिस्टम लगाने पर 40 से 60 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

अटेली के सामान्य अस्पताल में कर्मचारियों को फायर सेफ्टी की ट्रेनिंग दी

मंडी अटेली। 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक फायर सेफ्टी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। यह आयोजन 14 अप्रैल 1944 को समुद्र बंदरगाह पर हुए बड़े अग्निकांड की याद में किया जा रहा है। अग्निशमन केंद्र की टीम सरकारी भवनों, स्कूलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाकर लोगों को आग से बचाव की जानकारी दे रही है। अटेली के सामान्य अस्पताल में कर्मचारियों को फायर सेफ्टी की ट्रेनिंग दी गई। मॉक ड्रिल कर आग लगने की स्थिति में क्या करना है, यह सिखाया गया। बताया गया कि आग लगते ही तुरंत 112 नंबर पर कॉल करें। अपनी लोकेशन साफ-साफ बताएं ताकि मदद समय पर पहुंच सके। फायर अधिकारी राजवीर सिंह व संदीप कुमार ने ट्रेनिंग के दौरान कर्मचारियों को यह भी बताया गया कि आग कई कारणों से लग सकती है। जैसे बिजली के तारों में, तेल, मेटल या गैस में। ऐसी स्थिति में सबसे जरूरी है कि आग तक ऑक्सीजन न पहुंचे। जब ऑक्सीजन नहीं पहुंचेगी, तभी आग पर काबू पाया जा सकता है।

बस स्टैण्ड परिसर में बने पार्क में सुविधाओं का अभाव

गुरुग्राम। बस स्टैण्ड परिसर में बनाए गए पार्क में पर्याप्त व्यवस्था न होने से यात्रियों व आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बस स्टैंड पर बने पार्क में सुविधाओं का अभाव एक आम समस्या है, जहाँ अक्सर यात्री और अन्य लोग पार्क का उपयोग करने के लिए पर्याप्त सुविधाओं से वंचित रहते हैं। यह पार्क में मौजूद सुविधाओं की कमी, जैसे कि स्वच्छ शौचालय, पीने का पानी, बैठने की जगह या फिर पार्क की बदहाल स्थिति और खराब रखरखाव के कारण हो सकता है। प्रबुद्ध लोगों ने बताया कि रात्रि के समय पार्क में रोशनी का अभाव बना रहता है और रात्रि के समय असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। दूर दराज क्षेत्रों से आए यात्री पार्क में आराम करते हैं, लेकिन ऐसे असामाजिक तत्वों के कारण उन्हें परेशान होना पड़ता है। उन्होंने सुझाव दिया कि नियमित रखरखाव और साफ-सफाई से पार्क को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाया जा सकता है। उन्होंने रोडवेज विभाग से आग्रह किया है।

5 जून से पहले सभी सड़कों को दुरुस्त करें पीडब्ल्यूडी के अधिकारी- रणबीर गंगवा

● हर घर में नल, हर नल में जल के तहत हर व्यक्ति को पानी उपलब्ध करवाएं जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 15 जून से पहले सभी खराब हालत की सड़कों की मरम्मत सुनिश्चित करें। निर्माण एजेंसियों द्वारा निर्माण के बाद भी उनका रखरखाव करें। वहीं जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की हर घर में नल व हर नल में स्वच्छ जल की नीति के तहत हर व्यक्ति को पेयजल उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही बारिश से पहले सभी सीवरेज व नालों की साफ-सफाई सुनिश्चित करें। इन कार्यों में लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सीवन में दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत पर अधीक्षक अभियंता को दो दिन में जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए, ताकि दोषी कर्मचारी या अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। मंत्री श्री रणबीर गंगवा आज कैथल के लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसके बाद मंत्री ने जिले भर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। बाद में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक में

मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने जिले में सड़कों की स्थिति को लेकर रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि जो भी सड़कें किसी एजेंसी द्वारा बनाने के बाद जितनी अवधि तक उन्हें उस एजेंसी द्वारा ठीक रखा जाना है, डीएलपी के तहत आने वाली ऐसी 1950 किलोमीटर लंबी सड़कों की मरम्मत सुनिश्चित करवाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ठेकेदारों के कार्यों की समय-समय पर जांच करते रहें। यदि किसी एजेंसी का कार्य ठीक नहीं है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। सड़कों में गड्ढे या फिर किसी अन्य विभागीय कमी से किसी की जान न जाए।

अधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि सड़कों की हालत ठीक रहे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भी विधानसभा में छह माह में सभी सड़कों के दुरुस्त करने की बात कही थी। इसलिए अधिकारी इस बात को सुनिश्चित करें कि सड़कों का कार्य अधूरा न हो।

हरियाणा में ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने वालों पर प्रदेश पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पहले तीन महीनों में किए 10 लाख से अधिक चालान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर अपनी मुहिम तेज़ करते हुए वर्ष-2025 के पहले तिमाही (1 जनवरी से 31 मार्च) में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालो को कुल 10,13,422 चालान जारी किए हैं। पुलिस की यह पहल राज्यभर में लोगों को यातायात नियमों के पालन को प्रोत्साहित करने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, जारी किए गए कुल चालानों में से 5,63,485 चालान सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से, 4,49,931 ई-चालानिंग मशीनों से और केवल 6 चालान मैनुअल तरीके से किए गए। इससे स्पष्ट है कि हरियाणा पुलिस चालान व्यवस्था को पूरी तरह तकनीक-संचालित बनाने की दिशा में अग्रसर है।

बिना हेलमेट और ओवरस्पीडिंग के किए गए सबसे अधिक चालान

सबसे अधिक चालान बिना हेलमेट वाहन चलाने के मामलों में हुए, जिनकी संख्या 2,82,020 रही। इसके बाद तेज़ गति (ओवरस्पीड) से वाहन चलाने के 1,97,661, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र न होने के 1,32,267, थर्ड पार्टी बीमा न होने के 1,12,055, गलत पार्किंग के 1,26,012 और गलत दिशा में वाहन चलाने के 1,09,673 मामले सामने आए हैं।

पटाखा बुलेट चलाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई

हरियाणा पुलिस द्वारा वर्ष-2025 में बुलेट बाइक से पटाखे चलाने वाले साइलेंसरो का इस्तेमाल करने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है। हरियाणा पुलिस द्वारा जनवरी 2025 से लेकर मार्च 2025 तक ऐसे 2049 वाहनों का चालान किया गया है। ऐसे वाहनों में लगे मॉडिफाई साइलेंसरों को जब्त कर उन्हें नष्ट किया जा रहा है। ये वाहन तेज आवाज करते है जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे वाहनो की अचानक तेज आवाज आने से साथ चल रहे वाहन चालकों का डर से संतुलन बिगड़ने का खतरा रहता है जिससे सड़क दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। इसी प्रकार, गाड़ी पर ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल करने वालो पर सख्ती की जा रही है। जनवरी-2025 से लेकर मार्च-2025 तक हरियाणा पुलिस द्वारा ऐसे 6182 वाहन चालको के चालान करते हुए उन पर 6,18,20000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

हरियाणा पुलिस ने राज्यभर में सीसीटीवी आधारित ट्रैफिक निगरानी प्रणाली को मजबूत किया है। राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर शहरों की मुख्य सड़कों तक ट्रैफिक कैमरों की मदद से यातायात नियमों की उल्लंघना करने वाले वाहनों की पहचान की जा रही है। सभी चालान डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संबंधित वाहन चालकों तक पहुंचाए जा रहे हैं। हरियाणा में जनवरी-2025 से लेकर मार्च-2025 तक ऐसे 563485 वाहन चालकों के ऑनलाइन माध्यम से चालान किए गए हैं।

लेन-ड्राइविंग की अवहेलना करने वालों के खिलाफ गुरुग्राम पुलिस की प्रभावी कार्यवाही

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के कुशल नेतृत्व में कार्य करते हुए पुलिस उपायुक्त यातायात वीरेंद्र विज के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/ हाईवे सत्यपाल यादव की देखरेख में गुरुग्राम पुलिस द्वारा एक जनवरी से 17 अप्रैल तक लेन-ड्राइविंग सुनिश्चित कराने के लिए गलत लेन में ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ स्पेशल अभियान चलाया गया। इस स्पेशल कैंपेन के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए गुरुग्राम पुलिस द्वारा सही लेन में ड्राईविंग नहीं करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मॉनिटरिंग की गई तथा इस दौरान गुरुग्राम पुलिस टीमों द्वारा लेन-ड्राईविंग की अवहेलना करने वाले कुल 13526 वाहन चालकों के नियमानुसार चालान किए गए, जिनकी कुल जुर्माना राशि एक करोड़ 24 हजार रुपए है। गुरुग्राम पुलिस का उद्देश्य यातायात का संचालन व्यवस्थित व सुगम बनाकर गुरुग्राम की सडक़ों पर वाहनों का संचालन सुगम व सुरक्षित करना है। सडक़ हादसों का एक मुख्य कारण गलत लेन में वाहन चलाना तथा अचानक लेन बदलना भी हैं, जिससे स्वयं तथा दूसरों की जान/माल को क्षति पहुँचती है। इस तरह की दुर्घटनाएं ना हो इसके लिए गुरुग्राम पुलिस द्वारा नियमित रूप से लोगों को विभिन्न माध्यमों से समय-समय पर विशेष जागरूकता अभियान चलाकर भी लोगों को यातायात नियमों की पालना करने के लिए जागरूक किया जाता है।

सेक्टर-41/45 रेड लाइट पर लगाए बोलार्ड, लेफ्ट लेन को किया फ्री

गुरुग्राम। दिनांक 18.04.2025 को पुलिस उपायुक्त यातायात श्री वीरेंद्र विज IPS के निर्देशन में कार्य करते हुए सहायक पुलिस उपायुक्त यातायात पूर्व श्रीमती सुरेंद्र कौर HPS की देखरेख में कार्य करते हुए यातायात निरीक्षक अशोक कुमार, जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह,EHC प्रवीण कुमार और यातायात पुलिस कर्मचारियों की सहायता से सेक्टर 41/45 रेड लाइट पर बख्तावर चौक से हुड्डा सिटी सेंटर की ओर जाने वाले रोड पर वाहनों को जाम से निजात दिलाने के लिए टायर बैरी गेट और बोलार्ड्स लगाए गए।जिससे सेक्टर 41/45 रेड लाइट पर बख्तावर चौक से हुड्डा सिटी सेंटर पर वाहनों के लिए बाई ओर का वाहन फ्री होकर चलता रहे और रेड लाइट पर किसी प्रकार की जाम की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। इससे न केवल वाहन चालकों का समय,तेल की बचत होगी बल्कि वायु प्रदूषण पर भी अंकुश लगेगा।

खनन विभाग लगातार फील्ड में रहकर कर रहा औचक निरीक्षण

10 दिनों में खनन विभाग ने 2382 वाहनों की चेकिंग की, 10 वाहनों पर 30 लाख रुपए जुर्माना ठोका

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के निर्देश अनुसार खनन विभाग लगातार फील्ड में रहकर अवैध खनन तथा खनिज के अवैध परिवहन को लेकर कड़ी निगरानी कर रहा है। पिछले 10 दिनों में खनन विभाग ने 2382 वाहनों की चेकिंग की। इस दौरान दस वाहन जब्त किए। इस दौरान 14 एफआईआर दर्ज की गई 30 लाख रुपए जुर्माना लगाया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा विभाग के महानिदेशक के एम पांडुरंग लगातार पूरे प्रदेश से इस संबंध में रोजाना रिपोर्ट ले रहे हैं।

यह जानकारी देते हुए जिला खनन इंजीनियर डॉ राजेश कुमार ने बताया कि पिछले 10 दिनों में राजस्थान से अवैध तरीके से बजरी व रोड़ी ढोने के मामले में 30 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। इसमें से

14.50 लाख रुपए जुर्माना पकड़े गए चार वाहनों की उगाही करके सरकारी खजाने में जमा करवाए गए हैं।

एसडीएम ने किया खनिज युक्त क्षेत्रों का दौरा:

नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार तथा जिला खनन अभियंता इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने पूरे नांगल चौधरी क्षेत्र के खनिज युक्त क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया।

इस संयुक्त टीम ने आज आंतरी, बिहारीपुर, जैनपुर, बायल, मोसनुता तथा पांचनौता आदि गांव का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कहीं भी अवैध खनन का कोई मामला नहीं पाया गया। टीम को बिहारीपुर पहाडि़यों में एक बिंदु पर एक ट्रैक्टर ट्रॉली के निशान मिले। इस पर एसडीएम ने संबंधित सरपंच के माध्यम से जांच कर शिकायत भेजने के निर्देश दिए। इस दौरान दो खेड़ा खदान क्षेत्र का भी दौरा किया गया। टीम को एक ट्रक ओवरलोड मिला। इस पर आरटीओ द्वारा चालान के निर्देश दिए गए।

एडीसी ने ली समाधान शिविर की समीक्षा बैठक

नवंबर से अब तक जिला के 1186 नागरिकों ने रखी अपनी समस्याएं

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा सरकार के निर्देश पर लगाए जा रहे समाधान शिविर आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान का बेहतरीन प्लेटफार्म है। पिछले वर्ष नवंबर से अब तक जिला महेंद्रगढ़ में लगाए गए इन समाधान शिविरों में 1186 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी है। अधिकारी यहां रखी जाने वाली प्रत्येक शिकायत को पूरी गंभीरता के साथ सुनें। यह निर्देश अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने आज समाधान शिविर को लेकर बुलाई समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत की एक्शन टेकन रिपोर्ट सही तरीके से दी जाए। जिला लेवल तथा मुख्यालय लेवल पर प्रत्येक रिजेक्ट की गई शिकायत की भी समीक्षा की जाती है। सभी शिकायतें समाधान प्रकोष्ठ में भेजी

जाती हैं जहां पर मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से प्रत्येक शिकायत पर नजर होती है। उन्होंने कहा कि अब सरकार के निर्देश अनुसार प्रत्येक सोमवार तथा वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला स्तर तथा उप मंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। कोई भी नागरिक यहां अपनी समस्याएं रख सकता है।

गौड़ सभा नए भवन के लिए दिए 51 हजार रुपये

एजेंसी

नारनौल। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा द्वारा नांगल चौधरी रोड पर बनाए जाने वाले नए भवन के लिए पितांबरी देवी धर्मपत्नी नितिन शर्मा ने अपनी नेक कमाई में से 51 हजार रुपये दान दिए। इस दौरान गौड़ सभा के प्रधान राकेश मेहता एडवोकेट ने बताया कि गौड़ सभा द्वारा बनाए जाने वाले नए भवन को लेकर समाज के लोगों में उत्साह है और सभी अपने-अपने सामर्थ अनुसार इसके लिए दान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब जल्द ही नए भवन का निर्माण कार्य शुरू किया जाना है। उन्होंने 51 हजार रुपये दान देने वाले दान दाता पितांबरी देवी जयपुर निवासी का भी आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रधान ने बताया कि गौड़ ब्राह्मण सभा द्वारा 19 अप्रैल को मोहल्ला चौधरियान स्थित सभा भवन प्रांगण में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस शिविर में 36 बिरादरी के लोग अपना स्वास्थ्य जांच करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से चिकित्सक मरीजों की जांच करेंगे। निशुल्क चिकित्सा शिविर में कार्डियोलॉजी, जनरल फिजिशियन, नेत्र रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, बीपी व रैंडम ब्लड शुगर की जांच होगी। उन्होंने बताया कि चिकित्सा शिविर सुबह दस बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा।

मुख्य अभियंता विजय ढाका से मिली ठेकेदार यूनियन, उठाई समस्याएं और रखीं कई अहम मांगें

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम की ठेकेदार एसोसिएशन ने नगर निगम के नव नियुक्त मुख्य अभियंता विजय ढाका से मुलाकात की। एसोसिएशन के प्रधान मनीष सैदपुर के नेतृत्व में हुई इस शिष्टाचार भेंट के दौरान यूनियन ने उन्हें गुरुग्राम की जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और साथ ही शहर के विकास कार्यों और ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या, कार्यों की गुणवत्ता, बिलिंग प्रक्रिया में देरी, बार-बार आपत्तियों का लगना, टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता सहित कई मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। यूनियन ने एक मांग-पत्र भी सौंपा जिसमें मुख्य मांगों में शामिल था कि कार्यकारी अभियंता के पास बिल हों, फ़ाइलों का समय निर्धारित किया जाए, बिल समय पर बनें, टेंडर अलॉटमेंट निर्धारित समय पर हो और टेंडर फीस राशि समान हो। मुख्य अभियंता विजय ढाका ने सभी मांगों और समस्याओं को गंभीरता से सुना और समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने ठेकेदारों से भी आग्रह किया कि कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो, विशेष रूप से बरसात के मौसम में जलभराव जैसी समस्याओं से बचा जा सके। विजय ढाका ने यह भी कहा कि उनका नगर निगम गुरुग्राम से पुराना नाता रहा है और वे ज़्यादातर ठेकेदारों और उनकी कार्यशैली से परिचित हैं। इसलिए वह इस नए दायित्व को चुनौती नहीं बल्कि एक अवसर के रूप में देखते हैं। इस अवसर पर यूनियन के प्रधान मनीष सैदपुर ने बैठक को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि कई समस्याओं का समाधान मौके पर ही हो गया है और शेष पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूनियन गलत ठेकेदारों या अधिकारियों का समर्थन कभी नहीं करती और जो भी दोषी पाया जाएगा उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। यूनियन ने आयुक्त अशोक गर्ग के नाम एक पत्र भी सौंपा, जिसमें पहले से लंबित मांगों को दोहराया गया।

इंफोसिस ने सरकारी जांच के बीच 370 प्रशिक्षुओं को निकाला, एनआईटीईएस ने की शिकायत

एजेंसी

बेंगलुरु । नैसेंट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंफोसिस लिमिटेड पर राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) के तहत नामांकित 370 प्रशिक्षुओं को अवैध और अनैतिक तरीके से हटाने का आरोप लगाते हुए कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब अक्टूबर 2024 में 700 से अधिक प्रशिक्षुओं की छंटनी से जुड़ी सरकारी जांच अभी भी जारी है। वर्तमान में यह जांच बोर्ड ऑफ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (पूर्वी क्षेत्र) द्वारा की जा रही है, जहां प्रशिक्षु पहले ही दस्तावेजी सबूत सौंप चुके हैं। एनआईटीईएस के अध्यक्ष और अधिवक्ता हरप्रीत सिंह सलूजा ने आरोप लगाया कि इंफोसिस ने एक बार फिर वही गलती दोहराई है। उन्होंने कहा, 370 और प्रशिक्षुओं को बिना किसी कानूनी औचित्य, पूर्व सूचना या उचित प्रक्रिया के निकाला गया, जिससे यह स्पष्ट है कि कंपनी भारत के कानूनी ढांचे की अनदेखी कर रही है। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि प्रभावित प्रशिक्षुओं को 'आपसी अलगाव' समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य किया गया, जिससे अनैतिक बर्खास्तगी को वैध रूप देने की कोशिश की गई।

हैदराबाद हवाईअड्डा को कार्बन न्यूट्रैलिटी में बड़ी सफलता, एसीआई से मिली स्तर पांच मान्यता

हैदराबाद। जीएमआर हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (जीएचआईएएल) से संचालित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (आरजीआईए) को एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) के हवाईअड्डा कार्बन मान्यता (एसीए) कार्यक्रम के सबसे ऊंचे स्तर पांच की मान्यता प्राप्त हुई है, जो इसे एशिया-प्रशांत और मध्य पूर्व क्षेत्र के उन चार अग्रणी हवाईअड्डों में शामिल करती है, जिन्होंने कार्बन प्रबंधन के इस उच्चतम स्तर को हासिल किया है।एसीए कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर हवाईअड्डों द्वारा कार्बन उत्सर्जन को मापने, कम करने और प्रबंधित करने के प्रयासों का आकलन करता है। इसमें कुल सात स्तर होते हैं, जिनमें स्तर पांच ट्रांसफॉर्मेशन को सबसे ऊंचा स्थान प्राप्त है। इस मान्यता के लिए आरजीआईए ने स्कोप एक और दो उत्सर्जनों के लिए शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन बनाए रखा है और वर्ष 2050 या उससे पहले स्कोप तीन उत्सर्जन को शुद्ध शून्य करने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। जीएसआर हवाईअड्डा के कार्यकारी निदेशक और मुख्य नवाचार अधिकारी एस. जी. के. किशोर ने इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आरजीआईए जलवायु परिवर्तन से निपटने और वर्ष 2015 के यूएनएफसीसीसी पेरिस समझौते के तापमान लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने भागीदारों के साथ मिलकर काम करता रहेगा।

जाइडस मेडटेक और ब्रेल बायोमेडिका के बीच साझेदारी

मुंबई। औषधि निर्माता बहुराष्ट्रीय कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जाइडस मेडटेक प्राइवेट लिमिटेड ने ब्राजील की अग्रणी हृदय उपकरण निर्माता ब्रेल बायोमेडिका के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है।कंपनी ने बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (ओएवीआई) तकनीक का यूरोप, भारत और अन्य चुनिंदा बाजारों में विशेष रूप से व्यावसाय करेंगी। यह सहयोग जाइडस मेडटेक के तेजी से विस्तार कर रहे इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी पोर्टफोलियो को मजबूती प्रदान करेगा। टीएवीआई एक मिनिमली इनवेसिव हृदय प्रक्रिया है, जो विशेषकर उच्च शल्य जोखिम वाले या वृद्ध मरीजों के लिए प्रभावी विकल्प मानी जाती है। जाइडस लाइफसाइंसेज के प्रबंध निदेशक डॉ. शार्विल पटेल ने इस साझेदारी को उन्नत और जीवन-रक्षक हृदय देखभाल को वैश्विक स्तर पर अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा, यह तकनीक मरीजों के लिए तेज रिकवरी, अस्पताल में कम समय और जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाने में मदद करेगी। वैश्विक ओएवीआई बाजार, जिसकी वर्तमान अनुमानित मूल्यांकन छह अरब डॉलर से अधिक है, वह लगातार बढ़ रहा है। इसका मुख्य कारण महाधमनी स्टेनोसिस के मामलों में वृद्धि और कम आक्रामक चिकित्सा प्रक्रियाओं की बढ़ती मांग है।

एनएसडीसी और रिलायंस फाउंडेशन ने मध्यप्रदेश में 'फ्यूचर रेडी स्किल्स' पहल की शुरुआत की

भोपाल। रिलायंस फाउंडेशन और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम ने मध्यप्रदेश में 'फ्यूचर रेडी स्किल्स' इनिशिएटिव की शुरुआत की। इस महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के 700 कॉलेजों, पॉलिटेक्निक और आईटीआई संस्थानों में अध्ययनरत 5 लाख से अधिक छात्रों को एडटेक, साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे भविष्य के तकनीकी क्षेत्रों में दक्ष बनाना है। इस पहल का उद्घाटन भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित एमपी फ्यूचर रेडी स्किल्स कॉन्क्लेव'* में किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और स्किल इंडिया मिशन के उद्देश्यों से प्रेरित है।

टैरिफ वॉर से ग्लोबल ट्रेड में गिरावट की आशंका, गुड्स ट्रेडिंग पर सबसे ज्यादा असर

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर की वजह से ग्लोबल ट्रेड के भी प्रभावित होने के आशंका बन गई है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने आशंका जताई है कि इस टैरिफ वॉर के कारण इस साल ग्लोबल ट्रेड के वॉल्यूम में 0.20 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। इसमें गुड्स ट्रेडिंग पर सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है, जबकि सर्विस ट्रेडिंग पर टैरिफ वॉर का प्रत्यक्ष असर ज्यादा नजर नहीं आएगा।विश्व व्यापार संगठन की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका और चीन टैरिफ को लेकर जिस तरह से एक दूसरे पर हमलावर हुए हैं, उससे गुड्स सेक्टर की ट्रेडिंग में ग्लोबल लेवल पर तेज गिरावट आ सकती है। इस कारण ग्लोबल मार्केट में गुड्स ट्रेडिंग 1.20 प्रतिशत तक फिसल सकती है। इसी तरह डब्ल्यूटीओ ने कॉमर्शियल सर्विसेज ट्रेडिंग के ग्लोबल वॉल्यूम

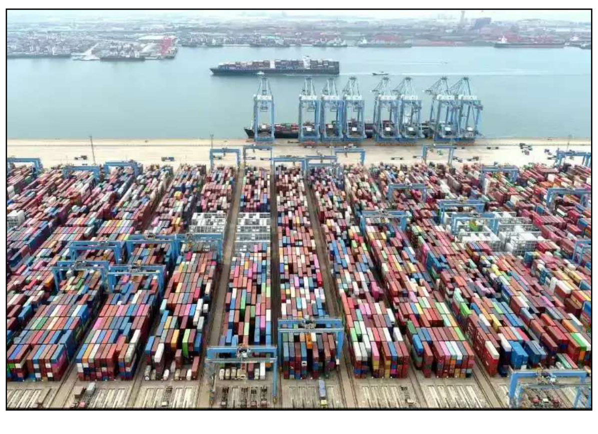

में ग्रोथ रेट के अनुमान को घटा कर 4 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि सर्विसेज की ट्रेडिंग में टैरिफ वॉर का प्रत्यक्ष असर नहीं होगा। इसके बावजूद इस वजह से वैश्विक कारोबार में बने तनाव के कारण सर्विसेज की ट्रेडिंग भी परोक्ष रूप से प्रभावित होगी।

बताया जा रहा है कि टैरिफ वॉर को लेकर ग्लोबल मार्केट में बनी अनिश्चितता से ट्रेडर्स के बीच असमंजस की स्थिति बन गई है। हालांकि, चीन के अलावा दूसरे देशों पर अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ को 3 महीने के लिए टाल दिया है, लेकिन इस अवधि के बाद क्या होगा, इसको लेकर कारोबारी जगत में चिंता बनी हुई है। डब्ल्यूटीओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि टैरिफ वॉर के कारण बनी अनिश्चितता से ग्लोबल ट्रेड के वॉल्यूम पर तो असर पड़ेगा ही, ग्लोबल ट्रेड का ग्रोथ भी प्रभावित होगा। इसी वजह से रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लोबल ट्रेड के ग्रोथ का अनुमान भी करीब 1.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3.5 प्रतिशत के स्तर तक आ सकता है। इसके पहले विश्व व्यापार संगठन ने 2025 में ग्लोबल ट्रेड में 5 प्रतिशत ग्रोथ का अनुमान लगाया था।

पंजाब की मंडियों में 125 लाख टन गेहूं आने की संभावना : कटारूचक्क

एजेंसी

रूपनगर। पंजाब के खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोगता मामले के मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने रूपनगर की अनाज मंडी में गेहूं की चल रही खरीद का जायजा लेते हुए कहा कि राज्य में इस बार गेहूं की बंपर फसल हुई है और इस सीजन के दौरान लगभग 125 लाख टन गेहूं आने की संभावना है। श्री कटारूचक्क ने कहा कि अब तक मंडियों में 13 लाख 16 हजार टन गेहूं की आमद हो चुकी है। इसमें से लगभग 11 लाख टन की खरीद हो चुकी है। उन्होंने कहा कि किसानों के खातों में 703 करोड़ रुपये की अदायगी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि जहां अदायगी खरीद होने के 24 घंटों में की जा रही है, वहीं लिफ्टिंग में भी कोई ढिलाई नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि मौसम अगर इसी तरह साथ देता रहे, तो इस बार गेहूं के दाने की गुणवत्ता भी बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा कि मंडियों में आए अनाज को मौसम की मार से बचाने के लिए सभी एजेंसियों और आढ़तियों को तरपालों और करेटों के सुरक्षित प्रबंध रखने के लिए कहा गया है।

इसके अलावा बारदाने की भी कोई कमी नहीं है। श्री कटारूचक्क ने मजदूर भाईचारे से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार ने इनका मेहनताना सिर्फ एक वर्ष में ही दो बार बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि पहले एक रुपये 80 से बढ़ाकर दो रुपये 21 पैसे किया गया और बढ़ती महंगाई और आढ़तियों की मांग को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान ने साहसिक फैसला लेते हुए 43 पैसे का और बढ़ाकर इनका रेट दो रुपये 64 पैसे किया है। उन्होंने बताया कि इस बढ़ोतरी से लगभग 10 करोड़ रुपये का लाभ इस मजदूर भाईचारे को होगा।

जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया आसान बनाने के लिए आवेदन प्रोसेसिंग संबंधी संशोधित निर्देश

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली एजेंसी केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) माल एवं सेवा कर (जीएसटी) पंजीकरण में इकाइयों की सुविधा के लिए अधिकारियों को आवेदन की प्रोसेसिंग करते समय अनुमान के आधार पर, छोटी-मोटी विसंगतियों के कारण या ऐसे अतिरिक्त दस्तावेजों के अभाव के लिए नोटिस जारी न करने के निर्देश दिए गए हैं जो जांच-पड़ताल की दृष्टि से गैर जरूरी हैं। मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि अधिकारियों को उन मामलों में संबंधित उप/सहायक आयुक्त की मंजूरी लेने का भी निर्देश दिया गया है, जहां सूचीबद्ध दस्तावेजों के अलावा अन्य दस्तावेज मांगे जाने की आवश्यकता है। संशोधित निर्देशों में इसी तरह क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्त/मुख्य आयुक्तों को बारीक नजर रखने और जहां भी आवश्यक हो, उपयुक्त व्यापार नोटिस जारी करने के लिए तंत्र विकसित करने सलाह दी गई है। इन निर्देशों के प्रतिकूल जाने वाले अधिकारियों के

खिलाफ सख्त कार्रवाई की किए जाने की भी सलाह दी गई है । मंत्रालय का कहना है कि इससे जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया में और सुविधा होगी, अनुपालन का बोझ कम होगा और व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा मिलेगा। सीबीआईसी के लिए संशोधित दिशा-निर्देश करदाताओं पर अनुपालन का बोझ कम करेंगे और नियम-आधारित पारदर्शिता को सुगम बनाएंगे। वित्त मंत्रालय को जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया के दौरान आवेदकों को होने वाली कठिनाइयों के संबंध में कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जो मुख्य रूप से अतिरिक्त दस्तावेजों की मांग के आधार पर अधिकारियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों से संबंधित हैं। उसके मद्देनजर 17 अप्रैल, 2025 को जीएसटी पंजीकरण आवेदनों को संसोधित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश (निर्देश संख्या 03/2025-जीएसटी) जारी किए हैं । विज्ञप्ति में कहा गया है कि अधिकारियों को पंजीकरण आवेदन प्रपत्र में दिए गए दस्तावेजों की निर्धारित सूची का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है। विशिष्ट मामलों में पंजीकरण आवेदन प्रपत्र के साथ अपलोड किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों को भी निर्देशों में निरुपित किया गया है।

हर एक दाना एमएसपी पर खरीदेगी सरकार : मंत्री श्याम सिंह राणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि राज्य सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं का एक-एक दाना खरीदेगी। श्री राणा ने कुरुक्षेत्र के क़स्बा इस्माइलाबाद और करनाल जिला के गांव निगधू स्थित अनाज मंडियों का दौरा करने के बाद किसानों से बातचीत की ।

उन्होंने रबी फसल की खरीद प्रक्रिया की समीक्षा की और किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने किसानों से बातचीत करते खरीद कार्यों को लेकर फीडबैक लिया और अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया को बिना किसी बाधा और पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ÷मैंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे कुशलता और पारदर्शिता बनाए रखें। उठान का कार्य भी जारी है, जिसे आने वाले दिनों में और तेज किया जाएगा। श्री राणा ने बताया कि एक अप्रैल से अब तक सरकार ने 37.72 लाख टन गेहूं की खरीद की है, जिसमें से 11 लाख टन का उठान

भी हो चुका है। उन्होंने कहा कि मंडियों में खरीद का कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रहेगा और वह स्वयं मौके पर जाकर स्थिति की निगरानी करते रहेंगे।उन्होंने बताया कि अब तक दो लाख से अधिक किसानों से गेहूं की खरीद की जा चुकी है और लगभग 1,400 करोड़ रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खातों में प्रणाली के माध्यम से भेजी जा चुकी है। पिछले वर्ष 17 अप्रैल तक लगभग 25 लाख टन गेहूं की खरीद हुई थी, जबकि इस बार यह आंकड़ा पहले ही काफी बढ़ चुका है। उन्होंने सरसों की खरीद प्रक्रिया की भी जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए सरसों की खरीद 15 मार्च से शुरू हो चुकी है। यह कार्य दो सरकारी एजेंसियां–हैफेड और हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन–मिलकर कर रही हैं। उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल तक 4.93 लाख टन सरसों की खरीद की जा चुकी है और 3.40 लाख टन उठान भी हो चुका है। इस प्रक्रिया से अब तक लगभग 1.71 लाख सरसों उत्पादक किसानों को लाभ मिला है और उनके खातों में करीब 1,843 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी जा चुकी है।

खत्म होने वाला है हुंडई समेत 21 कंपनियों का लॉक इन पीरियड, स्टॉक मार्केट में बढ़ेगी हलचल

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में अगले कुछ दिनों में करीब 21 कंपनियों का लॉक इन पीरियड खत्म होने वाला है। इन 21 कंपनियों में हुंडई मोटर इंडिया, डॉ अग्रवाल्स हेल्थ केयर, स्विगी जैसी बड़ी कंपनियां हैं। लॉक इन पीरियड खत्म होने के बाद इन कंपनियों के एंकर इन्वेस्टर्स के पास उपलब्ध करीब 2.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयर स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो जाएंगे, जिससे बाजार में बड़ी हलचल नजर आ सकती है। स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग सजेशन, रिसर्च और ट्रेडिंग कंटेंट उपलब्ध कराने वाली कंपनी नुवामा अल्टरनेटिव एंड क्वांटेटिव रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार हुंडई मोटर इंडिया, अग्रवाल्स हेल्थ केयर और स्विगी के अलावा स्टैलियन इंडिया

फ्लोरोकेमिकल्स, हरिओम पाइप, होनासा कंज्यूमर (मामाअर्थ), वारी एनर्जीज, सैगिलिटी इंडिया, एसीएमई सोलर होल्डिंग्स, एएसके आटोमोटिव, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक, रेनबो चिल्ड्रेन्स मेडिकेयर, सेलो वर्ल्ड, डेंटा वाटर एंड इंफ्रा, अजैक्स इंजीनियरिंग, डिफ्यूजन इंजिनियर्स, निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस, गोदावरी बायो रिफाईनरीज दीपक बिल्डर्स एंड इंजिनियर्स, एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर और ब्लू जेट हेल्थ के एंकर इन्वेस्टर्स के लिए लॉक इन पीरियड खत्म होने वाला है। दरअसल, जब भी कोई कंपनी आईपीओ लॉन्च करती है, तो उसमें कुछ बड़े संस्थागत निवेशकों को एंकर इन्वेस्टर के रूप में शामिल किया जाता है। इन इन्वेस्टर्स के सामने आईपीओ में हिस्सेदारी खरीदने के बाद एक निश्चित अवधि तक अपने शेयर को होल्ड करन की शर्त होती है। मतलब एक निश्चित अवधि तक एंकर इन्वेस्टर अपने पास रखे शेयर को बेच नहीं सकते हैं। इस अवधि को ही लॉक इन पीरियड कहा जाता है। लॉक इन पीरियड खत्म होने के बाद एंकर इन्वेस्टर्स को ओपन मार्केट में शेयर बेचने की अनुमति मिल जाती है। आमतौर पर लॉक इन की अवधि 3 या 6 महीने की होती है।

इटरनल ने विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाकर की 49.5 प्रतिशत

एजेंसी

मुंबई।ऑनलाइन खान-पान डिलिवरी सेवा प्रदाता कंपनी इटरनल लिमिटेड (पूर्व में जोमैटो लिमिटेड) ने कंपनी में विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाकर 49.5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव पारित किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इटरनल लिमिटेड ने आज आयोजित अपनी बोर्ड बैठक में विदेशी निवेश की सीमा को बढ़ाकर 49.5 प्रतिशत करने का महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया है। कंपनी ने यह निर्णय पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं (एलओडीआर) विनियम, 2015 के तहत लिया है। इस प्रस्ताव के तहत कंपनी की इक्विटी में कुल विदेशी स्वामित्व, जिसमें प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) और अप्रवासी भारतीय (एनआरआई) निवेश शामिल हैं को 49.50 प्रतिशत तक सीमित किया जाएगा। यह प्रस्ताव विशेष संकल्प के रूप में कंपनी के शेयरधारकों से डाक मतपत्र के माध्यम से अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। बोर्ड ने डाक मतपत्र के माध्यम से इस प्रस्ताव को शेयरधारकों के समक्ष रखने और इस संदर्भ में आवश्यक नोटिस जारी करने को भी मंजूरी दे दी है। कंपनी का यह कदम विदेशी निवेशकों के लिए भागीदारी के नए रास्ते खोलने, पूंजी प्रवाह को प्रोत्साहित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति मजबूत करने की रणनीति के अंतर्गत देखा जा रहा है।

एसईसीएल ने पेस्ट फिल टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए 7040 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

कोरबा। कोल इंडिया की आनुषंगिक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने कोयला खनन के लिए पेस्ट फिल टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए टीएमसी मिनरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ 7040 करोड़ रुपये के समझौते पर आज बिलासपुर में हस्ताक्षर किए हैं। इस तकनीक के उपयोग से एसईसीएल देश की पहली कोयला पीएसयू बन जाएगी जो पर्यावरण अनुकूल खनन प्रथाओं को अपनाएगी।इस समझौते के तहत एसईसीएल के कोरबा क्षेत्र में स्थित सिंघाली भूमिगत कोयला खदान में पेस्ट फिल तकनीक का उपयोग करके बड़े पैमाने पर कोयला उत्पादन किया जाएगा।क्या है पेस्ट फिल टेक्नोलॉजी-पेस्ट फिल एक आधुनिक भूमिगत खनन विधि है जिसमें सतह की जमीन अधिग्रहण

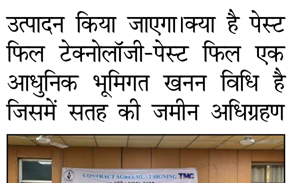

की आवश्यकता नहीं होती है। कोयला निकालने के बाद खाली जगहों को विशेष रूप से तैयार पेस्ट से भरा जाता है, जो फ्लाई ऐश, कुचले हुए ओवरबर्डन, सीमेंट, पानी और बाइंडिंग रसायनों से बनाया जाता है। यह प्रक्रिया जमीन के धंसने से रोकती है और खान की संरचनात्मक स्थिरता सुनिश्चित करती है।सिंघाली भूमिगत खान को 1989 में 0.24 मिलियन टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता के लिए मंजूरी दी गई थी और 1993 में परिचालन शुरू किया गया था। वर्तमान में खान में 8.45 मिलियन टन निकासी योग्य जी-7 ग्रेड गैर-कोकिंग कोयले के भंडार हैं। इस खान में पारंपरिक ढंग से खनन करना संभव नहीं था क्योंकि खदान के ऊपर का सतही क्षेत्र घनी आबादी वाला है - जिसमें गाँव, उच्च-तनाव वाली बिजली की लाइनें और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सड़क है - जिससे सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी चिंताओं के कारण पारंपरिक गुफा निर्माण विधियाँ अव्यवहारिक हो जाती हैं। हरित खनन की दिशा में कदम-7040 करोड़ रुपये के निवेश के साथ यह परियोजना भारत में हरित खनन प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम है। एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहन ने कहा, मुझे दृढ़ विश्वास है कि पेस्ट फिल तकनीक न केवल भूमिगत खनन के भविष्य को सुरक्षित करेगी, बल्कि एक नवीन और पर्यावरण अनुकूल समाधान भी प्रदान करेगी। यह परियोजना हरित खनन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और आने वाले वर्षों में कोयला उद्योग के भविष्य को आकार देगी।

दो हजार रुपये से ऊपर के यूपीआई लेन-देन पर जीएसटी लगाने का प्रस्ताव नहीं : वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने का काई प्रस्ताव नहीं है और ऐसे किसी भी प्रस्ताव की बात भ्रामक और निराधार है। वित्त मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा कि इस तरह के दावे 'पूरी तरह से झूठे, भ्रामक और निराधार हैं' कि सरकार यूपीआई लेन-देन पर इस तरह जीएसटी लगाने का विचार कर रही है। बयान में कहा गया है, सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

बयान में कहा गया है कि कुछ उपकरणों (कार्ड जैसे माध्यमों) का उपयोग करके किए गए भुगतानों से संबंधित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) जैसे शुल्कों पर ही जीएसटी लगाया जाता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 30 दिसंबर 2019 को राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से

व्यक्ति-से-व्यापारी (पी2एम) को यूपीआई से भुगतान पर एमडीआर हटा चुका है। मंत्रालय ने कहा है,÷चूंकि वर्तमान में यूपीआई लेनदेन पर कोई एमडीआर लगाया ही नहीं जाता है, ऐसे इन लेन-देन पर कोई जीएसटी लागू ही नहीं किया जा सकता है।÷ बयान में कहा गया है कि सरकार यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में यूपीआई लेन-देन में तेजी से वृद्धि देखी गई है। वित्त वर्ष 2019-20 में यूपीआई के जरिए कुल भुगतान 21.3 लाख करोड़ रुपये से था जो चालू मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में बढ़ कर 260.56 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया । पिछले वित्त वर्ष के अंत तक पी2एम लेन-देन 59.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। सरकार ने (पी2एम) लेनदेन को लक्षित वर्ष 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना चालू की है। इस योजना के तहत वित्त वर्ष 2021-22 में 1,389 करोड़ रुपये, 2022-23 में 2,210 करोड़ रुपये, 2023-24 में 3,631 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख

कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.17 प्रतिशत उबलकर 64.45 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 3.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 67.85 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

सर्राफा बाजार में सोना ने फिर बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट आने की आशंका और अमेरिका-चीन के बीच टैरिफ वॉर को लेकर जारी तनातनी के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में लगातार तूफानी तेजी बनी हुई है। 24 कैरेट सोना आज पहली बार 97 हजार के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज पहली बार 89 हजार रुपये के ऊपर पहुंचा हुआ है। हालांकि, सर्राफा बाजार में आज चांदी के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। आज की तेजी के कारण सोना 1,290 रुपये से लेकर 1,400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में आए इस उछाल के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना महंगा होकर 97,580 रुपये से लेकर 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,450 रुपये से लेकर 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सत्तू से नहीं बढ़ता वजनः गर्मियों के इस सुपरफूड से जुड़ी ये बातें नहीं जानते होंगे आप

किशमिश की तासीर गर्म होती है. इसलिए गर्मियों में आप जब भी इसे खाते हैं तो किस तरीके से खाते हैं वह ज्यादा महत्वपूर्ण है. कच्चे किशमिश शरीर का तापमान बढ़ाने के साथ-साथ पेट को गर्म कर सकता है. वहीं गर्मियों में जब भी आप किशमिश खाएं तो भिगोए हुए किशमिश ही खाएं. यह आपको ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित होगा.

गर्मियों का मौसम आते ही शरीर में पानी की कमी, थकान और गर्मी से जुड़ी कई दिक्कतें होने लगती हैं. ऐसे में अगर कोई ऐसा देसी सुपरफूड हो जो न सिर्फ शरीर को ठंडक दे, बल्कि एनर्जी से भी भर दे तो वो किसी वरदान से कम नहीं होगा. सत्तू एक ऐसा ही ट्रेडिशनल भारतीय सुपरफूड है, जिसे कई पीढ़ियों से लोग गर्मी में खाते और पीते आ रहे हैं. चाहे गर्मी से राहत चाहिए हो, पाचन सुधारना हो, या वजन कंट्रोल करना हो. सत्तू हर तरीके से असरदार है.

खास बात ये है कि इसका सेवन सस्ता, आसान और सुपरहेल्दी होता है. लेकिन आज की जेनरेशन में बहुत से लोग सत्तू के बारे में कुछ बातें नहीं जानते हैं. आज इस आर्टिकल में हम आपको सत्तू के बारे में जानेंगे कुछ जरूरी बातें और इससे जुड़े कुछ सवालों के जवाब.

सत्तू क्या है और किससे बनता है?

सत्तू एक पाउडर फॉर्म में मिलने वाला ट्रेडिशनल फूड भोजन है, जिसे आमतौर पर भुने हुए अनाज या दालों को पीसकर बनाया जाता है. ये स्वादिष्ट, आसानी से पचने वाला और एनर्जी से भरपूर होता है. सत्तू कई प्रकार के होते हैं. जैसे चना सत्तू, जौ का सत्तू, गेहूं का सत्तू और मिक्स सत्तू. लेकिन सबसे ज्यादा पॉपुलर सत्तू चना का होता है. इसे भुने हुए देसी चने को पीसकर बनाया जाता है. ये सबसे आम और पोषक से भरपूर होता है.

सत्तू खाने से वजन क्यों नहीं बढ़ता?

सत्तू में फाइबर और प्रोटीन भरपूर होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखता है. इससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग पर कंट्रोल रहता है. साथ ही इसमें फैट बहुत कम होता है, इसलिए ये शरीर में एक्स्ट्रा चर्बी नहीं बनाता. यही वजह है कि सत्तू खाने से वजन बढ़ता नहीं, बल्कि वजन कम करने में मदद मिलती है.

सत्तू की तासीर कैसी होती है?

सत्तू की तासीर ठंडी मानी जाती है. इसलिए गर्मियों में इसका सेवन शरीर को ठंडा रखने और हीट स्ट्रोक (लू) से बचाने में बहुत असरदार होता है. अगर आपके शरीर में पानी की कमी, जलन या गर्मी से थकान महसूस हो तो सत्तू एकदम रामबाण उपाय है.

सत्तू का सेवन सबसे ज्यादा कहां किया जाता है?

सत्तू खासतौर पर सबसे ज्यादा बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश में खाया जाता है. ग्रामीण इलाकों में इसे गरीबों का प्रोटीन कहा जाता है, क्योंकि ये सस्ता, पौष्टिक और पेट भरने वाला होता है. अब ये शहरी डाइट में भी शामिल किया जाने लगा है. खासकर हेल्थ कॉन्शियस लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं.

सत्तू के क्या फायदे हैं?

जैसा की हमने बताया कि सत्तू की तासीर ठंडी होती है इसलिए गर्मियों में इसे शरीर को ठंडा रखने के लिए पीते हैं. साथ ही ये हीट स्ट्रोक से भी बचाव में मदद करता है. ये पाचन को भी दुरुस्त करने में मदद करता है, जिससे गैस, अपच और कब्ज से की शिकायतों से राहत मिलती है.

देश को एक ही फ्रेम में फिट करने की मनमानी

%वक्फ़ के नाम पर लाखों हेक्टेयर ज़मीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर ज़िन्दगी नहीं गुज़ारनी पड़ती।% यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ़ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले।

लगता है कि देश पर राज करने वालों ने अपने लिए एक फ्रेम बनवा ली है और फिर देश को हर हाल में उसी फ्रेम में फिट करने की ज़िद है, बिना इस बात की परवाह किये कि उनकी इस कोशिश में उसका मूल तत्व ही फ्रेम से छिटक रहा है, कट रहा है, टूट रहा है। यकायक यह कोशिश और तेज़ हो गई है। जैसे किसी राजा को यकीन दिला दिया गया हो गया हो कि ऐसा ना हुआ तो अनर्थ हो जाएगा। बेचैनी इन दिनों इस कदर बढ़ी है कि नागरिकों में डर बैठाया जा रहा है, खेमे बनाए जा रहे हैं। बस एक ही कोशिश कि बांटों बांटो और बांट दो! देश के कुछ हिस्से हिंसा की चपेट में हैं, निर्दोष नागरिक मर रहे हैं लेकिन चिंता बस फ्रेम की है। यह चिंता इतनी सघन और स्वनिर्मित है कि देश की जनता को मूल खतरों से आगाह ही नहीं किया जा रहा है। दुनिया की तमाम उथल-पुथल के बीच आर्थिक खतरों और मंदी की आशंका से देश को मज़बूत करने की बजाय वह अफीम दी जा रही है, जिसमें देश सब दर्द भूलकर बस नारे लगाने लगता है। नेताओं को यह लंद-फंद अब रास आ गया है। यह झूठ है तो फिर क्यों एक तरफ़ तो हवाई अड्डे का शिलान्यास होता है और दूसरी ओर वह बात छेड़ दी जाती है जिस पर जब बहस हुई तो सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष दोनों गायब थे।%वक्फ़ के नाम पर लाखों हेक्टेयर ज़मीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर ज़िन्दगी नहीं गुज़ारनी पड़ती।% यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ़ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले। वक्फ़ संशोधन बिल दोनों सदनों में पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी भी पा गया लेकिन प्रधानमंत्री ने सदन की बहस में बोलना ज़रूरी नहीं समझा। यह अजीब ही रहा कि इस मुद्दे पर न तो सदन के नेता और न ही नेता प्रतिपक्ष ने संसद में अपनी बात कही।

अब जब यह बयान आया है तब ज़ाहिर है कि सभी विपक्षी दल इसकी तीखी आलोचना कर रहे हैं। उसका ज़िक्र यहां न भी किया जाए क्या तब भी एक महत्पूर्ण बिल संशोधन पर बात करते हुए देश के प्रधानमंत्री को अल्पसंख्यक समुदाय को यूं पंक्चर जोड़ने वाला कह देना क्या पद की गरिमा के अनुकूल कहा जाएगा? तब क्या कचरा,गटर साफ़ करने वाले,कंद-मूल खाने वाले जंगलवासी जैसे सम्बोधन भी समुदायों को इस बड़े पद से दिए जाएंगे? अव्वल तो किसी भी समाज के बारे में केवल एक काम के दायरे में लेकर बात करना कतई मुनासिब नहीं है। दूसरे, पंक्चर बनाने में बुराई ही क्या है? जैसे कि प्रधानमंत्री चाय बेचने का ज़िक्र भी गर्व से करते हैं क्योंकि वह भी एक काम है। सच है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। बेशक काम न करना ज़रूर शर्म का पर्याय होना चाहिए। यूं पंक्चरवाले का ज़िक्र कतिपय नेता और सोशल मीडिया पर कुछ लोग एक समुदाय को ट्रोल करने के लिए करते हैं।यह शब्दावली गुजरात में 2002 के दंगों के बाद भी तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्तेमाल की थी। उन्होंने कहा था- प्रदेश की आबादी बढ़ रही है, ग़रीब तक धन नहीं पहुंच रहा है इसलिये वे पंक्चर बनाने के काम में लगे हैं। 2019 में कर्नाटक के भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का विरोध करने वालों को अशिक्षित और पंक्चर जोड़ने वाला बताया था। ऐसा ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 2024 में कह चुके हैं कि वोट बैंक की राजनीति में कांग्रेस ने मुसलमानों को पंक्चर वाला बना दिया। पंक्चर बनाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से अपनी बात इसी तरह रखती रही है। सवाल कांग्रेस से भी होने चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति चाय बेचते हुए देश के सबसे बड़े पद पर पहुंच सकता है तो पंक्चर बनाने वाला क्यों नहीं पहुंचा?आखिर कौन इस तुष्टिकरण का लाभार्थी बना है? इसे मान भी लिया जाए तो अब तक ग्यारह सालों में क्यों भाजपा सरकार हालात को नहीं बदल पाई? क्या वाक़ई अब इस संशोधित बिल के बाद सरकार रॉबिनहुड की भूमिका में आ जाएगी जो वक्फ़ की हुई संपत्ति को दोबारा अपने हिसाब से पंक्चर बनाने वालों को वक्फ़ करेगी। इस संशोधित बिल पर दोनों सदनों में बहस के बाद अब देश के सर्वोच्च न्यायालय में बेहद गंभीर लेकिन रोचक बहस जारी है।कोर्ट ने कहा है कि संसद में पास कानून पर स्टे नहीं देते पर ये केस अपवाद है। सवाल पूछ लिए गए हैं कि %बोर्ड के सदस्य को पांच साल से इस्लाम धर्म का अनुयायी होना चाहिए% की क्या परिभाषा होगी; वक्फ़ बोर्ड में हिन्दू सदस्य होंगे तो क्या हिन्दू धार्मिक बोर्ड में भी मुस्लिम सदस्य होंगे; कलेक्टर को सर्वोच्च अथॉरिटी कैसे बनाया जा सकता है? बहरहाल बहस में इसके जवाब मिलेंगे। फ़िलहाल तो यही सपना दिखाया जा रहा है कि इस तीसरे कार्यकाल में गाड़ियों के पंक्चर बनाने वाले खुद गाड़ियां बनाने-बेचने लगेंगे।

इधर संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती शायद पूर्व कानून मंत्री और वर्तमान में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू को परेशान कर रही है। वे दोनों सदनों में बड़ी तैयारी से बहस में आए थे। तब उन्होंने यह भी बताया था कि किस तरह पुराने संसद भवन को भी वक्फ़ संपत्ति बताया जाता है और सेना के बाद वक्फ़ के पास तीसरी सबसे ज्यादा सम्पत्तियां हैं। हालांकि उनके इस दावे को भी लगातार चुनौती मिल रही है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को भी बोर्ड में रखने की बात कही थी। नया मोड़ यह है कि मंत्रीजी ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट विधायिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करेगा। कानूनविद इसे धमकी के दायरे में रख रहे हैं। वे कहते हैं कि किसी भी लोकतांत्रिक गणराज्य की यही शक्ति होती है कि जब भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों को चुनौती मिले वह न्याय का रुख कर सकें। न्यापालिका और विधायिका में टसल और बहस की गुंजाइश हमेशा रहती है लेकिन यदि इसे ख़त्म करने की कोशिश हुई तो आप सीधे आपातकाल को न्योता देंगे।

वैसे अतीत में भी किरन रिजिजू की जुबां से ऐसे-ऐसे तीर निकले हैं जिसके बाद उन्हें क़ानून मंत्री के पद से हटना पड़ा था। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में रिजिजू ने जजों की नियुक्ति के कॉलेजियम सिस्टम को संविधान के लिए एलियन यानी अजनबी बताया था, रिटायर्ड जजों को देश विरोधी गैंग करार दिया था और उन्हें धमकी दे डाली थी कि जो लोग देश विरोधी काम कर रहे हैं उन्हें कीमत चुकानी होगी। रिजिजू ने कहा कि- जज यह ना कहें कि सरकार नियुक्ति से जुड़े फैसलों की फाइल पर बैठी रहती है, फिर फाइल सरकार को न भेजें। खुद को नियुक्त करें। खुद सारा शो चलाएं।

मंत्री ने यह भी कहा था कि जजों ने संविधान को हाईजैक कर लिया है। रिजिजू के एक बयान से ऐसा भी ज़ाहिर हुआ था कि वे लोकतंत्र के मुख्य स्तम्भों के समन्वय को ही नहीं समझना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा था- %जज एक बार बनते हैं। उन्हें चुनाव नहीं लड़ना पड़ता। जनता उन्हें बदल नहीं सकती। जिस तरह जज काम करते हैं, इन्साफ करते हैं, जनता उनके फैसलों को देख रही है। अभियान तो उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने भी चलाया था कि जजों की नियुक्ति का अधिकार और शक्ति चुनी हुई सरकार के पास होनी चाहिए।धनकड़ का सीधा तर्क था कि लोकतंत्र में जज भी सरकार तय करे, कॉलेजियम नहीं। जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि- अगर यह सिस्टम सही नहीं है तो सरकार नया कानून लाए। इस पृष्ठभूमि में रिजिजू की इस बात को कैसे लिया जाए जो उन्होंने सुनवाई से ठीक पहले एक चैनल को साक्षात्कार में कही- हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर कल को सरकार न्याय-व्यवस्था में दखल दे तो यह ठीक नहीं होगा। सभी शक्तियों के अधिकार सुपरिभाषित हैं।

संपादकीय

वक्फ़ कानून की विसंगतियां सामने आई

संसद द्वारा पिछले दिनों पारित किये गये वक्फ़ संशोधन अधिनियम के खिलाफ़ मिली लगभग 75 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने दो दिनों तक सुनवाई की। गुरुवार की सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार से एक हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। वहीं अगली सुनवाई 5 मई को होगी। इस कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं तथा सरकार का प्रतिनिधित्व महाधिवक्ता तुषार मेहता ने अदालत में किया। दोनों पक्षों के बीच हुई बहस और न्यायाधीशों द्वारा पूछे गये सवालों एवं उनके हस्तक्षेप के माध्यम से जो मुद्दे उभरे हैं वे साफ बताते हैं कि यह कानून धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है, साथ ही संविधान के मूलभूत सिद्धांतों, खासकर समानता व नागरिक अधिकारों पर प्रहार है। इस बेहद विवादास्पद कानून की वैधता पर फैसला जो भी आये, जिरह से साफ है कि संशोधित वक्फ़ कानून लोकतंत्र व संवैधानिक व्यवस्था में आस्था रखने वालों को संतुष्ट करने वाला कतई नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जब बुधवार को सुनवाई प्रारम्भ की थी, तभी एडवोकेट सिब्बल ने इस कानून की अनेक विसंगतियों को सामने ला दिया। उन्होंने इसे 20 करोड़ लोगों की स्वतंत्रता एवं अधिकारों को हड़पने वाला कानून बताया और कहा कि यह धार्मिक आजादी तथा धार्मिक मामलों में प्रबंधन की स्वतंत्रता के विरूद्ध है। उन्होंने कानून की धारा 36 के हवाले से कहा कि सम्पत्ति न हो तो भी वक्फ़ बनाया जा सकता है और वह रजिस्टर्ड हो या न हो, यह वक्फ़ करने वाले पर निर्भर है। कानून में वक्फ़ को पंजीकृत करने की अनिवार्यता पर उन्होंने कहा कि वक्फ़ सैकड़ों साल पहले तब बनाये गये थे जब सम्पत्तियों का पंजीकरण नहीं होता था। स्वयं चीफ जस्टिस ने महाधिवक्ता के ध्यान में लाया कि बहुत सी मस्जिदें 13वीं से 15वीं शताब्दी के दौरान बनी हैं। अंग्रेजी शासनकाल के पहले पंजीकरण नहीं होता था तो उसका सेल डीड कैसे दिखाया जा सकता है। एक अन्य वकील हुफेजा अहमदी ने बतलाया कि सरकार ने धारा 3 के जरिये वक्फ़ की परिभाषा ही बदल दी है। सरकार द्वारा वक्फ़ के लिये इस्लाम में आस्था साबित करना भी अनिवार्य कहा गया है। उन्होंने सवाल किया- जब कोई जन्म से ही मुस्लिम है तो उसे आस्था को साबित करने की ज़रूरत ही क्या है।

स्वयं सीजेआई ने बुधवार को सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या सरकार हिन्दू ट्रस्टों मे गैर मुसलमानों को रखेगी, जिसके जवाब में तुषार मेहता का जवाब हास्यास्पद व टालमटोल करने वाला था। उनके अनुसार किसी ट्रस्ट में गैर हिन्दू सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी। इस मुद्दे पर तुषार मेहता की यह टिप्पणी अप्रिय रही जिसमें उन्होंने यह कहा कि इस हिसाब से तो इस मामले पर कोई गैर मुसलिम जस्टिस भी सुनवाई नहीं कर सकते। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि कोर्ट के जज जब कोई धार्मिक विवाद को सुनते हैं तो निजी आस्थाओं से ऊपर उठकर तथा कानून के अनुसार ही फैसले देते हैं। सॉलिसिटर जनरल की जस्टिसों पर हुई निजी टिप्पणी बतलाती है कि वे इस मामले के कमजो जमीन पर खड़े होने से वाकिफ़ हैं।

ऐसे ही, शीर्ष कोर्ट की बेंच ने कहा कि कोई सम्पि वक्फ़ की है या नही, यह सिविल कोर्ट को ही तय कर दिया जाये तो बेहतर। नये कानून में यह अधिक कलेक्टर के पास चला गया है। जब एड. मेहता ने क कि उपयोगकर्ता द्वारा 1925 के पहले भी वक्फ़ स्वीक किया जाता था, तो बेंच ने पूछा कि नये कानून में उ अपंजीकृत किया जायेगा या शून्य माना जायेगा। इसक भी संतोषजनक जवाब मेहता के पास न होना बताता कि सरकार यह बिल पर्याप्त तैयारियों के बिना ही लाय है और जैसे कि सरकार संसद में दावा करती रही है वि इसका उद्देश्य वक्फ़ का फायदा मुस्लिमों को दिलाना है कहीं परिलक्षित नहीं होता। रेलवे व सेना के बाद वक्फ के पास सबसे ज्यादा जमीनें होने पर भी जिस तरह स सरकार व भारतीय जनता पार्टी जोर देती रही है, वह य दर्शाता है कि उनकी निगाहें वक्फ़ की जमीनों व हथियाना है।

तमिलनाडु के राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का फैसला केरल के लिए एक बड़ी राहत

इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को %मंजूरी% मिल गयी है।

तमिलनाडु के सन्दर्भ में राज्य विधान सभाओं द्वारा पारित विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने केरल को एक बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेश से उत्साहित केरल यह तर्क देने के लिए तैयार है कि तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को केरल के मामले में भी लागू किया जाना चाहिए और विधेयकों को राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की तिथि पर ही स्वीकृत माना जाना चाहिए।उल्लेखनीय है कि केरल ने पहले भी पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के इसी तरह के कृत्यों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। इसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा कई विधेयकों पर मंजूरी न देने के कृत्य के खिलाफ भी सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।केरल का तर्क इस प्रकार होगा ः राज्यपाल द्वारा विधेयकों पर बैठे रहना और बाद में उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना %कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण% था। राज्य द्वारा इस तथ्य को उजागर किया जायेगा कि राष्ट्रपति ने विधेयकों पर सहमति न देने का कोई कारण नहीं बताया था।तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रपति को लंबित विधेयकों पर मंजूरी देने से इंकार करते समय स्पष्ट और पर्याप्त रूप से विस्तृत कारण बताने चाहिए।

केरल के मामले में राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहे विधेयकों में शामिल हैंः विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2021; विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 2) विधेयक, 2021; केरल सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2022; और विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 3) विधेयक, 2022, जिसे राज्यपाल ने राष्ट्रपति को भेजा था। इसके अलावा केरल राज्य निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) विधेयक, 2025; केरल राज्य बुजुर्ग आयोग विधेयक, 2025 और केरल औद्योगिक अवसंरचना विकास (संशोधन) विधेयक, 2024 भी मंजूरी के लिए लंबित हैं।केरल के तर्कों में एक निर्णायक बात यह होगीः तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा तैयार किये गये

दिशा-निर्देशों को अपनी शिकायतों पर लागू करने से पता चलेगा कि आरिफ मोहम्मद खान के कृत्य भी कानून की दृष्टि से गलत थे और इसलिए उन्हें रद्द किया जाना चाहिए। संयोग से, खान ने विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजा था, जब उन्होंने उन्हें अध्यादेश के रूप में प्रख्यापित किया था!महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत, जिसने राज्यपालों के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की है, ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी भूमिका तीन विकल्पों तक सीमित थीः स्वीकृति देना, स्वीकृति रोकना या विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करना।

यदि केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजने या मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक के उनके पास पहुंचने के एक महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। यदि वे मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक को तीन महीने के भीतर राज्य विधानमंडल को वापस करना होगा। राज्यपाल विधेयक को प्राप्त करने के तीन महीने के भीतर राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए भी सुरक्षित रखेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों से यह भी कहा है कि वे विधानमंडल द्वारा पुनः पारित और पुनः प्रस्तुत किये गये विधेयकों को एक महीने के भीतर मंजूरी प्रदान करें। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में, केरल जल्द ही राज्यपाल की मंजूरी के लिए विधेयकों को प्रस्तुत करेगा।

इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को %मंजूरी% मिल गयी है।एक अन्य घटनाक्रम में, केंद्रीय गृह मंत्रालय सर्वोच्च न्यायालय के 8 अप्रैल के फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर कर सकता है, जिसमें राज्यपालों द्वारा विधायी विधेयकों को बहुत लंबे समय तक मंजूरी न दिये जाने की स्थिति में न्यायिक हस्तक्षेप की अनुमति दी गयी है।केरल के राज्यपाल आर्लेकर ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की आलोचना करके पूरे मामले में एक नया आयाम जोड़ दिया है, जिसे उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के %अधिकार से परे% बताया है। मीडिया को दिये साक्षात्कार में आर्लेकर ने कहा कि तमिलनाडु के मामले को संविधान पीठ को भेजा जाना चाहिए था।

केरल के राज्यपाल का मानना था कि राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय-सीमा तय करना संविधान संशोधन के समान है, जो संसद का विशेषाधिकार है। राज्यपाल को एक निश्चित समय के भीतर कार्य करने के लिए कहने का संविधान में कोई प्रावधान नहीं है।

आर्लेकर की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए केरल के कानून मंत्री पी. राजीव ने कहा कि राज्यपाल को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की आलोचना करने का पूरा अधिकार है। हालांकि, उन्होंने तर्क दिया कि सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय देश का कानून है, तथा सर्वोच्च न्यायालय को संसद द्वारा किये गये संवैधानिक संशोधनों की वैधता की समीक्षा करने का भी अधिकार है।

नारायण और राम
में कोई अंतर नहीं

नारायण और राम दोनों वास्तव में एक ही हैं, मात्र नामों का अंतर है। नारायण संस्कृत का शब्द है। राम का अर्थ क्या है? एक अर्थ है रमंते योगिनः यस्मिन रामः। अर्थात् राम ही मात्र एक ऐसे विषय है जो योगियों के आध्यात्मिक मानसिक आभोग हैं, मानसाध्यात्मिक भोजन है, मानसाध्यात्मिक आनंद और प्रसन्नता के स्रोत हैं।

एक कहानी है कि किसी ने हनुमान से कहा, हनुमान, तुम एक भक्त हो और जानते हो कि मूलतः नारायण और राम में कोई अंतर नही है। तब तुम सर्वदा राम का ही नाम लेते हो, कभी नारायण का नाम नहीं लेते हो जबकि दोनों मूलतः एक ही हैं।

राम का दूसरा अर्थ है, राति महीधरः रामः। रति का प्रथम अक्षर र है और महीधर का प्रथम अथर म, राम। रति महीधरः, संपूर्ण विश्व की सर्वश्रेष्ठ ज्योतित सत्ता है, जिनसे सभी ज्योतित (प्रकाशित) सत्ताएं ज्योति प्राप्त करती हैं। चन्द्रमा पृथ्वी से ज्योति प्राप्त करती है, पृथ्वी सूर्य से ज्योति प्राप्त करती है और सूर्य परम पुरुष से ज्योति प्राप्त करते हैं। वे ही वह सर्वोच्च सत्ता है जो दूसरों को प्रकाशित करते हैं। वह सर्वोच्च प्रकाशमान सत्ता कौन हैं? परम पुरुष ही सर्वोच्च ज्योतित सत्ता हैं। राति महीधरः का तात्पर्य है, मात्र परम पुरुष, कोई अलग सत्ता नहीं, कोई अन्य सत्ता नहीं। राम का तीसरा अर्थ है, रावणस्य मरणं रामः। रावण शब्द का प्रथम अक्षर है रा और मरणं का प्रथम अक्षर है म। राम-राम अर्थात वह सत्ता जिसके चाप से रावण मर जाता है। अस्तु, रावणस्य मरणं, रावण की मृत्यु कहां होती है, कब होती है? जब कोई राम की शरण में जाता है तो रावण मर जाता है। अतः रावणस्य मरणं राम, जो परम पुरुष, राम, चिति सत्ता की शरण में चला जाता है, वह रावण रूपी राक्षस का नाश कर सकता है। रावणस्य मरणं का तात्पर्य सर्वोच्च चितिसत्ता। अतः राम और नारायण में कोई अंतर नहीं है। तुम्हें अधिकाधिक सचाई के साथ अपनी सम्पूर्ण मानसिक वृत्तियों को समाहृत करते हुए बिंदुभूत रूप में अपने लक्ष्य परम पुरुष की ओर चलना चाहिए। अपितु, सभी मानसिक वृत्तियों को सूई की नोक (सूच्यग्र) के समान एकाग्र करते हुए अपने मैं भाव को मात्र उस एक तत्व की ओर, बिना किसी अन्य रूप, नाम, वर्ण अथवा विषय पर ध्यान दिए तुम्हें परिचालित करना चाहिए। इसीलिए हनुमान कहते हैं, श्रीनाथे जानकी नाथे। श्री शब्द का योगारूढ़ार्थ है, वह सत्ता जो रजोगुणी शक्ति की अधिष्ठान है, जो शक्ति से पूर्ण है।

श्रीनाथ, श्री के मालिक नारायण हैं और जानकी अर्थात् सीता के मालिक (पति) हैं राम। सीता में सी का अर्थ है खेतों को जोतना (कल्चर), और उसका विशेषण वाची शब्द है सीता अर्थात् पूर्ण संस्कारित। यह संस्कार आता कहां से है? कौन इस संस्कार (संस्कृति) का मालिक है? इस संस्कार (संस्कृति) का कौन प्रेरणास्रोत अथवा सहायक है? परम पुरुष, श्रीनाथ अथवा जानकीनाथ का तात्पर्य है, उन्हीं परम पुरुष से। इसीलिए श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। हनुमान कहते हैं, मैं इसे जानता हूं कि आध्यात्मिकता, अध्यात्मवाद और आध्यात्मिक साधना विज्ञान की भी दृष्टि से श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नही है। तथापि मम सर्वस्वः रामः कमललोचनः।

अस्तु, मन की सम्पूर्ण वृत्तियों को एक ही तत्व की ओर परिचालित करो, एक नाम का उपयोग करो, मात्र अपने इष्ट मंत्र का उपयोग करो और किसी अन्य मंत्र का उपयोग मत करो। हनुमान इसीलिए कहते हैं, मैं मात्र राम का नाम जपता हूं। कभी भी नारायण का नाम नहीं जपता। मैं नही जानता कि और नारायण हैं कौन? प्रत्येक साधक को जानना चाहिए कि संपूर्ण विश्व में मात्र एक ही मंत्र है और वह है उसका इष्ट मंत्र। वह कोई और मंत्र जानता ही नहीं है।

जब दैत्यों ने किया समुद्र मंथन के लिए मजबूर

एक दिन ऐरावत पर भ्रमण करते हुए देवराज इन्द्र से मार्ग में महर्षि दुर्वासा मिले। उन्होंने इन्द्र पर प्रसन्न होकर उन्हें अपने गले की पुष्प माला प्रसाद रूप में प्रदान की। इन्द्र ने उस माला को ऐरावत के मस्तक पर डाल दिया और ऐरावत ने उसे अपनी सूंड से नीचे डालकर पैरों से रौंद दिया। अपने प्रसाद का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा ने इन्द्र को श्रीभ्रष्ट होने का शाप दे दिया। महर्षि के शाप से श्रीहीन इन्द्र दैत्यराज बलि से युद्ध में परास्त हो गये। दैत्यराज बलि का तीनों लोकों पर अधिकार हो गया। हारकर देवता ब्रह्मा जी को साथ लेकर भगवान विष्णु की शरण में गये और इस घोर विपत्ति से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने कहा कि आप लोग दैत्यों से संधि कर लें और उनके सहयोग से मंदराचल को मथानी तथा वासुकी नाग को रस्सी बनाकर क्षीरसागर का मंथन करें। समुद्र से अमृत निकलेगा, जिसे पिलाकर मैं देवताओं को अमर बना दूंगा, तभी देवता दैत्यों को पराजित करके पुनः स्वर्ग को प्राप्त कर सकेंगे।

इन्द्र दैत्यराज बलि के पास गये और अमृत लोभ से देवताओं और दैत्यों में संधि हो गयी। देवताओं और दैत्यों ने मिलकर मंदराचल को उठाकर समुद्र तट की ओर ले जाने का प्रयास किया, किंतु असमर्थ रहे। अंत में स्मरण करने पर भक्त भयहारी भगवान पधारे। उन्होंने खेल खेल में ही भारी मंदराचल को उठाकर गरुण पर रख लिया और क्षणमात्र में क्षीरसागर के तट पर पहुंचा दिया। मंदराचल की मथानी और वासुकी नाग की रस्सी बनाकर समुद्र मंथन प्रारम्भ हुआ। भगवान ने मथानी को धंसते हुए देखकर स्वयं कच्छप रूप में मंदराचल को आधार प्रदान किया। मंथन से सबसे पहले विष प्रकट हुआ, जिसकी भयंकर ज्वाला से समस्त प्राणियों के प्राण संकट में पड़ गये। लोक कल्याण के लिए भगवान शंकर ने विष का पान किया। इसके बाद समुद्र से लक्ष्मी, कौस्तुभ, पारिजात, सुरा, धन्वन्तरि, चंद्रमा, पुष्पक, ऐरावत, पांचजन्य, शंख, रम्भा, कामधेनु, उच्चैः श्रवा और और अमृत कुंभ निकले। अमृत कुंभ निकलते ही धन्वन्तरि के हाथ से अमृतपूर्ण कलश छीनकर दैत्य लेकर भागे, क्योंकि उनमें से प्रत्येक सबसे पहले अमृतपान करना चाहता था।कलश के लिए छीना झपटी चल रही थी और देवता निराश खड़े थे। अचानक वहां एक अद्वितीय सौन्दर्य से भरपूर नारी प्रकट हुई। असुरों ने उसके सौंदर्य से प्रभावित होकर उससे मध्यस्थ बनकर अमृत बांटने की प्रार्थना की। वास्तव में भगवान ने ही दैत्यों को मोहित करने के लिए मोहिनी रूप धारण किया था। मोहिनी रूप धारी भगवान ने कहा कि मैं जैसे भी विभाजन का कार्य करूं, चाहे वह उचित हो या अनुचित, तुम लोग बीच में बाधा उत्पन्न न करने का वचन दो तभी मैं इस काम को करूंगी। सभी ने इस शर्त को स्वीकार किया। देवता और दैत्य अलग अलग पंक्तियों में बैठ गये। जिस समय भगवान मोहिनी रूप में देवताओं को अमृत पिला रहे थे, राहु धैर्य न रख सका।

वह देवताओं का रूप धारण करके सूर्य-चंद्रमा के बीच बैठ गया। जैसे ही उसे अमृत का घूंट मिला, सूर्य-चंद्रमा ने संकेत कर दिया। भगवान मोहिनी रूप का त्याग करके शंख चक्रधारी विष्णु हो गये और उन्होंने चक्र से राहु का मस्तक काट डाला। असुरों ने भी अपना शस्त्र उठाया और देवासुर संग्राम प्रारम्भ हो गया। अमृत के प्रभाव से तथा भगवान की कृपा से देवताओं की विजय हुई और उन्हें अपना स्वर्ग वापस मिल गया।

युगों-युगों के लिए आदर्श भाई बन गए भरत

श्रीराम वनवास के बाद महाराज दशरथ ने उनके वियोग में अपना प्राण त्याग दिया। फिर गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश से उनके शरीर को सुरक्षित रख दिया गया और ननिहाल से भरत और शत्रुघ्न को बुलाने के लिए शीघ्रगामी दूत भेजे गये। भरतजी के ननिहाल से लौटने के बाद कैकेयी ने उन्हें प्रेमपूर्वक गले से लगाया और उनसे अपने पिता, भाई और माता की कुशल क्षेम पूछी। महाराज दशरथ को कैकेयी के महल में न देखकर भरत ने पूछा, मां तुम यहां अकेली बैठी हो, तुम्हारे बिना तो पिताजी एकांत में कभी नहीं रहते थे। भईया श्रीराम भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। कारण क्या है उन्हें नहीं देखकर मुझे दुख हो रहा है।

कैकेयी ने कहा कि पुत्र तुम्हारे लिये भय और दुख की कोई बात नहीं है। मैंने महाराज से पूर्व वर के अनुसार तुम्हारे लिये राज्य तथा श्रीराम के लिये चौदह वर्षों का वनवास मांग लिया। श्रीराम के वनवास से दुखी होकर तुम्हारे पिता मृत्यु को प्राप्त हुए। कैकेयी के इस कुकृत्य को सुनकर भरत शोक समुद्र में डूब गये। उन्होंने कैकेयी से कहा, %अरी पापिनी, तू बात करने योग्य नहीं है। तू अपने पति की हत्या करने वाली हत्यारिणी है और तेरे गर्भ से जन्म लेने के कारण उस महापाप का मैं भी भागीदार हूं। मैं तेरा मुंह भी नहीं देखना चाहता। अतः तू मेरे सामने से तत्काल हट जा। कैकेयी के कुकृत्य की निंदा करने के बाद भरत माता कौशल्या के पास गये और उन्हें विभिन्न प्रकार से सांत्वना दी। उसके बाद उन्होंने गुरुदेव वसिष्ठ की आज्ञानुसार महाराज दशरथ का विधिवत अंतिम संस्कार किया तथा पिता के उद्देश्य से ब्राम्हणों को अनेक प्रकार का दान

दिया। गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश और माता कौसल्या के अनुरोध के बाद भी भरत ने राज्य लेना अस्वीकार कर दिया तथा सबको साथ लेकर श्रीराम को मनाने के लिए पैदल ही चित्रकूट चल दिये। मार्ग में निषादराज गुह और श्रीभरद्वाज जी से मिलते हुए भरतजी चित्रकूट पहुंचे। वहां उन्होंने दूर्वादल के समान श्याम शरीर और विशाल हृदय वाले श्रीराम को बैठे हुए देखा। वे श्रीजानकीजी को निहार रहे थे और श्रीलक्ष्मणजी उनके चरण कमलों में सेवा कर रहे थे। भरत पाहि नाथ कहते हुए दण्ड की भांति जमीन पर गिर पड़े और उन्होंने श्रीराम के युगल चरणों को पकड़ लिया। श्रीराम ने प्रेम से अधीर होकर उन्हें गले से लगाया। भरतजी ने श्रीराम से कहा, हे महाभाग! यह समस्त पैतृक राज्य आप ही का है। आप हमारे बड़े भाई हैं, आप हमारे पितातुल्य हैं। आप इस राज को स्वीकार करें और मेरी माता के अपराध को भुलाकर हमारी रक्षा करें।

श्रीराम ने कहा, भाई पिताजी ने मुझे चौदह वर्ष का वनवास और तुम्हें अयोध्या का राज्य दिया है। पिता के आदेश का पालन करना हम दोनों का परम धर्म है। जो मनुष्य पिता के आदेश का उल्लंघन करता है वह जीता हुआ भी मृतक के समान है। अतः तुम अयोध्या का पालन करो और मैं दण्डकारण्य में निवास करूंगा तथा वनवास से लौटने के बाद जैसा तुम चाहोगे वैसा करूंगा। इस तरह विभिन्न प्रकार से समझाकर श्रीराम ने अपनी चरण पादुकाएं श्री भरत जी को सौंप दीं। भरतजी अयोध्या लौट आये और उन पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित कर नंदीग्राम में तपस्वी जीवन व्यतीत करते हुए अयोध्या पर शासन करने लगे।

उंगलियां
बताएंगी आपकी आर्थिक स्थिति

धन-संपत्ति का होना या आपकी जिंदगी में इसका आना काफी हद तक आपके टैलंट के साथ-साथ आपके हाथों की रेखा पर भी निर्भर करता है। आइए जानें कि उंगलियों को देख आप कैसे पता लगाएंगे कि आपकी जिंदगी में कब धनागमन होगा या फिर इन चीजों से आपका जीवन सूना रहेगा।

1. यदि आपकी कनिष्ठा उंगली और अनामिका उंगली को आपस में सटाने के बाद बीच में गैप नज़र आ रहा हो तो समझ लीजिए कि बुढ़ापे में पैसों की तंगी से आप परेशान हो सकते हैं।
2. यही गैप यदि मध्यमा और अनामिका उंगली के बीच नज़र आ रही हो तो साफ है कि युवा अवस्था में आप पैसों के संकट से जूझ सकते हैं।
3. यदि मध्यमा और तर्जनी के बीच यह गैप हो तो बचपन में जातक को आर्थिक समस्या से सामना करना पड़ सकता है।
4. यदि यह गैप किसी भी उंगली के बीच न हो तो इसका अर्थ है कि व्यक्ति जन्म भर धन-संपत्ति से परिपूर्ण रहता है।
5. यदि उंगलियों के सभी पर्व लंबे हों तो व्यक्ति धनवान होता है।
6. यदि मध्यमा उंगली के तीसरे पर्व के करीब अनामिका आकर मिल गई हो तो ऐसे लोग कलाकार, बुद्धिमान, विद्वान और विचारशील होते हैं और इस क्षेत्र में धन

कमाते हैं।
7. यदि अनामिका उंगली सीधी और लंबी है तो समझ लें कि जातक धन कमाने के मामले में काफी कुशल होता है।
8. यदि अनामिका उंगली तर्जनी के समान लंबी हो और उसका पहला पर्व चपटा हो तो व्यक्ति को खूब धन व सम्मान मिलता है।
9. यदि व्यक्ति की उंगलियों में अनामिका का तीसरा पर्व ज्यादा लंबा हो और गांठें उन्नत हों तो बिना वह किसी परेशानी के धन कमाने में लीन रहता है।
10. यदि जीवन रेखा से कई छोटी रेखाएं नज़र आएं और यह ऊपर की ओर जाती दिखे तो समझ लीजिए कि उस खास उम्र में व्यक्ति धन-संपत्ति और सम्मान पाता है।
11. यदि मस्तिष्क रेखा से कोई रेखा गुरु पर्वत की ओर जाए और उसके अंत पर क्रॉस जैसे निशान हो या फिर कोई टेढ़ी-मेढ़ी रेखा हो तो ऐसे लोगों को चाहकर भी धन पाने में सफलता नहीं मिल पाती।
12. अंगूठे के दोनों पर्व यदि कठोर और बराबर हैं तो यह धन और बिजनेस को खूब बढ़ाता है।

अंगूठा बताता है आपका व्यक्तित्व

कहते हैं अंगूठा मस्तिष्क का अहम बिंदु होता है। पुराने जमाने में किसी का अंगूठा देखकर उसकी बीमारी और उपचार के बारे में बताया जाता था। आइए, जानें कि अंगूठे का शेप क्या-क्या कहता है आपके बारे में...

- अंगूठा यदि मोटा हो तो कहते हैं ऐसे लोग बड़े ही जिद्दी स्वभाव के और भद्दे आचरण वाले होते हैं।
- अंगूठा यदि छोटा हो तो ऐसे लोग फिकल माइंड के होते हैं। पल में ये पल में वो- यह सोचने में उन्हें ज्यादा देर नहीं लगती। अंगूठा छोटा और पतला हो तो व्यक्ति की मानसिक स्थिति कमजोर और उनमें लीडिंग पावर की कमी दिखती है।
- लंबे अंगूठे वालों का व्यक्तित्व शानदार होता है। वे काफी जल्दी खुद पर कंट्रोल करना जानते हैं।
- कहते हैं कि अंगूठे के आगे का हिस्सा यदि शेप में पतला हो तो व्यक्ति बेहद होशियार, बुद्धिमान और हर बात को अलग और बेहतर तरीके से सोचने वाला और संवेदनशील होता है।
- कुछ लोगों का अंगूठा ऊपर से बिल्कुल चौड़ा सा नजर आता है। जिनका अंगूठा ऐसा हो, वह व्यक्ति प्रैक्टिकल होता है। कही अनकही बातों पर ध्यान न देते हुए वह वही करता है जो प्रैक्टिकली सही हो। हालांकि ऐसे लोग बड़ी जल्दी उत्तेजित भी हो जाते हैं।
- हममें से ज्यादातर लोगों का अंगूठा नीचे से मोटा और ऊपर थोड़ा पतला और मुड़ा होता है। लेकिन, यदि किसी का अंगूठा शेप में बिल्कुल सीधा हो तो समझ लें कि मूड खराब होने पर उन्हें समझाना किसी के बस की बात नहीं। स्वभाव से बड़े ही जिद्दी किस्म के होते हैं। लोग उनसे दूर रहना ही पसंद करते हैं।
- कुछ लोगों का अंगूठा बेहद लचीला होता है और ऐसे लोगों का स्वभाव भी काफी सॉफ्ट होता है। दोस्ती तो इनकी सबसे हो जाती है, लेकिन ऐसे लोगों पर भरोसा कोई जल्दी नहीं करता।

बालों को सफेद करती है गर्मी की तेज धूप, यूं रखें बचाव

अगर आप सोचते हैं की तेज धूप सिर्फ त्वचा को ही नुकसान पहुंचाती है, तो आप गलत हैं। गर्मी की तेज धूप आपके बालों को भी डैमेज कर देती है। इतना ही नहीं, धूप के कारण बालों के झड़ने, टूटने और सफेद होने की समस्या हो सकती है। चलिए आपको बताते हैं कि किस तरह धूप बालों को नुकसान पहुंचाती है और इससे बचने के लिए आपको क्या करना चाहिए।

कैसे नुकसान पहुंचाती है धूप?

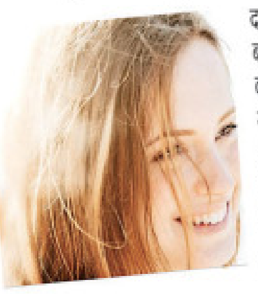

दरअसल, शरीर में मेलानिन नाम का तत्व बनता है, जो स्किन को ग्लोइंग और बालों को काला व मजबूत बनाता है। मगर धूप में ज्यादा देर रहने के कारण मेलानिन का काफी मात्रा नष्ट हो जाती है, जिससे आपको बाल झड़ने और सफेद होने की समस्या का सामना करना पड़ता है।

पसीना भी है कारण

गर्मी की तेज धूप के कारण शरीर के अन्य हिस्सों की तरह स्कैल्प से भी पसीना आता है। चूंकि आप बाहर से घर आने पर सिर नहीं धोते, तो वो पसीना बालों की जड़ों में सूखता रहता है। पसीने में सोडियम, जिंक, मैग्नीशियम और अमोनिया होता है, जो बालों को जड़ों से डैमेज कर देता है इसलिए जब आप धूप में ज्यादा घूमते हैं, तो बाल धीरे-धीरे कमजोर हो जाते हैं और झड़ने लगते हैं।

बालों को सफेद भी करती हैं धूप

शरीर में बनने वाले मेलानिन तत्व के कारण बाल काले रहते हैं, लेकिन धूप में ज्यादा देर रहने पर ये तत्व स्कैल्प से नष्ट होने लगता है। इससे बालों का रंग जड़ों के पास से बदलने लगता है और वो धीरे-धीरे सफेद होने लगते हैं।

ऐसे करें बालों की देखभाल

- धूप में निकलते समय छतरी या दुपट्टे से बालों को कवर कर लें। आप चाहे तो इसके लिए टोपी का यूज भी कर सकते हैं। इससे सूरज की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणें सीधे स्कैल्प तक नही पहुंचेगी।
- बाहर से घर आने पर आप हर बाल सिर नहीं धो सकते लेकिन पसीने को साफ जरूर कर सकते हैं। ऐसे में जब भी सिर पर पसीना आए स्कैल्प को अच्छी तरह पोछकर सूखा लें।
- दिनभर में कम से कम 8-9 गिलास पानी जरूर पीएं, ताकि त्वचा के साथ स्कैल्प पर भी नमी बनी रहे।
- गर्मियों में बालों को हफ्ते में कम से कम 2-3 बार शैंपू करें। इसके साथ ही बालों को कंडीशनर लगाना ना भूलें।
- अपनी डाइट में विटामिन ई से भरपूर चीजों को शामिल करें, ताकि आपके बाल जड़ से सेहतमंद रहें।
- रोजाना ऑयलिंग करने से बचें। हफ्ते में 2 बार तेल 2-4 घंटे के लिए छोड़ दें और फिर बालों को माइल्ड शैंपू से धोएं।

खुलकर हंसने के होते हैं ये 7 बेहतरीन फायदे

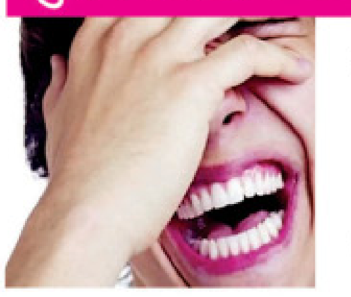

कम होता है हार्ट अटैक का खतरा

जब हम हंसते हैं तब हमारे दिमाग की तमाम मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं और रक्त संचार तेज हो जाता है। इससे हमारे शरीर में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचने लगती है।

लाफ्टर को बेस्ट मेडिसिन कहा जाता है। क्योंकि इससे कई तरह की मानसिक समस्याओं का निदान किया जा सकता है। जब हम हंसते हैं, तब हमारे दिमाग की तमाम मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं और रक्त संचार तेज हो जाता है। इससे हमारे शरीर में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचने लगती है। यह सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा भी खुलकर हंसने के ढेर सारे फायदे होते हैं। आइए, जानते हैं कि वे फायदे क्या हैं-

हार्ट अटैक रोके

हंसने से हृदय की एक्सरसाइज भी हो जाती है। रक्त का संचार बेहतर होता है। हंसने पर शरीर से एंडोर्फिन नामक रसायन निकलता है, जोकि हृदय को मजबूत बनाता है। कुछ शोध बताते हैं कि हंसने से हार्ट-अटैक की संभावना कम हो जाती है।

डिप्रेशन कम करे

तनाव और डिप्रेशन जैसे मानसिक विकार मस्तिष्क में होने वाले रासायनिक उतार-चढ़ाव के कारण होता है। जिसके कारण व्यक्ति बहुत ज्यादा उदास और दिमागी रूप से थका-थका महसूस करता है। इस तरह की समस्या से लड़ने के लिए हंसी एक सबसे बेहतरीन इलाज है। हंसने के कारण तनाव और डिप्रेशन से संबंधित हार्मोन्स का स्राव नियमित रूप से होता है। जिसके कारण व्यक्ति तनाव और डिप्रेशन से मुक्त रहता है।

सोशल डिसऑर्डर से लड़ने में मददगार

मानसिक विकारों का एक प्रकार जिसमें व्यक्ति घर के बाहर जाने, किसी से बात करने या घर के बाहर भीड़ वाले इलाको में जाने से बहुत ज्यादा घबराता है। इस तरह के विकार में व्यक्ति घर के अंदर अकेला रहना पसंद करता है। इस तरह के मानसिक विकार से लड़ने के हंसी को एक अच्छी औषधि मानी जाती है। इसमें व्यक्ति को लाफ्टर थेरपी दी जाती है, जिसके अंतर्गत उन्हें नाटक, टीवी कार्यक्रम, चुटकुलों या अन्य उन तरीके जिससे कोई व्यक्ति हंसता है, पीड़ित व्यक्ति को इससे हंसाया जाता है।

शांति के लिए

हम जब भी हंसते हैं, तो हमारा शरीर एक एंड्राफिन नामक रसायन छोड़ता है। जो शरीर के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसके स्राव के कारण हमारा शरीर काफी अच्छा और शांत महसूस करता है।

अच्छी नींद के लिए

रात को ठीक से नींद नहीं आती है तो हंसी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। हंसने से बहुत ज्यादा मात्रा में मेलाटोनिन नामक रसायन का स्राव मस्तिष्क में होता है जो अच्छी नींद के लिए जरूरी होता है।

हमेशा युवा दिखने के लिए

हर दिन हंसते रहना बेहद अच्छा माना जाता है ऐसा इसलिए क्योंकि हंसने के कारण हमारे चेहरे की 15 तरह की मांसपेशियां एक साथ काम करने लगती है और चेहरे पर रक्त का संचार तेजी से बढ़ता है। जिसके कारण चेहरे पर हेमशा ताजगी और निखार बनी रहती है।

प्रतिरक्षा तंत्र बने मजबूत

एक रिसर्च के मुताबिक ऑक्सीजन की उपस्थिती में कैंसर वाली कोशिकाएं और कई अन्य प्रकार के हानिकारक बैक्टीरिया एवं वायरस नष्ट हो जाते हैं। और हमें हंसने से ऑक्सीजन अधिक मात्रा में मिलती है और इससे शरीर का प्रतिरक्षातंत्र मजबूत होता है।

रेसिपी

काले चना का स्वादिष्ट कबाब

- **भीगे हुए चने**: ½ कप ■ **पनीर**: ½ कप ■ **आलू**: 1 उबला और छिला हुआ ■ **घी**: 2-3 टेबल स्पून ■ **तेल**: 1 टेबल स्पून ■ **हरा धनिया**: 1 टेबल स्पून (बारीक कटा हुआ) ■ **हरी मिर्च**: 2 (बारीक कटी हुई) ■ **अदरक**: ½ इंच टुकड़ा ■ **जीरा** : ½ चम्मच ■ **धनिया पाउडर**: 1 चम्मच ■ गरम मसाला : ½ चम्मच ■ **अमचूर पाउडर**: ½ चम्मच ■ **लाल मिर्च पाउडर**: ¼ चम्मच ■ **नमक**: स्वादानुसार

विधि

पैन में 1 टेबल स्पून तेल डालकर गरम करेंगे। गरम तेल में जीरा डाल कर भूनेंगे। इसके बाद इसमें धनिया पाउडर, बारीक कटा हुआ अदरक और बारीक कटी हुई हरी मिर्च डालकर मसालों को हल्का सा भून लेंगे। मसाला भुन जाने पर इसमें चने डालेंगे। साथ में गरम मसाला, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर सारी चीजों को अच्छे से मिलाएंगे। अब इसमें 1/4 कप पानी डालकर नरम होने तक पका लेंगे। आलू और पनीर को कद्दूकस कर लेंगे। चने जब ठंडे हो जाएं तो इन्हें मिक्सर में डालकर पीस लेंगे। पिसे हुए चनों में कद्दूकस किया हुआ पनीर और आलू डालेंगे। 1/2 छोटी चम्मच नमक और थोड़ा सा हरा धनिया डालकर सारी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लेंगे। कबाब बनाने के लिए मिक्सचर तैयार है। कबाब बनाने के लिए मिक्सचर लेकर हाथ से दबा-दबाकर गोल शेप दें। सारे कटलेट्स को ऐसे ही बना लेंगे। नॉन स्टिक पैन में 2-3 टेबल स्पून घी डाल कर एक-एक करके कबाब डालकर उसे धीमी आंच पर फ्राय करेंगे। कबाब को बहुत सावधानी से पलटे। दोनों ओर से गोल्डन ब्राउन हो जाने पर कबाब को प्लेट में निकाल लीजिए। कबाब को दही, हरे धनिएं की चटनी, साथ सर्व करें।

कच्चे टमाटर की सब्जी

■ 4 कटे हुए हरे टमाटर ■ 2 प्याज ■ 1 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट ■ ½ चम्मच जीरा ■ ½ चम्मच लाल मिर्च पाउडर ■ 1 हरी मिर्च ■ 1 चम्मच धनियां पाउडर ■ ½ चम्मच हल्दी पाउडर ■ ½ चम्मच गरम मसाला ■ 1 चम्मच हरा धनिया ■ 2 बड़े चम्मत देसी घी ■ स्वादानुसार नमक

विधि

सबसे पहले हरे टमाटर को धोकर उसे टुकड़ो में काट लें। प्याज को छील कर हरी मिर्च के साथ मिक्सर में पीस लेंगे। अब कड़ाही में घी गरम करके जीरा भुनें। इसके बाद प्याज और हरी मिर्च का पेस्ट डालेंगे। मीडियम आंच पर प्याज को सुनहरा होने तक पकाएं। अब अदरक लहसुन का पेस्ट कड़ाही में डालें और 1 -2 मिनिट के लिए पकाएं। इसके बाद कड़ाही में हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और 2 चम्मच पानी डाल लें और मसाले को 1 से 2 मिनट अच्छे से भुनें। अब कटे हुए हरे टमाटर और स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स कर और 3 से 4 मिनट पकाएं। तैयार है हरे टमाटर की सब्जी, ऊपर से गरम मसाला और हरा धनियां छिड़क कर लंच या डिनर जिसमें भी दिल हो परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ढ्ढचता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मढ्ढचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

लॉफिंग ज़ोन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

काकुरो पहेली - 4030

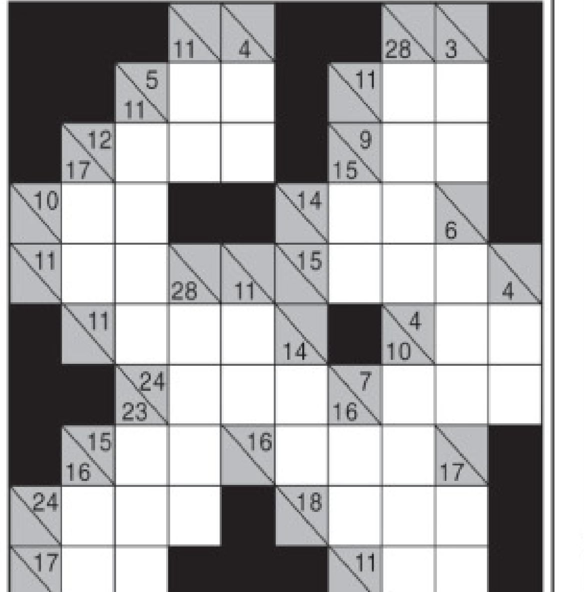

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

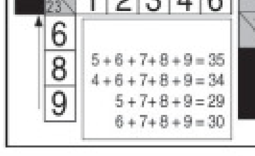

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 4029 का हल

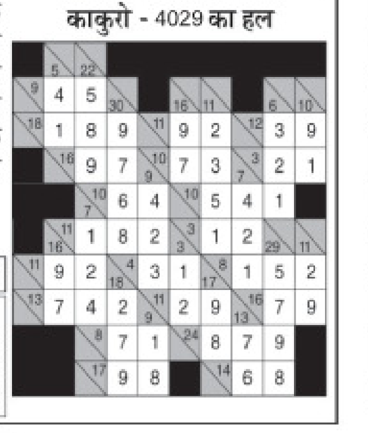

फिल्म वर्ग पहेली-4030

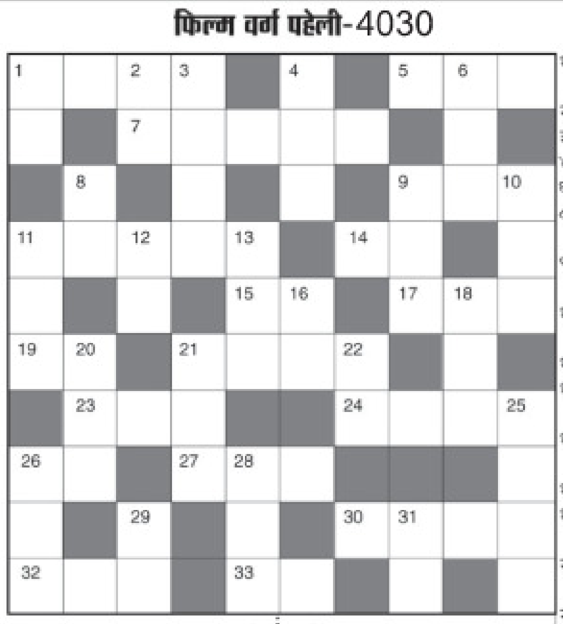

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिका कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरुख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२. फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. रजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4029

सूडोकु 4030

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4029 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 4030

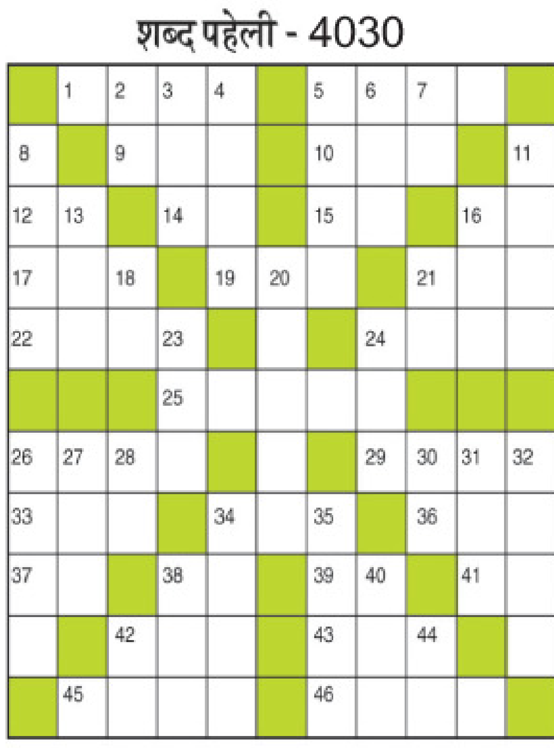

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली 4029 का हल

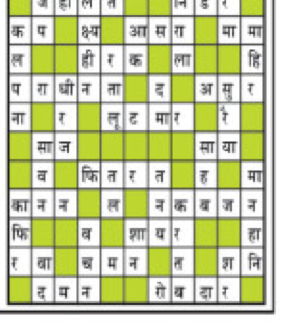

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के आत्मसमर्पण बोले शाह, छिपे हुए नक्सली हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटें

एजेंसी

रायपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छिपे हुए नक्सलियों से हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटने की अपील की है। शाह ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये, छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 22 नक्सलियों की गिरफ्तारी और सुकमा की बडेसेट्टी पंचायत में 11 नक्सलियों की आत्मसमर्पण का जिक्र किया है। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में विभिन्न ऑपरेशन्स में कोबरा कमांडो और छत्तीसगढ़ पुलिस ने 22 कुख्यात नक्सलियों को आधुनिक हथियारों और विस्फोटक सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया है। साथ ही, सुकमा की बडेसेट्टी पंचायत में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिससे यह पंचायत पूरी तरह नक्सलमुक्त हो गई है। उन्होंने कहा कि छिपे हुए नक्सलियों से मेरी अपील है कि मोदी सरकार की आत्मसमर्पण नीति को अपनाकर यथाशीघ्र हथियार डालें और मुख्यधारा में शामिल हों। 31 मार्च 2026 से पहले हम देश को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने के लिए संकल्पित हैं।

सोलापुर के प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन डॉ. शिरीष वलसांगकर ने की खुदकुशी

सोलापुर । महाराष्ट्र के सोलापुर शहर से एक दुखद खबर सामने आई है। शहर के प्रख्यात न्यूरोसर्जन डॉ. शिरीष वलसांगकर ने खुद को गोली मार ली। वलसांगकर को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉ. वलसांगकर ने सिर में गोली मारकर खुदकुशी की। इसके बाद बेहोशी की हालत में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उनकी जान बचाने की हरसंभव कोशिश की लेकिन, इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। वलसांगकर सोलापुर ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और वैश्विक चिकित्सा जगत में एक जाना-माना नाम थे। दुनियाभर के विभिन्न अस्पतालों में उन्होंने चिकित्सकीय सेवाएं दी। इस आत्महत्या के पीछे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। उनके निधन पर चिकित्सा जगत में शोक की लहर है। तुलजापुर विधायक राणाजगजितसिंह ने उनके निधन पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पारिवारिक मित्र एवं जाने-माने न्यूरोसर्जन डॉ. शिरीष वलसांगकर के निधन की खबर बेहद चौंकाने वाली है। वह एक न्यूरोसर्जन के रूप में प्रसिद्ध थे जो जटिल मस्तिष्क सर्जरी में विशेषज्ञ थे। वह हजारों मरीजों के लिए आशा की किरण बन गये।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में शांतिः नक्सल मुक्त हुआ बड़ेशेट्टी गांव, किरण सिंहदेव ने जताई खुशी

रायपुर । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित बड़ेशेट्टी गांव को नक्सल मुक्त घोषित किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने खुशी जाहिर की। उन्होंने इसे बस्तर और पूरे प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। समाचार एजेंसी से बात करते हुए शनिवार को किरण सिंहदेव ने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रयासों का परिणाम है। बस्तर को उसके पुराने, शांतिपूर्ण परिवेश में वापस लाना हमारे मुख्यमंत्री, गृहमंत्री और देश के केंद्रीय गृहमंत्री का लक्ष्य था। आज उस दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों द्वारा लगातार आत्मसमर्पण किया जा रहा है और अब लोग स्वेच्छा से मुख्यधारा में लौटने को तैयार हैं। यह बदलाव सरकार की नीति, दृढ़ इच्छाशक्ति और बार-बार की गई अपीलों का असर है। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री की बार-बार की अपील है कि नक्सली लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होकर मुख्यधारा से जुड़ें और संविधान के दायरे में रहकर समाज के निर्माण में योगदान दें। बता दें कि ही सुकमा के घने जंगलों में चलाए गए एक ऑपरेशन के दौरान 22 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वालों में 9 महिलाएं और 13 पुरुष शामिल हैं।

बिहार के जमुई में सड़क हादसाः पेड़ से टकराई कार, तीन युवकों ने मौके पर ही तोड़ा दम एक की हालत गंभीर

जमुई । बिहार के जमुई जिले में लछुआर थाना क्षेत्र में महना पुलिया के पास एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी एक शादी समारोह से लौट रहे थे।प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सभी युवक जमुई शहर से अलीगंज प्रखंड के बेटवा गांव में एक बारात में शामिल होने गए थे। लौटते समय कार की रफ्तार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा थी। बताया जा रहा है कि ड्राइवर को झपकी आ गई, जिससे कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का शीशा टूट गया और सभी लोग बाहर गिर गए। मृतकों की पहचान 28 साल के बउआ गुप्ता, सिरचंद इलाके के रिशु सिन्हा और शहर के कल्याणपुर इलाके के विक्रम यादव (30 साल) के तौर पर हुई है। जबकि चौथा युवक रोहित कुमार गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज जमुई रेफरल अस्पताल में चल रहा है। तेज आवाज सुन आस-पास के लोग वहां इकट्ठे हुए।

राणा प्रताप और शिवाजी महाराज असली राष्ट्रीय नायक हैं, औरंगजेब नहीं : राजनाथ सिंह

एजेंसी

मुंबई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने छत्रपति संभाजीनगर में कहा कि महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्रीय नायक हैं, न कि मुगल शासक औरंगजेब। राजनाथ सिंह ने कहा कि आजादी के बाद वामपंथी इतिहासकारों ने राणा प्रताप और शिवाजी महाराज दोनों को उचित श्रेय नहीं दिया बल्कि औरंगजेब की प्रशंसा की। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में मेवाड़ शासक महाराणा प्रताप की आदमकद प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप साहस और देशभक्ति के प्रतीक थे। राजनाथ ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज ने विशेष रूप से गुरिल्ला युद्ध रणनीति के लिए

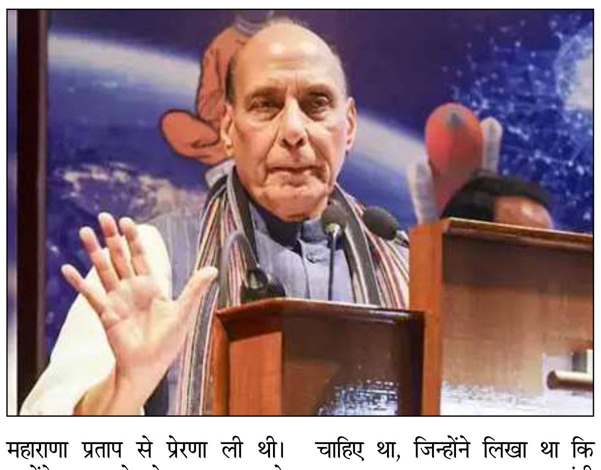

महाराणा प्रताप से प्रेरणा ली थी। उन्होंने कहा, जो लोग महसूस करते हैं कि औरंगजेब एक नायक था, उन्हें पंडित जवाहरलाल नेहरू को पढ़ना चाहिए था, जिन्होंने लिखा था कि मुगल सम्राट एक क्रूर, कट्टरपंथी शासक था। सिंह ने आगे कहा कि महाराणा प्रताप ने अपने स्वाभिमान को बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और मुगल सम्राट अकबर के प्रभुत्व को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अपनी अनुकरणीय बहादुरी के अलावा, महाराणा प्रताप ने समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया।

उन्होंने कहा, आदिवासी और मुसलमान उनकी सेना का हिस्सा थे। हकीम खान सूरी ने मुगलों के खिलाफ लड़ते हुए हल्दीघाटी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दी। एक मुस्लिम युवक शिवाजी महाराज का अंगरक्षक था। रक्षामंत्री ने कहा कि औरंगजेब की प्रशंसा करने वाले लोग मुसलमानों का अपमान करते हैं।

चमोली में कार खाई में गिरी, पांच की मौत

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले में गोपेश्वर स्थित बिरही-निजमुला मोटर मार्ग पर गाड़ी गांव के समीप एक कार गहरी खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई है। चमोली जिले में आज हुए एक सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को मृतक परिजनों को अनुमन्य सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है। जानकारी के अनुसार कार एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद लौटकर दशोली ब्लॉक के हरमनी गांव जा रही थी। इसी दरमियान कार अनियंत्रित होकर लगभग तीन सौ मीटर गहरी खाई में जा गिरी। कार में पांच लोग सवार थे।

सभी गोलिम गांव के रहने वाले थे। सभी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मौके पर मौजूद है और राहत कार्य जारी है। क्षेत्र में हो रही भारी बारिश से राहत, बचाव कार्य में दिक्कतें आ रही हैं।

गांधीसागर अभयारण्य भी होगा चीतों से गुलजार, 20 अप्रैल को छोड़े जाएंगे दो चीतेः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इको सिस्टम के प्रॉपर डेवलपमेंट के लिए मध्य प्रदेश में वृहद स्तर पर काम हो रहा है। वन्य पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था को गति देता है और अब यही हमारी समृद्धि का प्रवेश द्वार बन रहा है। हमारी सरकार कूनो राष्ट्रीय उद्यान को एक आदर्श वन्य प्राणी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी। प्रदेश में सिर्फ कूनो ही नहीं, अब मंदसौर जिले का गांधीसागर अभयारण्य भी चीतों से गुलजार होगा। केन्द्र सरकार के सहयोग से आगामी 20 अप्रैल को गांधी सागर अभयारण्य में चीते छोड़े जाएंगे। कड़ी सुरक्षा में कूनो नेशनल पार्क से दो चीते शिफ्ट कर गांधीसागर अभयारण्य में ले जाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शाम अपने निवास कार्यालय समत्व भवन में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ हुई मध्य प्रदेश में चीता प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कूनो नेशनल पार्क में पर्यटन तेजी से बढ़े, इसके लिए मध्य प्रदेश सरकार ग्वालियर से कूनो के लिए डायरेक्ट रोड और एयर कनेक्टिविटी भी विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों द्वारा यह जानकारी दिए जाने पर हर्ष व्यक्त किया कि भारत (मध्य प्रदेश) में जन्में चीता शावकों की जीवन प्रत्याशा (सर्वाइवल रेट) पूरे विश्व में सर्वाधिक है। दूसरे देशों में चीता शावक जलवायु से अनुकूलन के अभाव में सर्वाइव नहीं कर पाते हैं। चीतों के लिए जरूरी जलवायु और वातावरण की दृष्टि से गांधीसागर अभयारण्य बेहद अनुकूल है, इसलिए सरकार यहां चीते छोड़कर इस अभयारण्य को भी चीतों से गुलजार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर सबके सहयोग से हम चीतों का पुनर्वास

करेंगे। ग्वालियर से कूनो नेशनल पार्क तक पक्की बारहमासी रोड बनाई जाएगी। कूनो में टेंट सिटी तैयार कर यहां आने वाले पर्यटकों को जंगल में प्रकृति के पास समय बिताने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव की मंशा के अनुरूप हम कूनो प्रक्षेत्र में इंटरनेशनल लेवल का एक पशु चिकित्सालय और रेस्क्यू सेंटर भी खोलेंगे।

बीजापुर में दो नक्सली गिरफ्तार, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

एजेंसी

बीजापुर/सुकमा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने दो सक्रिय नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से आठ बीयर की बोतलों से बने इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), स्विच, बैटरी और एक कुल्हाड़ी बरामद किया गया है। बीजापुर पुलिस अधीक्षक के अनुसार थाना बासागुड़ा, कोबरा 210 और केरिपु 229 की संयुक्त टीम माओवादी विरोधी अभियान के तहत गुटटूम नेण्ड्रा और तिमापुर इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सुरक्षा बलों ने गुटटूम नेण्ड्रा के जंगल और तिमापुर से दो नक्सलियों को धर दबोचा। गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान ताती लखमा (38 वर्ष), जो नेंड्रा आरपीसी जनताना सरकार का उपाध्यक्ष है और सोनू उईका (28 वर्ष), जो संघम सदस्य है, के रूप में हुई है। दोनों ही तिमापुर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार जनताना सरकार उपाध्यक्ष ताती लखमा पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था और वह कई गंभीर वारदातों में शामिल था। जिनमें 22 दिसंबर 2023 को कुशवाहा ट्रेव्हल्स की घटना शामिल है। वहीं, गिरफ्तार सोनू उईका भी 6 फरवरी 2024 को मिच्चा हड़मा के अपहरण और हत्या की घटना में शामिल था। पुलिस

की बस में आगजनी, 6 फरवरी 2024 को तिमापुर के ग्रामीण मिच्चा हड़मा का अपहरण और हत्या, 6 दिसंबर 2024 को तिमापुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की हत्या और 2 अप्रैल 2025 को डल्ला के पहाड़ा में पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग अधिकारियों ने बताया कि बरामद विस्फोटक सामग्री को निष्क्रिय कर दिया गया है और गिरफ्तार नक्सलियों के खिलाफ थाना बासागुड़ा में कानूनी कार्रवाई के बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर न्यायालय दंतेवाड़ा के समक्ष पेश किया गया है।

प. बंगाल के मालदा में बम विस्फोट, पांच बच्चे घायल

एजेंसी

मालदा। वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा की चर्चा के बीच मुर्शिदाबाद से सटे मालदा जिले में बम विस्फोट हुआ। कालियाचक थाना अंतर्गत बीरनगर-2 ग्राम पंचायत इलाके में हुए विस्फोट में पांच बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना से इलाके में तनाव उत्पन्न हो गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार बीरनगर-2 ग्राम पंचायत इलाके में एक मकान खाली पड़ा है। गुरुवार अपराह्न उस मकान में पांच बच्चे खेल रहे थे। उनमें से एक ने गेंद समझकर बम उठा लिया और खेलने लगा। इसी दौरान बम में विस्फोट हो गया जिसमें पांचों बच्चे घायल हो गए। विस्फोट की तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग दौड़े। घायलों को सीलमपुर ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। हालांकि तीन को प्रारंभिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, लेकिन दो का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। विस्फोट की खबर मिलते ही मालदा जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शमसम जैन के नेतृत्व में कालियाचक थाने से बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने बताया कि पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि यह बम कहां से आया था। इलाके में बमों के भंडारण को लेकर स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है।भाजपा के जिला कमिटी के महासचिव अमलान भादुड़ी ने आरोप लगाया, तृणमूल के उपद्रवी उस खाली पड़े घर में बम रखते थे।

मालदा में राहत शिविर में पहुंचीं महिला आयोग की अध्यक्ष, दंगा पीड़ित महिलाओं की हालत पर बंगाल सरकार को घेरा

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पश्चिम बंगाल के मालदा ज़िले के बैष्णबनगर इलाके में स्थित एक राहत शिविर का दौरा किया और हाल ही में मुर्शिदाबाद में हुए साम्प्रदायिक दंगों के बाद विस्थापित हुई महिलाओं से मुलाकात की। शिविर में महिलाओं की स्थिति देखकर रहाटकर स्तब्ध रह गईं और उन्होंने राज्य सरकार पर कड़े सवाल खड़े किए। पारालालपुर हाई स्कूल में बने राहत शिविर के दौरे के बाद मीडिया से बात करते हुए रहाटकर ने कहा, 'मैंने यहां महिलाओं और बच्चों से बातचीत की है। उन्होंने जो हालात झेले हैं, वह कल्पना से परे है। उन्हें जबरन घरों से निकाला गया, बच्चों के साथ भी अत्याचार हुआ। प्रशासन पूरी तरह विफल नजर आ रहा है।' एनसीडब्ल्यू सदस्य अर्चना

मजूमदार ने आरोप लगाया कि कई महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की गई और उन्हें जबरन उनके घरों से बाहर निकाल दिया गया। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा, राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वो अपने नागरिकों को सुरक्षा दे। लेकिन यहां तो स्थिति भयावह है। क्या तृणमूल कांग्रेस की सरकार बंगाल को दूसरा बांग्लादेश बनाना चाहती है शिविर में मौजूद कई महिलाओं ने आयोग को बताया कि रात में पुलिसकर्मी आकर उन्हें धमकाते हैं और बाहरी लोगों से बात करने से रोकते हैं। एक महिला ने कहा, यह कहना मुश्किल है कि हम राहत शिविर में हैं या किसी डिटेंशन सेंटर में। महिलाओं ने खाने की गुणवत्ता को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि सुबह से उन्हें सिर्फ सूखी रोटियां, केले और बासी चावल दिए जा रहे हैं। मजूमदार ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने शिविरों से रसोइयों को हटा दिया ताकि महिलाएं खाना न खा सकें।कई महिलाओं ने आयोग से स्पष्ट कहा कि जब तक इलाके में स्थायी बीएसएफ कैंप नहीं बनाया जाता, वे अपने घर नहीं लौटेंगी। उन्होंने बताया कि उन्हें लगातार डराया जा रहा है और उन पर वापस लौटने का दबाव बनाया जा रहा है। मजूमदार ने कहा, जब घर ही नहीं बचे हैं, तो ये महिलाएं कहां लौटें? पहले सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

विहिप अध्यक्ष ने मुर्शिदाबाद हिंसा को बताया दुर्भाग्यपूर्ण, बंगाल में राष्ट्रपति शासन की उठाई मांग

एजेंसी

कोलकाता । विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अध्यक्ष आलोक कुमार ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हाल ही में भड़की सांप्रदायिक हिंसा को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया है और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। आलोक कुमार ने कहा, यह कोई एकल घटना नहीं है। पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। हालिया हिंसा कई गंभीर सवाल खड़े करती है। आखिर हिंदुओं को अपने ही देश में शरणार्थी जैसी स्थिति में क्यों जीना पड़ रहा है? क्या कुछ इलाकों को हिन्दू विहीन बनाने की कोई बड़ी साजिश चल रही है? कोलकाता के अलीपुर स्थित भाषा भवन में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में आलोक कुमार ने राज्य की खुफिया एजेंसियों पर सवाल उठाते हुए कहा, अगर यह

हिंसा पूर्व-नियोजित थी, तो खुफिया तंत्र ने पहले से कार्रवाई क्यों नहीं की? और अगर जानकारी थी, तो इसे रोका क्यों नहीं गया? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद बांग्लादेशी संबंधों की बात करती हैं, तो जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को क्यों नहीं सौंपी जाती? कुमार ने ममता बनर्जी द्वारा केंद्र के कानूनों को लागू न करने के रुख पर भी आलोचना की। उन्होंने कहा, एक मुख्यमंत्री जो सार्वजनिक रूप से केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करने से इनकार करती हैं, वह संविधान का सम्मान नहीं कर रही हैं। यह संविधानिक व्यवस्था के ध्वस्त होने का संकेत है। इसलिए हमने केंद्र सरकार से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि विहिप कार्यकर्ता देशभर के जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करेंगे और राष्ट्रपति शासन की मांग को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपेंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कुमार ने उन्हें 'गैर-जिम्मेदाराना' करार दिया। उन्होंने कहा, सुरक्षा बलों के खिलाफ जनभावनाओं को भड़काना गंभीर अपराध है।

समस्त विश्व को भारत से ही दिशा मिलेगी : बाबा रामदेव

एजेंसी

मथुरा। वृन्दावन नगर वंशीवट स्थित श्री मलूकपीठ बिहारी सेवा संस्थान में चल रहे श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य श्री मलूकदास देवाचार्य महाराज के 451वें जयन्ती महोत्सव के सप्तम दिवस मलूकदास की जयन्ती समारोह में योगगुरु बाबा रामदेव एवं कार्ष्णि पीठाधीश्वर गुरु शरणानन्द महाराज पहुंचे। योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि आज पूरा देश एक आर्थिक, राजनैतिक ,धार्मिक एवं सांस्कृतिक आतंकवाद के दौर से गुजर रहा है। सनातन विरोधी, बहुत तरह के षड़यंत्र कर रहे हैं। हमें ऐसा प्रयास करना होगा कि चारोतरफ हमारी शक्ति, आचरण, सामर्थ और संगठन से सनातनी विरोधी दुर्योधन को परास्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि समस्त विश्व को भारत से ही दिशा मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि वे भारत के आचार्यों परम्परा में एक महान आचार्य मलूक दास महाराज के जयंती महोत्सव में सम्मिलित होना गौरव पूर्ण क्षण है।

उन्होंने सभी से राष्ट्रधर्म एवं सनातन धर्म का पालन करने का अनुरोध किया। गुरु शरणानन्द महाराज ने कहा कि बिना गुरु के भगवत कृपा पाना भव सागर को पार करने के समान है, इसलिए हर मनुष्य को गुरु दीक्षा अवश्य ग्रहण करनी चाहिए, और गुरुओं के बताए मार्ग पर चलना चाहिए क्योंकि गुरु ही भगवत कृपा पाने का एक सरल मार्ग है। इससे पूर्व मलूक पीठ में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा समापन दिवस पर व्यासपीठ से बोलते हुए श्रीमज्जगद्गुरू अग्रदेवाचार्य एवं मलूक पीठाधीश्वर स्वामी राजेन्द्रदास देवाचार्य महाराज ने श्रीमद्भागवत के मुक्ति खण्ड पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा की सार्थकता यही है कि जीव अपने कर्मो का पालन करते हुए स्वयं को राग-द्वेष सहित सभी सांसारिक बन्धनों से स्वयं को मुक्त कर ले। कथा के समापन के बाद मलूक दास महाराज के जयंती पर्व पर सम्मिलित होने पहुंचे योग गुरु बाबा रामदेव एवं कार्ष्णि पीठाधीश्वर गुरु शरणानन्द महाराज सहित अनेकों संत-महंतों द्वारा श्रीमद्जगद्गुरु मलूक दास महाराज की समाधि का पूजन एवं बधाई गायन भी किया गया। महोत्सव में गोरे लाल पीठाधीश्वर महाराज, संत लाडली शरण महाराज, संत रसिक माधव दास महाराज, गोपेश बाबा, अनुराग दास महाराज, धनंजय दास आदि संत उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री इंदौर संभाग के दो कलेक्टर डॉ. फटिंग राहुल हरिदास और नेहा मीना को करेंगे सम्मानित

एजेंसी

इंदौर। इंदौर संभाग सहित पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। इंदौर संभाग के बड़वानी जिले के पूर्व कलेक्टर डॉ. फटिंग राहुल हरिदास और झाबुआ जिले की वर्तमान कलेक्टर नेहा मीना को प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 21 अप्रैल को दिल्ली में 17वें सिविल सेवा दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। कलेक्टर डॉ. फटिंग राहुल हरिदास को समग्र विकास श्रेणी और कलेक्टर नेहा मीना को इंस्पिरेशनल ब्लॉक्स प्रोग्राम कैटेगरी में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए यह सम्मान दिया जाएगा।जनसम्पर्क अधिकारी महिपाल अजय ने शुक्रवार को बताया कि यह पुरस्कार उन सिविल सेवकों को दिया जाता है, जिन्होंने लोक प्रशासन में अभिनव और अनुकरणीय कार्य किए हैं। विजेताओं को ट्रॉफी, स्क्रॉल और 20 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जिसका उपयोग जनकल्याणकारी परियोजनाओं में किया जाएगा।

भागायुक्त दीपक सिंह ने दोनों अधिकारियों को दी बधाई-इंदौर संभागायुक्त दीपक सिंह ने दोनों अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा है कि यह उपलब्धि न केवल बड़वानी और झाबुआ जिलों के लिए है, बल्कि इंदौर संभाग और सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की है।

जदयू प्रवक्ता राजीव रंजन का दावा, चुनाव में एनडीए को मिलेंगे 60 प्रतिशत वोट

एजेंसी

कानपुर। पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सभी वर्गों का समर्थन प्राप्त है और इस बार बिहार चुनाव में गठबंधन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 60 प्रतिशत वोट प्राप्त होंगे।जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने नीतीश कुमार को करिश्माई मुख्यमंत्री बताते हुए समाचार एजेंसी से कहा, बिहार में एनडीए और करिश्माई मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सभी वर्गों का समर्थन मिलता रहा है। शायद यह बड़ी वजह है कि पिछले 20 साल में नीतीश कुमार जिस

चुनाव में जिस गठबंधन का चेहरा बने, बिहार की जनता ने उसे आंख मूंदकर अपना आशीर्वाद दिया है। बिहार चुनाव के लिए तय लक्ष्य के बारे में बात करते हुए राजीव रंजन ने कहा, निस्संदेह इस चुनाव में 225 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया है। इन 225 सीटों के साथ नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे। इसे संभव बनाने के लिए मतदान केंद्रों पर 60 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

बूथ स्तर पर किए जा रहे कार्यो के बारे में उन्होंने कहा, ÷बिहार चुनाव जीतने की दिशा में न केवल जदयू, बल्कि भाजपा समेत अन्य तीनों दल भी मिलकर बूथ समितियों पर काम कर रहे हैं। सभी का साथ हमें हमेशा मिलता रहा है, ऐसे में हम इस लक्ष्य को भी अवश्य हासिल करेंगे। उल्लेखनीय है कि बिहार के लिए यह चुनावी साल है। प्रदेश में पक्ष और विपक्ष की सभी राजनीतिक पार्टियां सक्रिय हो गई हैं। प्रदेश में फिलहाल नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सत्ता में है। गठबंधन का सबसे बड़ा घटक दल भाजपा है। एनडीए में भाजपा, जदयू के अलावा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) महत्वपूर्ण दल हैं। विपक्षी महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस महत्वपूर्ण दल हैं। उनके अलावा प्रशांत किशोर की जनसुराज ने बिहार चुनाव को त्रिकोणीय रूप दे दिया है।

नैनीताल जा रहे हैं तो ये 5 जगह देखना न भूलें

बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। नैनी शब्द का अर्थ है आंखें और 'ताल' का अर्थ है झील। यहां आकर आपको शांत और प्रकृति के पास होने जैसा महसूस होगा। यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है। सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक हैरान रह जाते हैं और प्राकृतिक नजारों को बस देखते ही रहते हैं। आओ जानते हैं यहां के प्रमुख स्पॉट।

नैनीताल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून

1. नैनिताल नैना झील:
यहां कि प्रसिद्ध झील नैना झील है जिसे ताल भी कहा जाता है। ताल में बत्तखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं। ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है। एक समय में नैनीताल जिले में 60 से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं।

2. नैना देवी मंदिर :
इसे नैनीताल इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर ऊंचे पहाड़ पर नैना देवी का एक मंदिर है।

3. हिल स्टेशन :
बर्फ से ढ़के पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। यहां टॉप पर नैना चोटी, स्नो व्यू और टिफिन टॉप है। स्नो व्यूप पर आप रोपवे से जा सकते हैं।

4. प्राणी उद्यान नैनिताल :
पंडित जीबी पंत प्राणी उद्यान यहां के प्रसिद्द स्थल है। गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल बस स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

5. हनुमानगढ़ी नैनिताल :
यह यहां का धार्मिक स्थल है जो मुख्य शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर है।

इसके अलावा गर्वनर हाउस है और शॉपिंग के लिए आप मार्केट मॉलरोड जा सकते हैं।

अल्मोड़ा एक बहुत ही सुंदर नगर

अल्मोड़ा जाना चाहते हैं तो पहले इसे पढ़ें

अल्मोड़ा भारत के उत्तराखंड राज्य का एक बहुत ही सुंदर नगर है। इसके पूर्व में पिथौरागढ़ व चम्पावत, पश्चिम में पौड़ी, उत्तर में बागेश्वर, दक्षिण में नैनीताल स्थित है। अल्मोड़ा में मनोरम पहाड़ी और घाटियां हैं जो आपका दिल मोह लेगी। यदि आप यहां जाने का प्लान कर रहे हैं तो जान लें इस क्षेत्र के बारे में दिलचस्प जानकारी।

अल्मोड़ा हिल स्टेशन

1. अल्मोड़ा में कई मंदिर है। दूनागिरी मंदिर, कसार देवी मंदिर, चितई गोलू मंदिर, नंदादेवी मंदिर, कटारमल सूर्य मंदिर, जागेश्वर धाम मंदिर आदि कई बहुत ही सुंदर और चैतन्य मंदिर है। यहां अंग्रेजों के काल का बोडेन मेमोरियल मेथोडिस्ट चर्च भी है।
2. अल्मोड़ा में घूमने लायक जगह जीरो पाइंट बहुत ही अद्भुत है जो बिनसर अभ्यारण्य में बहुत ऊंचाई पर स्थित है। यहां से आसमान को देखना बहुत ही रोमांचित कर देगा साथ ही यहां से केदारनाथ और नंदादेवी की चोटी को देखना तो आपके आश्चर्य और रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। यहां से हिमालय की वादियों का दृश्य आपको स्वर्ग में होने का अहसास देगा।
3. अल्मोड़ा से 30 किलोमीटर दूर जलना एक छोटासा पहाड़ी गांव है जहां से आप प्रकृति और एकांत का आदंद ले सकते हैं। यहां पर 480 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की एक विस्तृत श्रृंखला और तितली संग्रह से भरे जंगल पाए जाते हैं।
4. अल्मोड़ा से 3 किमी दूर स्थित, ब्राइट एंड कॉर्नर पाइंट से आप सूर्यास्त और सूर्योदय के लुभावने दृश्य देखकर रोमांचित हो उठेंगे। यह एक विशेष बिंदु है जहां से हिमालय के अविश्वसनीय दृश्य देख सकते हैं। हिमालयी चोटियों में जैसे त्रिशूल I, त्रिशूल II, त्रिशूल III, नंदादेवी, नंदकोट, पंचाचूली इत्यादि को देख सकते हैं।
5. अल्मोड़ा कुमाऊं पर्वत श्रृंखला में स्थित है और यह माउंटेन बाइकिंग के लिए भारत में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है। और यदि यदि आप रिवर राफ्टिंग का आनंद लेना चाहते हैं तो काली शारदा नदी जाना होगा।
6. अल्मोड़ा का बिनसर अभ्यारण्य भी बहुत ही रोमांच से भरा है। अल्मोड़ा हिल स्टेशन से लगभग 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिनसर पर्यटन स्थल एक छोटा सा गांव हैं। जोकि देवदार के पेड़ों के हरे-भरे जंगल, घास के मैदान और खूबसूरत मंदिरों के लिए जाना जाता हैं।
7. अल्मोड़ा का डियर पार्क अल्मोड़ा से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। डियर पार्क प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है। डियर पार्क का सबसे प्रमुख आकर्षण देवदार के हरे-भरे वृक्ष है और उनके बीच घुमते हुए हिरण, तेंदुआ और काले भालू जैसे जानवर इसकी खूबसूरती को देखने लायक बना देते हैं।
8. अल्मोड़ा भारत में कुछ बेहतरीन हस्तशिल्प और सजावटी वस्तुओं के संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर द्वाराहाट, रानीखेत, चौखुटिया और शीतलाखेत भी घूमने लायक बहुत ही सुंदर स्थान हैं।
9. अल्मोड़ा से करीब 53 किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है कौसानी नामक हिल स्टेशन जो प्राकृतिक छटा से भरपूर है। यहां देवदार के सघन वन हैं जिनके एक ओर सोमेश्वर घाटी और दूसरी ओर गरुड़ व बैजनाथ घाटी स्थित है।
10. अल्मोड़ा तो किसी भी मौसम में जा सकते हैं लेकिन सबसे अच्छा समय मार्च से अप्रैल का महीना होता है क्योंकि यहां पर शांत वातावरण मिलता है। पंतनगर निकटतम हवाई अड्डा है जहां से अल्मोड़ा 120 किलोमीटर दूर है, काठगोदाम रेलवे स्टेशन यहां से 80 किलोमीटर दूर है। हरिद्वार, नैनीताल, देहरादूर और लखनऊ के सड़कमार्ग से अल्मोड़ा जुड़ा हुआ है।

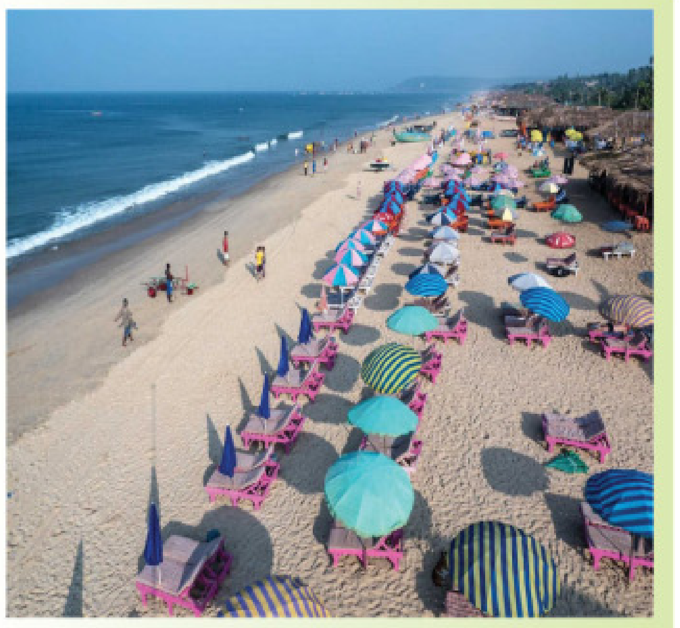

देश की 10 रोमांटिक जगह जरूर जाना चाहिए

रोमांटिक जगह पर घूमने जाना चाहते हैं तो भारत में ऐसी सैंकड़ों रोमांटिक जगहें हैं जहां पर आप जाकर अपने पार्टनर के साथ संबंधों की नई ऊंचाइयों को छू सकते हो। इसके लिए हम लाएं हैं भारत के टॉप 10 रोमांटिकऔर ब्यूटीफुल जगहों की जानकारी।

भारत की टॉप 10 रोमांटिक जगहें

1. गोवा :
समुद्र के किनारे बसा गोवा बहुत ही रोमांटिक जगह है। हनीमून मनाने वालों को भी खूब आकर्षित करता है। रोमांटिक स्थलों में यह सबसे टॉप पर माना जाता है।

2. चंबा :
उत्तराखंड के मसूरी से मात्र 13 घंटे की दूरी पर बसा है चंबा। चंबा की सीढ़ीनुमा सड़कें और ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से लदी घुमावदार घाटियां, झुरमुटों में छुपे छोटे-छोटे घर आपके मन को मोह लेंगे।

3. दार्जिलिंग :
'क्वीन ऑफ हिल्स' के नाम से मशहूर दार्जिलिंग हमेशा से एक बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन रहा है। यह बहुत ही रोमांटिक स्थल है। दूर-दूर तक फैले हरी चाय के खेत मानो धरती पर हरी चादर बिछी हो। सिर्फ चाय बागान नहीं हैं बल्कि यहां की वादियां भी बेहद मनोहारी हैं। बर्फ से ढंके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कलकल करते झरने सबका मन मोह लेते हैं।

4. शिमला :
शिमला जाएं या मनाली दोनों ही हिमाचल में स्थित है। दोनों ही हनीमून के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे शिमला और मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।

5. ऊटी :
तमिलनाडु का विश्व प्रसिद्ध शहर ऊटी हनीमून के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको मंत्रमुग्ध कर देगी।

6. लक्षद्वीप :
32 किलोमीटर लंबी भूमि 36 से अधिक छोट-छोटे टापूनुमा द्वीपों में बंटी हुई है, जिसे लक्ष्यद्वीप कहा जाता है। यह दुनिया के सर्वाधिक विहंगम उष्ण कटिबंधी द्वीपों में से एक है। यहां सुंदर सकरे और लंबे लैगून (समुद्र तल, कच्छ या खाड़ी) है। यहां जाकर मन रोमांचित हो उठता है।

7. उदयपुर :
उदयपुर में भी आप कभी भी जा सकते हैं। यहां आप झीलों का मजा ले सकते हैं। यहां की हवेलियों और महलों की भव्यता को देखकर दुनिया भर के पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

8. पचमढ़ी :
होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है।

9. लोनावाला :
महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूणे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है।

10. श्रीनगर :
कश्मीर को पहले सतीसर कहा जाता था और श्रीनगर जिसका पुराना नाम प्रवर पुर है। श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां सुंदर झीलों के साथ ही बर्फ से ढके खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। यह वृक्ष समूचे कश्मीर की शोभा बढ़ाते हैं।

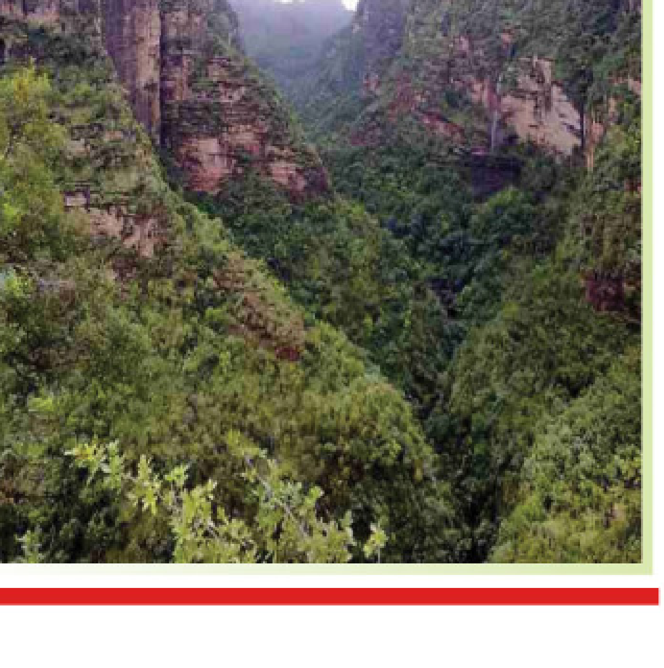

रोमांच और खतरों से भरी मां नंदादेवी की अद्भुत यात्रा

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के तपोवन क्षेत्र में नंदा देवी का सबसे ऊंचा पहाड़ है। नंदादेवी के दोनों ओर ग्लेशियर यानी हिमनद हैं। इन हिमनदों की बर्फ पिघलकर एक नदी का रूप ले लेती है। यहां दो बड़े ग्लेशियर है- नंदादेवी नॉर्थ और नंदा देवी साउथ। दोनों की लंबाई 19 किलोमीटर है। इनकी शुरुआत नंदा देवी की चोटी से ही हो जाती है जो नीचे घाटी तक आती हैं। आओ जानते हैं नंदा देवी की ऐतिहासिक यात्रा की 10 खास बातें।

1. **माता पार्वती है नंदा देवी:** उत्तराखंड के लोग नंदादेवी को अपनी अधिष्ठात्री देवी मानते हैं और यहां की लोककथाओं में उन्हें हिमालय की पुत्री कहा गया है, अर्थात वे माता पार्वती हैं।
2. **गढ़वाल-कुमाऊं का मिलन:** नंदा देवी गढ़वाल के साथ साथ कुमाऊं कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थीं और वे उत्तराखंड की बेटी हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने ससुराल यानी कैलाश पर्वत जाती हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को गढ़वाल-कुमाऊं के सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।
3. **सबसे ऊंची चोटी:** नंदा देवी पर्वत भारत की दूसरी एवं विश्व की 23वीं सर्वोच्च चोटी है। इस चोटी को उत्तरांचल राज्य में मुख्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इससे ऊंची व देश में सर्वोच्च चोटी कंचनजंघा है। नंदा देवी पर्वत लगभग 25,643 फीट ऊंचा है।
4. **12 वर्ष में एक बार यात्रा:** नंदा देवी की चढ़ाई अत्यधिक कठिन मानी जाती है। नंदा देवी की कुल ऊंचाई 7816 मीटर यानी 25,643 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए प्रत्येक 12 वर्ष में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन होता है प्रतिवर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में नंदादेवी मेला प्रारंभ होता है।
5. **हिमालयी कुंभ:** चूंकि इस यात्रा का आयोजन कुंभ की तरह हर बारह वर्ष के बाद होता है, इसलिए इसे हिमालयी कुंभ के नाम से भी जाना जाता है।
6. **आदि शंकराचार्य ने की थी यात्रश की शुरुआत:** नंदा देवी राजजात यात्रा को विश्व की सबसे लम्बी पैदल और धार्मिक यात्रा माना जाता है। इस पहाड़ पर चढ़कर माता के दर्शन करना बहुत ही कठिन होता है। इस यात्रा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने ईसा पूर्व की थी।
7. **यात्रा का प्रारंभ और अंत:** नंदादेवी की यह ऐतिहासिक यात्रा चमोली जनपद के नौटी गांव से शुरू होती है जो रूपकुंड होकर हेमकुंड तक जाती है जो 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है।
8. **रोमांचक और खतरों से भरी होती है ये यात्रा:** इस 280 किमी की धार्मिक यात्रा के दौरान रास्ते में घने जंगल, पथरीले मार्गों व दुर्गम चोटियों और बर्फीले पहाड़ों को पार करना पड़ता है। नंदादेवी चोटी के नीचे पूर्वी तरफ नंदा देवी अभयारण्य है। यहां कई प्रजातियों के जीव-जंतु रहते हैं। इसकी सीमाएं चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों से जुड़ती हैं।
9. **19 दिन लगते हैं यात्रा पूर्ण होने में :** इस यात्रा को पूरा करने में 19 दिन का समय लग जाता है। इस यात्रा के 19 पड़ाव है। रास्ते में विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरने वाली यह यात्रा में भिन्न-भिन्न पड़ावों पर लोग इस यात्रा में मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इस यात्रा का आयोजन नंदादेवी राजजात समिति द्वारा किया जाता है।
10. **यात्रा का आकर्षण चौसिंगा खाडू:** इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चौसिंगा खाडू (चार सींगों वाला भेड़) होता है, जो कि स्थानीय क्षेत्र में राजजात यात्रा शुरू होने से पहले पैदा हो जाता है। उसकी पीठ में दो तरफ थैले में श्रद्धालु गहने, श्रृंगार सामग्री व अन्य भेंट देवी के लिए रखते हैं, जो कि हेमकुंड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान करता है। यात्रा में जाने वाले लोगों का मानना है कि यह चौसिंगा खाडू आगे विकट हिमालय में जाकर विलुप्त हो जाता है। माना जाता है कि यह नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है, जो आज भी अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।

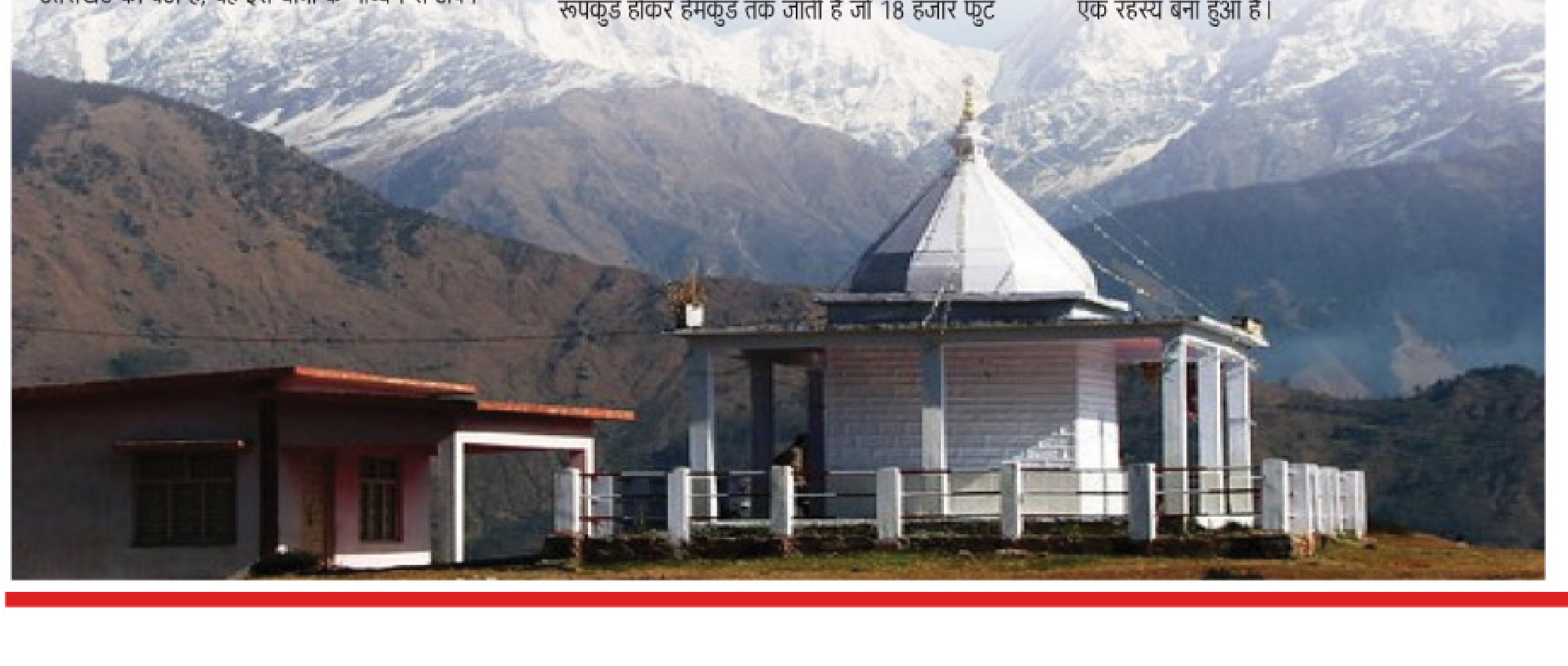

मीरा एंड्रीवा को हराकर एलेक्जेंड्रोवा पोर्श टेनिस ग्रैंड प्रिक्स के क्वार्टरफाइनल में

एजेंसी
स्टटगार्ट (जर्मनी)। रूस की महिला टेनिस खिलाड़ी एकटरीना एलेक्जेंड्रोवा ने हमवतन मीरा एंड्रीवा को हराकर पोर्श टेनिस ग्रैंड प्रिक्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली हैं। एलेक्जेंड्रोवा ने महिला एकल वर्ग में 65 मिनट तक चले मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा को 6-3, 6-2 से हराकर पोर्श टेनिस ग्रैंड प्रिक्स टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। एलेक्जेंड्रोवा का क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी जेसिका पेगुला से मुकाबला होगा। पेगुला ने पोलैंड की मैग्डेलेना फ्रेच को 6-1, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं।

साई ने असम को हराकर ग्रुप जी में बनाई बढ़त

नारायणपुर (छत्तीसगढ़)। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने स्वामी विवेकानंद अंडर 20 पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के पहले दिन ग्रुप जी में असम को 4-0 से हराया। यहां रामकृष्ण मिशन आश्रम मैदान में खेले गये मुकाबले में साई की ओर से राजकुमार लैंचेनबा सिंह ने 36वें मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद ओइनम रोमियो सिंह ने 68वें मिनट में बढ़त को दोगुना कर दिया। तीसरा गोल वाशम ने 81वें मिनट में गोलकर स्कोर 3-0 कर दिया। कप्तान रॉबर्ट थोकचोम ने 85वें मिनट में चौथा गोल किया।दिन के एक अन्य मैच में ओडिशा और गोवा बीच मुकाबला गोल रहित ड्रॉ खेला। परिणामस्वरूप, भारतीय खेल प्राधिकरण अब तीन अंकों के साथ ग्रुप जी में शीर्ष पर है, उसके बाद ओडिशा और गोवा एक-एक अंक के साथ और असम एक भी अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

ल्योन को हराकर मैनचेस्टर यूनाइटेड और यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ल्योन को हराकर यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। खेले गये रोमांचक मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ल्योन को 5-4 से हराया। मैनचेस्टर ने 4-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए ल्योन पर यह जीत दर्ज की। मैच के शुरु में रुबेन एमोरिम की टीम ल्योन के खिलाफ 2-0 से आगे चल रही थी। इसके बाद ल्योन ने दो गोल दाग कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। ल्योन ने अतिरिक्त समय में दो गोल करके स्कोर 4-2 कर बढ़त बना ली। महज सात मिनट के अंतर में यूनाइटेड ने तीन गोलकर यह रोमांचक मुकाबला जीता। ब्रूनो फर्नांडीस की पेनल्टी के बाद , कोबी मैनू ने गोलकर स्कोर 4-4 कर दिया और इसके कुछ देर बाद ही यूनाइटेड के हैरी मैग्वायर मैच विजय गोल दागा।

श्याम लाल और आईजीआई कॉलेज की विजयी शुरुआत

नयी दिल्ली। बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में श्याम लाल कॉलेज ने पुरुष वर्ग और आईजीआई कॉलेज ने महिला वर्ग में जीत के साथ शुरुआत की।श्याम लाल कॉलेज ने चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में हंसराज कॉलेज को 4-0 से हराया। श्याम लाल कॉलेज की ओर से अतुल चौधरी, प्रियांशु रावत, प्रत्यूष सिंह जग्गी और आकाश ने एक- एक गोल किए। प्रत्यूष सिंह जग्गी को प्लेयर ऑफ मैच का पुरस्कार मिला।

वहीं महिला वर्ग में के मैच में इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 1-0 से हराया। विजेता टीम की ओर से एकमात्र गोल आंचल ने किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार से नवाजा गया।

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज द्वारा आयोजित हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि, ध्यानचंद अवॉर्डी हॉकी ओलंपियन अशोक दीवान और प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह, प्रिंसिपल एसजीटीबी खालसा कॉलेज ने किया।

ऑबामेयांग के लेट गोल की बदौलत अलक़दीसिया ने अल नस्र को 2-1 से हराया

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रिंस मोहम्मद बिन फहद स्टेडियम में खेले गए सऊदी प्रो लीग मुकाबले में पियरे-एमरिक ऑबामेयांग के देर से किए गए विजयी गोल की बदौलत अल क़दीसिया ने अल नस्र को 2-1 से हराया। इस हार के साथ ही अल नस्र की खिताबी दौड़ को बड़ा झटका लगा है।

पहले हाफ में अल क़दीसिया ने बनाई बढ़त

मैच की शुरुआत से ही अल क़दीसिया ने आक्रामक खेल दिखाया और 35वें मिनट में तुर्की अल-अम्मार के आसान टैप-इन गोल की मदद से 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इस गोल की नींव रखी ऑबामेयांग ने, जो लगातार विपक्षी डिफेंस के पीछे दौड़ लगाकर दबाव बना रहे थे। उनकी तेज़ शॉट को गोलकीपर बेंटो ने रोका, लेकिन रिबाउंड पर अल-अम्मार ने कोई गलती नहीं की।

अल नस्र का आक्रमण,

डुरान ने गंवाया सुनहरा मौकाः दूसरे हाफ में अल नस्र ने बराबरी की पूरी कोशिश की। 57वें मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो गेंद को काबू नहीं कर पाए, जिसके बाद जॉन डुरान को शानदार मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोल के ऊपर चला गया। यह मौका अल नस्र के लिए मैच बदलने वाला हो सकता था।

सादियो माने ने दिलाई बराबरी

84वें मिनट में ब्राज़ीली मिडफील्डर ओतावियो के बेहतरीन क्रॉस पर सादियो माने ने शानदार टच के बाद गेंद को गोलकीपर के पास से गोल में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया। इस गोल के बाद अल नस्र के खेमें में खुशी लौट आई थी।

ऑबामेयांग ने फिर रचा इतिहास

लेकिन माने के गोल के महज तीन मिनट बाद ऑबामेयांग ने नाहितान नांदेज़ के क्रॉस पर हेडर लगाकर अल क़दीसिया को फिर से बढ़त दिला दी। यह गोल निर्णायक साबित हुआ और अल नस्र को हार झेलनी पड़ी।

अंक तालिका में हाल

इस जीत के बावजूद अल क़दीसिया पांचवें स्थान (55 अंक, 28 मैच) पर बना हुआ है। वहीं, हार के बाद अल नस्र तीसरे स्थान (64 अंक) पर है और अब वह लीग लीडर अल इत्तिहाद से आठ अंक पीछे रह गया है। इससे उसकी खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

मास्टर्स गेम्स 20 अप्रैल से धर्मशाला में, देश भर से करीब साढे चार खिलाड़ी करेंगे शिरकत

एजेंसी
धर्मशाला। नेशनल मास्टर्स गेम्स 2025 का आयोजन इस बार धर्मशाला में हो रहा है। यह पहला मौका जब इन खेलों का आयोजन हिमाचल में किया जा रहा है। खेल नगरी धर्मशाला में मास्टर्स गेम्स 20 से 26 अप्रैल तक किया जा रहा है। नेशनल मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन के निदेशक विनोद कुमार ने शाम धर्मशाला में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि इस दौरान देश भर से करीब साढ़े चार हजार खिलाड़ी विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। उन्होंने बताया कि मास्टर्स गेम्स के दौरान करीब 24 विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में नौजवान और बुजुर्ग खिलाड़ी दम खम दिखाएंगे।

उन्होंने बताया कि यह पहला मौका है जब हिमाचल में मास्टर्स गेम्स का आयोजन हो रहा है। इससे पूर्व पिछले वर्ष मास्टर्स गेम्स का आयोजन गोवा में हुआ था। उन्होंने बताया कि गेम्स को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

एफ 1: क्रिस्टियन हॉर्नर का बड़ा बयान, 2026 में भी रेड बुल का हिस्सा रहेंगे मैक्स वर्स्टापेन

एजेंसी
जेद्दाह। फॉर्मूला वन की दुनिया में मैक्स वर्स्टापेन के भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच रेड बुल टीम प्रिंसिपल क्रिस्टियन हॉर्नर ने बड़ा बयान दिया है। हॉर्नर ने साफ किया कि वर्स्टापेन अगले सीजन भी रेड बुल के साथ ही नजर आएंगे और टीम में किसी तरह का कोई संकट नहीं है।

अफवाहों पर लगाया ब्रेक

पिछले कुछ दिनों से खबरें थीं कि रेड बुल के मोटरस्पोर्ट सलाहकार हेल्मुट मार्को की चिंता के बाद वर्स्टापेन अपने एग्जिट क्लॉज का इस्तेमाल कर सकते हैं। माना जा रहा था कि मर्सिडीज और एस्टन मार्टिन उन्हें साइन करने के इच्छुक हैं।हालांकि, हॉर्नर ने सऊदी अरब ग्रां प्री के दौरान स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, टीम के बाहर बहुत शोर है। मैक्स ने कल अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। हम कार को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं और मैक्स उसका अहम हिस्सा हैं। बाकी सब अफवाहें हैं।

एस्टन मार्टिन का 88 मिलियन डॉलर का ऑफर

इटली के अखबार 'गजेट्टा डेल्लो स्पोर्ट' ने बिना किसी आधिकारिक स्रोत के खबर दी थी कि एस्टन मार्टिन, सऊदी फंडिंग के साथ वर्स्टापेन को तीन साल के लिए हर साल 88 मिलियन डॉलर देने को तैयार है। हालांकि, एस्टन मार्टिन टीम बॉस एंडी कोवेल ने फिलहाल 2026 के लिए फर्नांडो अलोंसो और लांस स्ट्रोल पर फोकस करने की बात कही है।

मर्सिडीज में नहीं बनती जगह — जेम्स वाउल्स

मर्सिडीज और वर्स्टापेन की संभावित डील को लेकर भी चर्चाएं थीं, लेकिन मर्सिडीज के पूर्व रणनीति प्रमुख और अब विलियम्स टीम बॉस जेम्स वाउल्स ने इस संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा, वर्स्टापेन शानदार ड्राइवर हैं, लेकिन वह कुछ मुश्किलें भी साथ लाते हैं। मर्सिडीज के पास बेहतरीन टीम कल्चर है और दो शानदार ड्राइवर हैं। मुझे नहीं लगता वहां उनके लिए जगह है।

आईपीएल 2025: मुश्किल पिच पर नेहाल वढेरा ने आसान किया लक्ष्य- हरप्रीत बरार

एजेंसी
बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में पंजाब किंग्स ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को 5 विकेट से हराया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के चलते मुकाबला 14 ओवर का कर दिया गया था। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और अपने गेंदबाजों के दम पर आरसीबी को 95/9 के स्कोर पर रोक दिया।

पंजाब के गेंदबाजों ने किया कमाल

पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बरार ने 2-2 विकेट लिए। वहीं, ज़ेवियर बार्टलेट को भी एक सफलता मिली। आरसीबी की ओर से टिम डेविड ने अर्धशतक लगाया, लेकिन बाकी बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे।

नेहाल वढेरा की शानदार पारी: लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम की शुरुआत धीमी रही, लेकिन नेहाल वढेरा ने नाबाद 33 रन (19 गेंद) की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को 12.1 ओवर में 5 विकेट शेष रहते जीत दिला दी।

हरप्रीत बरार ने की वढेरा की तारीफ

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंजाब किंग्स के स्पिनर हरप्रीत बरार ने कहा, पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। नेहाल वढेरा ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर हमारा काम आसान कर दिया। वो पिछले 2-3 साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। घरेलू टूर्नामेंट्स में भी उनका अच्छा रिकॉर्ड रहा है। आज जिस अंदाज में उन्होंने बल्लेबाजी की, वो काबिले तारीफ है।

श्रेयश अय्यर बोले- चहल आईपीएल के बेस्ट गेंदबाजः वहीं, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयश अय्यर ने युजवेंद्र चहल की तारीफ करते हुए उन्हें आईपीएल का बेस्ट बॉलर बताया। अय्यर ने कहा, मैच से पहले हम नहीं जानते थे कि पिच कैसा व्यवहार करेगी। लेकिन हमारे कोचों और गेंदबाजों ने हालात के मुताबिक खुद को ढाल लिया। चहल ने शानदार गेंदबाजी की और अहम विकेट दिलाए।

अगला मुकाबला फिर आरसीबी से

पंजाब किंग्स का अगला मुकाबला अब 20 अप्रैल को न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ ही होगा।

सीएसके ने चोटिल गुरजपनीत की जगह डेवाल्ड ब्रेविस को टीम में किया शामिल

एजेंसी
नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बीच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में बड़ा बदलाव हुआ है। फ्रेंचाइजी ने चोटिल युवा तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह दक्षिण अफ्रीका के युवा खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस को शामिल किया है।

आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों के लिए चोटिल गुरजपनीत सिंह के स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को अनुबंधित किया है। वह 2.2 करोड़ रुपये में सीएसके का हिस्सा बनेंगे। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस इस सत्र से पहले हुई

मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहे थे। उन्हें किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा था। अब सीएसके ने उन्हें अपने साथ जोड़ा है। डेवाल्ड ब्रेविस ने कुल 81 टी20 मैच खेले हैं और 162 के उच्चतम स्कोर के साथ 1787 रन बनाए हैं। उन्होंने 2023 में दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और अब तक दो टी20 मुकाबले खेले हैं। ब्रेविस आईपीएल में इससे पहले मुंबई इंडियंस की ओर से खेल चुके हैं, जहां उन्होंने 10 मैच खेले थे। इससे पहले सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर हो चुके हैं। उनकी जगह टीम ने युवा आयुष म्हात्रे को शामिल किया था। वहीं कप्तानी की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह धोनी के हाथों में है। सीएसके की टीम आईपीएल के मौजूदा सीजन में संघर्ष कर रही है। टीम ने अब तक खेले अपने सात मैचों में से मात्र दो में जीत दर्ज की है, जबकि 5 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। टीम 4 अंक के साथ पॉइंट टेबल में सबसे नीचे 10वें पायदान पर है।

प्रयागराज का हरिस सोनीपत में बना टेनिस चैंपियन

एजेंसी
प्रयागराज। जिले के संत जोसफ कॉलेज के कक्षा 7 के छात्र हरिस खान ने सोनीपत में 14 से 18 अप्रैल तक चली एआईटीए (चैंपियनशिप सीरीज-7) के अंडर-12 टेनिस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर एकल खिताब अपने नाम किया। हरिस ने फाइनल में सौर्य शेरवत को 2-6, 6-0, 7-5 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह जानकारी धूमनगंज हरवारा निवासी छात्र के पिता महफ़ूज़ खान ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में हरिस ने टॉप सीडेड अदयान कुमार सोनी को 6-4, 6-2 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। हरिस ने लगातार दूसरे सप्ताह अपनी जीत का क्रम जारी रखते हुए ये सफ़लता हासिल की है। ये जीत उनके अथक परिश्रम व प्रतिभा का प्रमाण है। उन्होंने प्रयागराज का नाम रोशन किया। इस जीत के साथ हरिस ने अपने टेनिस कैरियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है और भविष्य में और बड़ी सफलताएं हासिल करने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि बेटा हरिस इलाहाबाद जिमखाना अकादमी में सैफ इकबाल से प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

आरसीबी को घरेलू मैदान पर मैच जीतने का तरीका खोजना होगा, लगातार तीसरी हार पर बोले टिम डेविड

एजेंसी
बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड को लगता है कि उनकी टीम को घरेलू मैदान¸ स्टेडियम में खेलने के लिए एक खाका खोजने की जरूरत है क्योंकि शुक्रवार को उन्हें लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। पंजाब किंग्स ने ऋष्क्षको पांच विकेट से हराकर आईपीएल 2025 सीजन के लिए इस मैदान पर अपना जीत रहित रिकॉर्ड बरकरार रखा। यह ऋष्क्ष की इस मैदान पर 46वीं हार थी जो कि आईपीएल में किसी भी फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे बड़ी हार है।

आज रात बारिश हुई और पिच कवर के नीचे थी और यह जानना मुश्किल था कि पिच कैसा खेलेगी। हमने अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। हमें कुछ मैच जीतने के लिए कोई रास्ता निकालने की जरूरत है। हमें जल्दी से फिर से संगठित होना होगा क्योंकि हम पंजाब से खेलेंगे। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का

पुरस्कार दिया गया, ने परिस्थितियों को बल्लेबाजी के लिए कठिन बताया, लेकिन टीम प्रबंधन के उन्हें नंबर 7 पर भेजने के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा, टयह इतना आसान नहीं लगा (उस डेक पर बल्लेबाजी करना)। मुझे नहीं पता कि क्या कहना है। मुझे लगता है कि निश्चित रूप से ऊपर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों ने मुझे परिस्थितियों के बारे में बताया। मुझे यह देखने का मौका मिल रहा था कि पिच क्या कर रही है। अभ्यास पिचें भी ऐसी ही रही हैं। इन परिस्थितियों में खेलने का तरीका खोजने की कोशिश की। हमारे कोचिंग स्टाफ और प्रबंधन ने एक खास कारण से टीम बनाई है। मैं बहुत खुश हूं और मुझे लगता है कि मैं इस समय अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। मैं योगदान दे सकता हूं, लेकिन कोचों पर भरोसा है कि वे मुझे बताएंगे कि मैं कहां रन बना सकता हूं। डेविड ने कहा, %अगर मुझे ऊपर बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है, तो मैं अपनी टीम के लिए योगदान देने की कोशिश करूंगा। कई बार जब आप बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो यह काम नहीं आता। बैंगलोर में कई बार चुनौती गेंदबाजों के साथ बल्लेबाजी करने और साझेदारी बनाने की रही है। रात मुश्किल थी। आपको थोड़ा जोखिम उठाना पड़ा।' सात मैचों में आठ अंक के साथ RCB अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और रविवार को न्यू चंडीगढ़ के न्यू पीसीए स्टेडियम में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी।

हमें फाइनल में पहुंचने के लिए घर से बाहर भी अच्छा खेलना होगाः हार्दिक

मुम्बई।मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा है कि हमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में पहुंचने के लिए घरेलु मैदान के अलावा बाहर भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स हैदराबाद पर मिली जीत के बाद हार्दिक ने कहा, यह एक मुश्किल विकेट था। इस पर 160 का स्कोर थोड़ा कम था। यहां गेंदें रूक कर आ रही थीं। हमने अच्छी तैयारी की थी। मुझे लगता है कि हमने गेंदबाजी के दौरान अच्छा प्रयास किया। हमें विकेटों की आवश्यकता थी। ईशान, हर्षल और मैं अंतिम ओवरों के दौरान अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। हमें एक या दो अच्छे ओवर चाहिए थे। इसलिए हमने राहुल चहर को अवसर दिया था।

हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट में श्याम लाल कॉलेज और आईजीआईपीईएसएस की जीत से शुरुआत

एजेंसी
नई दिल्ली। राजधानी के श्याम लाल कॉलेज ने चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट में हंसराज कॉलेज को 4-0 से हरा दिया। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज की ओर से आयोजित टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि ध्यानचंद अवॉर्डी हॉकी ओलंपियन अशोक दीवान और प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह, एसजीटीबी खालसा कॉलेज प्रिंसिपल ने किया। श्याम लाल कॉलेज की तरफ से अतुल चौधरी, प्रियांशु रावत, प्रत्यूष सिंह जग्गी और आकाश ने एक-एक गोल किए। इस मैच का प्लेयर ऑफ मैच का अवार्ड श्याम लाल कॉलेज के खिलाड़ी प्रत्यूष सिंह जग्गी को मिला। महिला वर्ग के मैच में इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज

(आईजीआईपीईएसएस) ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 1-0 से हराया। विजेता टीम की तरफ से एकमात्र गोल आंचल ने किया और प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड भी आंचल को मिला।

आईएसएसएफ विश्व कपः महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3पी में आठवें स्थान पर रहीं श्रीयंका सदांगी

एजेंसी
लीमा। पेरिस ओलंपिक निशानेबाज श्रीयंका सदांगी यहां आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण के तीसरे दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं। वह इस डबल लेग वाले दक्षिण अमेरिकी प्रवास पर पहली बार व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल में जगह बनाने वाली नवीनतम भारतीय निशानेबाज बन गईं, लेकिन स्टैंडिंग पोजिशन राउंड के 10वें शॉट के बाद बाहर हो गईं, जो 45 शॉट के फाइनल का 40वां शॉट था। फाइनल में श्रीयंका ने अपने पहले प्रयास में 10.5 के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन जैसे-जैसे फिनिश की ओर बढ़ना शुरू हुआ, श्रीयंका हारती गईं। उनका सबसे अच्छा मौका तब था जब वे दूसरे प्रोन पोजीशन के दो और शॉट के साथ छठे स्थान पर पहुंच गई थीं, लेकिन 9.8 और 9.3 के रिटर्न ने उनकी चुनौती को प्रभावी ढंग से खत्म कर दिया। उन्होंने अपना अंतिम शॉट 9.9 के साथ पूरा किया और 400.7 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहीं ब्राजील की जियोवाना मेयर के साथ बाहर हो गईं।पेरिस खेलों में रजत पदक जीतने वाली यूएसए की सेगेन मैडालेना ने स्वर्ण पदक जीता। सेगेन के प्रयास ने यूएसए को तीन स्वर्ण और छह पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया। गुरुवार को तीसरे दिन प्रतियोगिता के अंत में भारत दो

स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय निशानेबाजों के लिए कुल मिलाकर चुनौतीपूर्ण दिन रहा, उनमें से कोई भी पुरुष 3पी फाइनल में नहीं पहुंच सका और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) स्पर्धा में क्वालीफाइंग के पहले दौर के बाद उन्हें बहुत कुछ करना था। महिलाओं की 3पी स्पर्धा में भी पहले दो नीलिंग और प्रोन पोजीशन के बाद भारतीयों को संघर्ष करना पड़ा, लेकिन श्रीयंका, आशी चौकसे और पिछले विश्व कप स्वर्ण विजेता सिफ्ट कौर समरा ने फाइनल स्टैंडिंग पोजीशन में शानदार गति पकड़ी और क्वालीफाइंग मार्क के लिए दौड़ लगाई। श्रीयंका 588 के ठोस स्कोर के साथ सातवें स्थान पर पहुंचने में सफल रहीं,आशी नौवें स्थान पर रहीं जबकि सिफ्ट 11वें स्थान पर रहीं, दोनों 587 पर रुकीं और इस तरह मामूली अंतर से चूक गईं। पुरुषों की 3पी में ऐश्वर्या तोमर, नीरज कुमार और चैन सिंह क्रमशः 17वें, 18वें और 19वें स्थान पर रहे। पहले दो निशानेबाजों ने 587 के समान स्कोर बनाए और कुछ अंकों से अंतिम क्वालीफाइंग मार्क से चूक गए, जबकि चैन ने 586 स्कोर बनाए। इस दिन 25 मीटर की स्पर्धा भी हुई, जिसमें अनीश, विजयवीर सिद्धू और गुरप्रीत सिंह सभी ने पुरुषों की रैपिड-फायर पिस्टल में क्वालीफाइंग के पहले दिन शीर्ष छह क्वालीफाइंग मार्क से बाहर रहकर अपना स्थान बनाया।

ऐसा हुआ तो पति जहीर से तलाक ले लेंगी

सोनाक्षी सिन्हा

दुनियावालों के सामने खाई कसम

एक्टर सैफ अली खान की बहन और बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने हाल ही में अपनी दूसरे धर्म में शादी पर खुलकर बात की है. उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि हिंदू धर्म में शादी करने पर उन्हें लोग ट्रोल करते हैं और दिवाली, होली मनाने पर उन्हें उनका धर्म याद दिलाया जाता है. सोशल मीडिया पर लोग उनकी पोस्ट पर कमेंट करते हुए उन्हें ताने मारते हैं. ऐसा ही कुछ दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी और एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के साथ भी होता है.सोनाक्षी सिन्हा ने भी दूसरे धर्म में शादी की है. साल 2010 में फिल्म 'दबंग' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाली सोनाक्षी ने साल 2024 में ही एक्टर जहीर इकबाल से शादी रचाई थी. शादी के समय से ही एक्ट्रेस को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है. उनके और जहीर के रिश्ते पर लोग भड़काऊ कमेंट्स भी करते हैं. एक बार फिर से कुछ ऐसा ही हुआ. एक शख्स ने ये तक कह दिया कि जहीर और सोनाक्षी का तलाक जल्द ही होगा. इसके बाद एक्ट्रेस ने जो जवाब दिया वो सुर्खियां बटोर रहा है. सोशल मीडिया

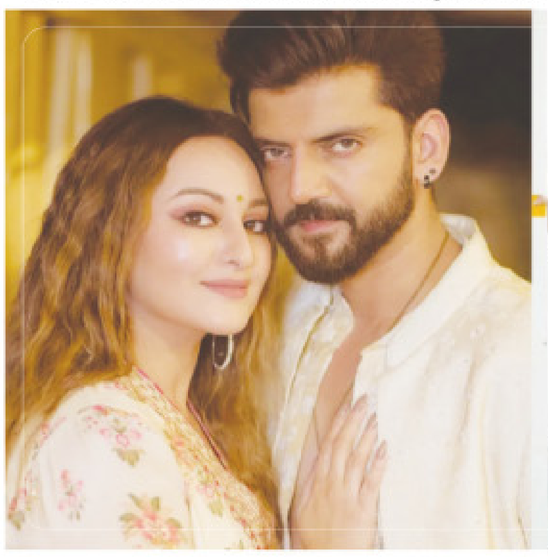

पर एक्ट्रेस ने बड़ा वादा कर दिया.

शख्स ने की सोनाक्षी-जहीर के तलाक की बात

जहीर और सोनाक्षी एक दूसरे के साथ अक्सर ही सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते रहते हैं. हाल ही में सोनाक्षी ने एक पोस्ट शेयर किया था, जिसपर एक शख्स ने हदें पार करते हुए दोनों के तलाक की बात कह दी. शख्स ने कमेंट में लिखा, आपका तलाक बहुत करीब है.

सोनाक्षी ने खाई ऐसी कसम

सोनाक्षी सोशल मीडिया यूजर के इस तरह के कमेंट पर भड़क उठीं. एक्ट्रेस ने उसे मुंहतोड़ जवाब दिया और एक वादा भी सोशल मीडिया पर फैंस के सामने कर डाला. एक्ट्रेस ने रिएक्ट करते हुए लिखा, पहले तेरे मामी पापा करेंगे (तलाक), फिर हम. प्रॉमिस. सोनाक्षी के इस कमेंट की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है. फैंस एक्ट्रेस की इस हाजिरजवाबी की तारीफ कर रहे हैं.

7 साल की डेटिंग के बाद रचाई थी शादी

सोनाक्षी और जहीर ने एक दूसरे को साल 2017 से डेट करना शुरू किया था. सात साल की डेटिंग के बाद कपल ने साल 2024 में एक्ट्रेस के घर पर सिविल मैरिज की थी. इसके बाद उन्होंने मुंबई में रिसेप्शन पार्टी रखी थी, जिसमें कई सेलेब्स शामिल हुए थे.

रेखा के पैर छुए, सारा अली खान से की गपशप, फिर चर्चा में आया 'हीरामंडी' का ये एक्टर

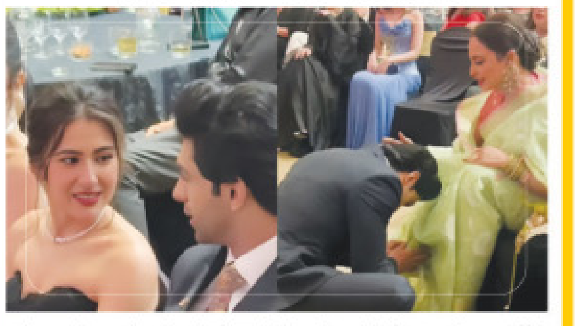

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में अपनी परफॉर्मेंस से सबका दिल जीतने वाले ताहा शाह बादशाह एक बार फिर सोशल मीडिया पर छा गए हैं. दरअसल इस बार उनके वायरल होने की वजह कोई मूवी या सीरीज़ नहीं, बल्कि उनका स्वभाव है. उनके कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें वो रेखा और सारा अली खान के साथ दिखाई दे रहे हैं.वायरल हुए वीडियो में ताहा शाह दिग्गज एक्ट्रेस रेखा के पैर छूते हुए नजर आ रहे हैं. रेखा भी बड़े प्यार से ताहा के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दे रही हैं. इसके बाद काफी देर तक दोनों बातचीत करते हैं. वहीं, उनके पीछे बैठी लापता लेडीज़ फेम नितांशी गोयल ताहा और रेखा के इस मोमेंट की गवाह बनीं.

लोगों ने क्या कहा ?

जब ताहा रेखा के सामने रिस्पेक्ट दिखाने के लिए झुके तो ये मोमेंट मानो लोगों का दिल छू गया. एक यूज़र ने लिखा, ताहा जेंटलमैन हैं. एक अन्य ने लिखा, शाहरुख खान बनने की नाकाम कोशिश.

अवॉर्ड शो में ताहा शाह ग्रे कलर के सूट में काफी डैशिंग लग रहे थे. रेखा हमेशा की तरह साड़ी में नजर आई. उन्होंने पिस्ता ग्रीन कलर की साड़ी को बड़े झुमकों के साथ पेयर किया. आपको जानकर हैरानी होगी कि संजय लीला भंसाली ने 20 साल पहले हीरामंडी में लीडिंग रोल रेखा को ऑफर किया था. इस बात की जानकारी मनीषा कोराला ने एक इंटरव्यू के दौरान दी थी.

सारा के साथ मजेदार केमिस्ट्री

अवॉर्ड शो से वायरल हुए दूसरे वीडियो में ताहा और सारा अली खान हंसते-हंसते एक-दूसरे से मजेदार बातचीत करते दिखे. दोनों के इस वायरल वीडियो पर फैंस भी लगातार कमेंट कर रहे हैं. लोग इस वीडियो को देखने के बाद दोनों की जोड़ी बनाने लगे. एक ने लिखा, दोनों की जोड़ी बहुत अच्छी है, साथ में फिल्म करनी चाहिए. सारा अली खान काले गाउन के साथ डायमंड नेकलेस पहने दिखीं.

ताहा ने हीरामंडी में अपनी एक्टिंग और लुक्स के जरिए सबको हैरान कर दिया था. उन्होंने सीरीज़ में ताजदार बलोच का किरदार निभाया था. सीरीज़ की रिलीज़ के बाद से ही ताहा शाह बादशाह को सब लोग नेशनल क्रश बुलाने लगे थे.

1-2 नहीं, बल्कि आमिर खान की सितारे जमीन पर होंगे 10 किरदार

आमिर खान काफी लंबे वक्त से अपनी अपकमिंग फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं. हालांकि, कुछ वक्त पहले ही फिल्म से जुड़ी एक खास अपडेट सामने आई, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट के बारे में बताया गया है. अभी की बात करें, तो पहली बार आमिर ने फिल्म से जुड़े किरदारों के बारे में बात की है. एक्टर ने बताया है कि फिल्म में 1, 2 नहीं बल्कि कुल 10 मेन किरदार होने वाले हैं.

साल 2007 में आमिर खान की फिल्म तारे जमीन पर रिलीज हुई थी, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था. यही वजह है कि जब से इस फिल्म की अनाउंसमेंट की गई है, तभी से लोगों में इसे लेकर एक्साइटमेंट काफी ज्यादा है. हाल ही में बॉलीवुड हंगामा से बातचीत के दौरान एक्टर ने फिल्म के किरदारों के बारे में बात की. एक्टर ने बताया कि 'सितारे जमीन पर' में जो मेन किरदार हैं, उनमें से कुछ डाउन सिंड्रोम, तो कुछ ऑटिस्टिक हैं.

दिव्यांगों ने भी निभाई रोल

एक्टर ने बताया कि फिल्म में कु मेन किरदारों को दिव्यांगों ने निभाई है. आमिर खान इंडस्ट्री के मिस्टर परफेक्शनिस्ट के तौर पर जाने जाते हैं. हमेशा ही एक्टर कुछ खास परेशानियों को लाते हैं और लोगों के सामने पेश करते हैं. फिल्म के बारे में बात करें, तो इसकी एडिटिंग का काम पूरा हो गया है. 1 मई को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा, हालांकि फिल्म की रिलीज डेट अभी कंफर्म हो गई है, जो कि 20 जून है.

3 साल बाद होगी वापसी

इस फिल्म से पहले आमिर खान लाल सिंह चड्ढा में नजर आए थे, जो कि साल 2022 में रिलीज हुई थी. लंबे वक्त के बाद आमिर की वापसी को लेकर लोगों ने काफी उम्मीद लगाई हुई है.

फिल्म में आमिर खान के साथ जेनेलिया देशमुख भी शामिल हैं. जिस दिन फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो रहा है उस दिन सिनेमाघरों में अजय देवगन की फिल्म रेड 2 रिलीज हो रही है. इस फिल्म में रितेश देशमुख भी शामिल हैं.

मुंह तोड़ दूंगी...शो में आते ही

निया शर्मा

का बवाल, सीधे एल्विश यादव से लिया पंगा

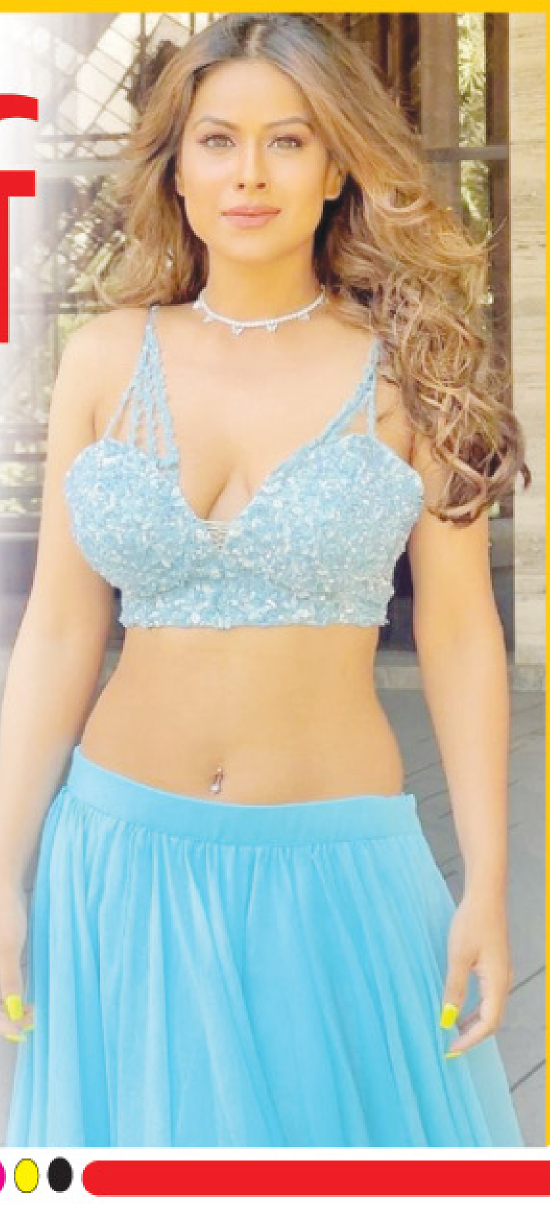

कलर्स टीवी के कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ 2' में निया शर्मा की धमाकेदार वापसी हो चुकी है और आते ही उन्होंने इस शो में अपना दबंग अंदाज दिखाना शुरू कर दिया है. जहां निया के फैंस उनकी वापसी से बेहद खुश हैं, वहीं शो के कुछ नए कंटेस्टेंट्स के लिए वो मुसीबत बनती दिख रही हैं. इन नए कंटेस्टेंट में से एल्विश यादव पर निया ने सबसे पहले निशाना साधा है. जी हां,बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर पर ही सबसे पहले 'सुहागन चुड़ैल' एक्ट्रेस का गुस्सा फूट पड़ा.कलर्स टीवी के सोशल मीडिया पर शेयर किया गया 'लाफ्टर शेफ' का वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है. इस वीडियो में निया शर्मा गुस्से से लाल दिखाई दे रही हैं.

दरअसल निया की टेबल से खाने का कुछ सामान गायब हो गया है. जैसे कि इस कुकिंग कॉमेडी शो में अक्सर होता है, कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के सामान पर हाथ साफ करते नजर आते हैं. लेकिन इस बार निया अपने खाने की चोरी करने वाले को कड़ी चेतावनी देती हुई नजर आ रही हैं.

निया के तेवर देख डर गए एल्विश

प्रोमो में निया शर्मा चिल्ला चिल्ला कर ये कह रही हैं कि हमारा ब्रेड कौन लेकर गया ? मुंह तोड़ दूंगी मैं घूंसा मार के. इसके बाद निया सीधे एल्विश यादव की तरफ बढ़ती हैं और कहती हैं, एल्विश, तुम्हें क्या लगता है कि मैं तुमसे डर गई हूं, ब्रो ? मेरी ब्रेड वापस करो. मैंने तुम्हें चोरी करते हुए देखा है. निया के ये तेवर देख कुछ समय के लिए एल्विश भी दंग रह जाते हैं.

कृष्णा ने उड़ाया मजाक

एल्विश अपनी सफाई में कहते हैं, मेरी तलाशी ले लो आप. इस पर निया और भी तेज आवाज में कहती हैं, एल्विश, मेरा ब्रेड और बटर वापस दो ! एल्विश पलटकर पूछते हैं, बटर भी चाहिए आपको साथ में ? बटर कहां से लाऊं ? इस गरमा गरम माहौल को देखकर कृष्णा अभिषेक मस्ती के मूड में आ जाते हैं और कहते हैं, अरे कौन कहता है कि एल्विश के आगे कोई बोल सकता है क्या ? ये लड़की तो आकर सीधा बोलना शुरू कर दी है.